हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 65 , पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 जून से 15 जून 2023 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

पीएम मोदी को लगता है कि वह भगवान से ज्यादा जानते हैं: राहुल

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के कार्यक्रम 'मोहब्बत की दुकान' में राहुल गांधी बोले

एजेंसी/ सांता क्लारा (अमेरिका)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ऐसे लोग हैं जो सोचते हैं कि वे भगवान से अधिक जानते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका एक उदाहरण हैं। अमेरिकी के कैलिफोर्निया प्रांत के सांता क्लारा में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस यूएसए द्वारा आयोजित मोहब्बत की दुकान कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि ए लोग पूरी तरह से इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि वे सब कुछ जानते हैं। ए लोग इतिहासकारों को इतिहास, वैज्ञानिकों को विज्ञान और सेना को युद्ध लड़ने के तरीके बता सकते हैं। उन्होंने कहा, दुनिया इतनी बड़ी तथा जटिल है कि कोई भी व्यक्ति सब कुछ नहीं जान सकता। यह एक बीमारी है... लेकिन भारत में लोगों का एक समूह है जो पूरी तरह से इस बात को लेकर आश्वस्त है कि वे सब कुछ जानते हैं। उन्हें लगता है कि वे भगवान से भी अधिक जानते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसे लोग भगवान के साथ बैठकर उन्हें भी समझा सकते हैं कि क्या हो रहा है। और हमारे प्रधानमंत्री इसका एक उदाहरण हैं। यदि आप मोदी जी को भगवान के साथ बैठा दें तो वह भगवान को समझाएंगे कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है और भगवान भी हैरान परेशान हो जाएंगे कि यह मैंने क्या बनाया है। राहुल गांधी की इस बात पर वहां मौजूद भारतीय-अमेरिकियों ने खूब ठहाके लगाए।

राहुल फर्जी गांधी हैं, देश को बदनाम करने के लिए विदेशी धरती का इस्तेमाल कर रहे: भाजपा

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने गांधी पर उनकी टिप्पणी को लेकर पलटवार करते हुए दावा किया कि कांग्रेस नेता का इतिहास का ज्ञान उनके परिवार से आगे नहीं बढ़ सका है। उन्होंने कहा, यह हास्यास्पद है कि जो कुछ भी नहीं जानता है वह अचानक हर चीज का विशेषज्ञ बन जाता है। एक व्यक्ति जिसका इतिहास ज्ञान अपने परिवार से परे नहीं जाता, वह इतिहास के बारे में बात कर रहा है। जोशी ने कहा, आलू से सोना पैदा करने का दावा करने वाला एक व्यक्ति विज्ञान के बारे में व्याख्यान दे रहा है और एक व्यक्ति जिसने कभी पारिवारिक मामलों से आगे कदम नहीं बढ़ाया, अब भारत का नेतृत्व करना चाहता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, नहीं मिस्टर फर्जी गांधी, भारत का मूल इसकी संस्कृति है। भारतीयों को अपने इतिहास पर बहुत गर्व है और वे अपने भूगोल की बहुत अच्छी तरह से रक्षा कर सकते हैं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने गांधी पर उनकी इस टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार करते हुए उन्हें फर्जी गांधी करार दिया और कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जो कुछ नहीं जानते , लेकिन हर विषय के विशेषज्ञ बन गए हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने नई दिल्ली में कहा, यह हास्यास्पद है कि जो कुछ भी नहीं जानता है, वह अचानक हर चीज का विशेषज्ञ बन जाता है। एक व्यक्ति जिसका इतिहास ज्ञान अपने परिवार से परे नहीं जाता, वह इतिहास के बारे में बात कर रहा है। जोशी ने उपहास उड़ाते हुए कहा, आलू से सोना पैदा करने का दावा करने वाला एक व्यक्ति विज्ञान के बारे में व्याख्यान दे रहा है और एक व्यक्ति जिसने कभी पारिवारिक मामलों से आगे कदम नहीं बढ़ाया, अब भारत का नेतृत्व करना चाहता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, नहीं मिस्टर फर्जी गांधी उ भारत का मूल इसकी संस्कृति है। आपकी तरह नहीं जो देश को बदनाम करने के लिए विदेशी धरती का इस्तेमाल करते हैं। भारतीयों को अपने इतिहास पर बहुत गर्व है और वे अपने भौगोलिक क्षेत्र की बहुत अच्छी तरह से रक्षा कर सकते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस यूएसए के अध्यक्ष मोहिंदर सिंह गिलजियान ने बताया कि गांधी के इस कार्यक्रम में न केवल सिलिकॉन वैली बल्कि लॉस एंजिलिस और कनाडा से आए समुदाय के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया।

खास ख़बर

केंद्रीय मंत्रियों ने राजग सरकार के नौ साल पूरे होने पर पीएम, जनता का आभार जताया

■ **नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्रियों ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के सत्ता में नौ साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी और विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को उस पैमाने पर लागू करने के लिए धन्यवाद दिया, जिसके बारे में पहले कभी सोचा नहीं गया था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों ने मोदी को 2019 में दूसरे कार्यकाल के वास्ते सेवा करने का मौका देने के लिए देश के लोगों को धन्यवाद भी दिया।।

क्रूज मामला: आरोपी की अग्रिम ज़मानत याचिका पर सुनवाई 6 तक टली

■ **मुंबई।** मुंबई की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेता शाहखान खान के बेटे आर्यन खान को मादक पदार्थ प्रकरण में छोड़ने के एवज़ में रिश्वत की कथित रूप से मांग करने के मामले में आरोपी सैनविले उर्फ सैम डिसूजा की अग्रिम ज़मानत याचिका पर सुनवाई बुधवार को छह जून तक के लिए स्थगित कर दी। विशेष सीबीआई अदालत ने यह भी कहा कि वह गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने के डिसूजा के आग्रह पर अगली सुनवाई के दौरान विचार करेगी।

एनआईए की कश्मीर में छापेमारी, आपत्तिजनक सामग्री जब्त

■ **श्रीनगर।** एनआईए ने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ बुधवार को कश्मीर में तीन स्थानों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर और बड़गाम जिलों में दिनभर की गई छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक साहित्य और कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। प्रवक्ता ने बताया कि प्रतिबंधित और पाकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा , कैडर और उनसे सहानुभूति रखने वाले लोगों के आवासीय परिसर पर छापेमारी की गई।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव तत्काल कराए जाएं : अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने शुक्रवार को लंबे समय से राज्य में लंबित निकाय चुनावों को तत्काल कराने की मांग की। उल्लेखनीय है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी), राज्य के अन्य नगर निगमों और स्थानीय निकाय के चुनाव गत कई महीनों से लंबित हैं। शहरी विकास, आवास, जन स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए

नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार कर विपक्ष ने गौरव के क्षण को गंवा दिया : मोदी

अजमेर के पास कायड़ विश्राम स्थली में पीएम ने किया संबोधित

एजेंसी/ अजमेर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने को लेकर बुधवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया और कहा कि ऐसा करके उन्होंने ना सिर्फ देश की भावनाओं और आकांक्षाओं का अपमान किया बल्कि भारत के गौरव के क्षण को भी अपने स्वार्थी विरोध की भेंट चढ़ा दिया।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह आरोप भी लगाया कि भारत की कामयाबी विपक्षी दलों को पच नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश की हर सफलता के पीछे भारत के लोगों की मेहनत है और देश को आगे ले जाने के लिए हर भारतवासी ने जो संकल्प दिखाया है, वह अद्वितीय है।महामारी के बावजूद बाद देश की अर्थव्यवस्था नई उंचाइयों पर पहुंची और आज दुनिया कह रही है यह दशक भारत का दशक है, यह सदी भारत की सदी है।लेकिन भारत की उपलब्धियां, भारत के लोगों की यह कामयाबी कुछ लोगों को पच नहीं रही है। उन्होंने गत रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए जनता से सवाल किया कि इससे उन्हें गर्व का अनुभव हुआ कि नहीं हुआ? इस दौरान उत्साही भीड़ ने हां-हां कहकर जवाब दिया।

इस पर मोदी ने कहा, लेकिन कांग्रेस और उसके जैसे कुछ दलों ने इस पर भी राजनीति का कीचड़ उछाला। कई-कई पीढ़ियों के जीवन में ऐसे अवसर एक बार ही आते हैं। लेकिन कांग्रेस ने भारत के गौरव के क्षण को भी अपने स्वार्थयुक्त विरोध की भेंट चढ़ा दिया। मोदी ने आरोप गया कि कांग्रेस ने 60,000 श्रमिकों के परिश्रम और देश की भावनाओं व आकांक्षाओं का अपमान किया है।उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को गुस्सा इस बात का है कि एक गरीब का बेटा उनके अहंकार के आड़े आ रहा है, उनकी मनमानी चलने नहीं दे रहा है और उनके भ्रष्टाचार तथा परिवारवाद पर सवाल खड़े कर रहा है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराने की मांग की थी और ऐसा ना होने पर उन्होंने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया था।मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया और नागरिकों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब करार दिया।

हर योजना में 85 प्र. कमीशन खाने वाली पार्टी है कांग्रेस: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस को हर योजना में 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली पार्टी करार देते हुए बुधवार को कहा कि देश से गरीबी हटाने की गारंटी, गरीबों के साथ किया गया कांग्रेस का सबसे बड़ा विश्वासघात है। इसके साथ ही उन्होंने कहा, कांग्रेस की रणनीति रही है कि गरीबों को भरमाओ, गरीबों को तरसाओ। नौ साल के कार्यकाल में देश में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, हमारे देश में विकास के काम के लिए पैसे की कमी कभी भी नहीं रही है पर यह बहुत जरूरी होता है कि जो पैसा सरकार भेजे, वो पूरा का पूरा विकास के कार्यों में लगे। कांग्रेस ने अपने शासन में देश का खून चूसने वाली ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था बना दी थी, जो देश के विकास को खाए जा रही थी। पूर्व पीएम राजीव गांधी ने भी माना था कि कांग्रेस सरकार 100 पैसे भेजती है तो 85 पैसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे।

दो जून को पांच गारंटी को लागू करने के बारे में फैसला लिया जाएगा: सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले घोषित की गईं पांच चुनावी गारंटी को लागू करेगी और इस संबंध में दो जून को मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने वित्तीय जटिलताओं के बारे में जानकारी साझा की है और गारंटियों के कार्यान्वयन के बारे में फैसला लेने के लिए दो जून को मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है। इससे पहले कैबिनेट की बैठक एक जून को निर्धारित थी। पांच गारंटी के कार्यान्वयन के मद्देनजर, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने आज यहां विधान सौध में अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

सिद्धरमैया ने कहा, हमने लोगों को पांच गारंटी दी थीं, इन पांच गारंटी को लेकर संबंधित अधिकारियों और वित्त विभाग के अधिकारियों ने प्रस्तुति दी है। सभी मंत्रियों ने प्रस्तुति देखी है। इसमें सभी विवरण हैं, जैसे कि प्रस्ताव और कार्यान्वयन के वित्तीय प्रभाव। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद यहां पत्रकारों से कहा, हमने आज की बैठक में चर्चा नहीं की है, चर्चा और निर्णय परसों होंगे।

मणिपुर: शाह ने म्यांमा सीमा पर स्थित मोरेह का दौरा किया, कुकी समुदाय के नेताओं से मिले

एजेंसी/ इंफाल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को भारत-म्यांमा सीमा पर स्थित मणिपुर के मोरेह का दौरा किया और कुकी समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने वहां सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि शाह सोमवार रात को विमान से इंफाल पहुंचे। उन्होंने दोपहर में कांगपोकपी जिले का दौरा किया और विभिन्न संगठनों से मुलाकात की। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट किया, केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मणिपुर के मोरेह में कुकी समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से आज मुलाकात की।

अधिकारी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर एक अलग पोस्ट में कहा कि उन्होंने मोरेह में रहने वाले कुछ तमिल व्यापारियों सहित विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

शाह ने कहा, मोरेह में कुकी और अन्य समुदायों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। उन्होंने मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने में सरकार की पहल को मजबूत समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि शाह ने तेंगनुपाल जिले के मोरेह में विभिन्न केंद्रीय और राज्य के सुरक्षा बलों के अधिकारियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी की। शाह ने ट्वीट किया, मोरेह (मणिपुर) में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया।

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका इस यात्रा में शाह के साथ हैं। हालांकि इन बैठकों में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह शामिल नहीं हुए थे।

हिंसा ग्रस्त मणिपुर में शांति बहाली के अपने प्रयासों के तहत केंद्रीय गृह मंत्री ने मंगलवार को मैतेई और कुकी समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने जातीय हिंसा से त्रस्त राज्य में इस तरह की घटनाओं में इजाफा के मद्देनजर सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने शाम में सर्वदलीय बैठक भी की।

अडाणी समूह के मामले पर कांग्रेस का आरोप: दाल में कुछ तो काला है

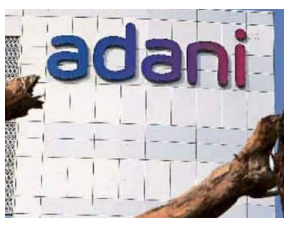

एजेंसी/ नई दिल्ली

कांग्रेस ने एक अंतरराष्ट्रीय ऑडिटर की राय का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि अगर इस अडाणी समूह की नजर में सबकुछ ठीक है तो आरोपों की जांच में किसी स्वतंत्र इकाई को शामिल क्यों नहीं किया गया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह कहने के साथ ही दावा भी किया कि दाल में कुछ तो काला है। अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च की कुछ महीने पहले आई रिपोर्ट में अडाणी समूह पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद से कांग्रेस लगातार इस मामले में उठाते हुए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से इसकी जांच कराने की मांग कर रही है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है। रमेश ने बुधवार को एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ऑडिटर डेलॉइट हास्किन्स एंड सेल्स स्पष्ट रूप से अडाणी के खोखले क्लीन चिट के दावों को नहीं मान रहा है, यहां तक कि सेबी की भी जांच जारी है।

इसने कहा है कि तीन संस्थाओं के साथ अडाणी पोर्ट्स के लेन-देन को असंबंधित पार्टियों के साथ नहीं दिखाया जा सकता है और इसीलिए इसने कंपनी के खातों परै क्वालिफाइड ओपिनियनै (प्रमाणित राय) जारी की है। इसमें आगे कहा गया है कि अडाणी नेै एक स्वतंत्र बाहरी जांच करवाने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है, ऐसे में सवाल उठता है कि अडाणी पोर्ट्स क्या छुपा रहा है? दावे के अनुसार यदि सब कुछ ठीक है तो आपने ऑडिटर की चिंताओं को दूर करने के लिए एक स्वतंत्र इकाई को जांच में शामिल क्यों नहीं किया? दाल में कुछ तो काला है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड चार दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने बुधवार को भारत की अपनी चार दिवसीय यात्रा शुरू की। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच पहले से ही प्रगाढ़ संबंधों में नई गति आने की उम्मीद है।प्रचंड (68) ने दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला था और उसके बाद, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी (सीपीएन-माओवादी) नेता की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी।विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली में हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। यह यात्रा भारत-नेपाल के घनिष्ठ और अनोखे संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। प्रचंड के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। प्रचंड और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को वार्ता करेंगे। उसके बाद दोनों पक्षों द्वारा कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।प्रचंड का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मिलने का कार्यक्रम है।

महाराष्ट्र: एकनाथ शिंदे गुट के कुछ जनप्रतिनिधि उद्धव खेमे के संपर्क में : संजय राउत

एजेंसी/ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कुछ जनप्रतिनिधि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के संपर्क में हैं। राउत की टिप्पणी से एक दिन पहले शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में दावा किया गया था कि प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के 22 विधायक और नौ सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा सौतेले व्यवहारै के कारण घुटन महसूस कर रहे हैं और मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को छोड़ सकते हैं। शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी धड़े के जनप्रतिनिधियों के संपर्क में रहने के सवाल पर शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता राउत ने पत्रकारों से कहा, बातचीत हमेशा होती है।

अगर मेरे ऊपर लगा एक भी आरोप साबित हुआ तो फांसी पर लटक जाऊंगा : बृजभूषण

एजेंसी/ बाराबंकी

पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई)के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने बुधवार को कहा कि अगर उनपर लगा एक भी आरोप साबित हुआ तो वह फांसी पर लटक जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी पहलवान उनके बच्चों की तरह हैं और वह उनको दोष नहीं देंगे क्योंकि उनकी सफलता में उनका भी खून पसीना लगा है।सिंह ने यहां रामनगर इलाके के महादेवा ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मैं आज भी इस बात पर कायम हूं और एक बार फिर कह रहा हूं कि अगर मेरे खिलाफ एक भी आरोप साबित होता है तो मैं स्वयं फांसी पर लटक जाऊंगा। चार महीने हो गए वो मेरी फांसी चाहते हैं लेकिन सरकार मुझे फांसी नहीं दे रही है

ख़ास ख़बर

पुतिन को डूबता जहाज मान रहा है रूस का कुलीन वर्ग- हर्बस्ट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- यूक्रेन में अमेरिका के पूर्व राजदूत जॉन हर्बस्ट ने रूस के कुलीन वर्ग को लेकर एक बड़ा दावा किया है। उन्होने अपने दावे में कहा कि रूस का कुलीन वर्ग पुतिन को डूबता जहाज मान रहा है और इससे बचने के तरीके ढूंढ रहा है। उन्होंने पुतिन की तुलना डूबते जाहाज से की है। अटलांटिक काउंसिल यूरेशिया सेंटर के वरिष्ठ निदेशक जॉन हर्बस्ट ने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन और रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के बीच झड़पों का जिक्र करते हुए कहा- "पिछले सितंबर से रूसी सामाज में दरारे स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगी है।" हर्बस्ट ने कहा- "अधिनायकवादी शासन देखने में स्थिर लगती है, लेकिन वह वास्तव में अस्थिर होती है।÷ पूर्व दूत ने कहा कि शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद को पुतिन के आंशिक लामबंदी से दूर कर लिया। उन्होंने कहा- ÷ये डूबते जहाज का एक संकेत है। रूस के कुलीन वर्ग फिलहाल ये सोच रहे हैं कि इससे उतरना कैसे हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सत्ता हाथ से चली जाएगी लेकिन यूक्रेन में विफलता पुतिन सरकार पर बड़ा दबाव डाल रही है।" उन्होंने कहा- "एक साल पहले ही पुतिन को कीव और खार्गिव के लिए जंग में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अप्रैल 2022 में पुतिन की सेना ने डोनबास में तेजी से प्रगति की थी। इस साल फिलहाल रूस की तरफ से कोई वास्तविक जवाबी हमला नहीं हुआ था, लेकिन यूक्रेन जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है।"

सफाई कर्मियों की लापरवाही से लोगों का आना जाना हुआ दूभर, सड़कों पर लगे कुड़े के ढेर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की मनमानी एवं लापरवाही के कारण दुर्गंधयुक्त रास्ते से लोगों का निकलना दूभर हो गया है। द्वारका ए वार्ड न 121 आदर्श अपार्टमेंट पॉकेट 16 एवम पालम ड्रेन के बीच से निकलने वाली सड़क पर दोनो ओर अतिक्रमण कर सफाई कर्मचारी कूडों के ढेर का अंबार लगाए रहते हैं जिससे वहां से निकलने वालों को सांसें रोक कर गुजरना पड़ता है। इस सिल सिले में मधु विहार आरडब्ल्यूए के प्रधान एवम राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रणबीर सिंह सोलंकी ने बताया कि इस रास्ते से पूरे मधु विहार आदर्श अपार्टमेंट एवम नजदीक के मोहल्लों का आना जाना है लेकिन कूड़ो के अंबार देखकर लोग विचलित हो जाते है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार जेलेंस्की से मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी- युद्ध के समाधान के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं करेंगे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात जी-7 बैठक के दौरान जापान में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हुई। पीएम मोदी जापानी पीएम के आमंत्रण पर जी-7 समिट में शामिल होने के लिए जापान के हिरोशिमा शहर गए हैं। यहां पीएम ने जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक में भी भाग लिया।बता दें कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की इस समय दुनिया भर के बड़े और प्रमुख देशों से समर्थन की मांग कर रहा है। जानकारों की मानें तो जेलेंस्की रूस के ऊपर एक बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इसी के लिए यूक्रेन प्रमुख देशों के साथ बैठक कर रहा है। पिछले महीने यूक्रेन के पहले उप विदेश मंत्री एमिन दजापरोवा भी भारत के दौरे पर आए थे। यात्रा के दौरान उप विदेश मंत्री ने विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी को एक पत्र सौंपा था, जो राष्ट्रपति जेलेंस्की द्वारा पीएम मोदी के लिए लिखा गया था। शांति सूत्र में शामिल होने की मांग पीएम मोदी से मुलाकात करने के बाद जेलेंस्की ने कहा कि मोदी को उनके शांति सूत्र के बारे में विस्तार से बताया है। मैंने भारत से इसके कार्यान्वयन में शामिल होने का आग्रह किया है। जेलेंस्की ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का समर्थन और मदद के लिए धन्यवाद। उन्होंने यूक्रेन में मोबाइल अस्पतालों की आवश्यकता के बारे में भी मोदी से बात की है।पीएम ने पहले फोन पर की थी बात बैठक के बाद अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि आखिर बैठक में दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच किन मुद्दों पर चर्चाएं हुई हैं। पिछले साल फरवरी में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। इसके बाद पीएम ने पुतिन के साथ-साथ जेलेंस्की से भी बात की थी। 4 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रपति जेलेस्की से फोन पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि भारत किसी भी शांति के लिए किए जा रहे प्रयासों में योगदान दे सकता है। पिछले साल ही उज्बेकिस्तान में पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई थी। यहां पीएम ने पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए प्रेरित किया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। विश्वास करें कि भारत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बहाल करने में भाग लेगाः जेलेंस्की यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उनका मानना है कि भारत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बहाली में भाग लेगा, जिसकी सभी स्वतंत्र राष्ट्रों को स्पष्ट रूप से आवश्यकता है।

जेंलेंस्की ने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बात की। मैंने अपने शांति सूत्र की प्रगति पर एक अद्यतन दिया। हम विभिन्न हिस्सों से नेताओं और देशों को सूत्र प्रस्तुत करने के कई चरणों को पार कर चुके हैं। बैठक में, पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि यूक्रेन संघर्ष को हल करने में मदद के लिए जो भी संभव होगा वह करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मैं संघर्ष को हल करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे। पिछले साल 24 फरवरी को शुरू हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है। जेलेंस्की से मिल बोले पीएम- युद्ध के समाधान के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के हिरोशिमा में ळ7 शिखर सम्मेलन से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। पिछले साल शुरू हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बैठक है। यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने कहा, "यूक्रेन युद्ध दुनिया का एक बड़ा मुद्दा है। मैं इसे सिर्फ अर्थव्यवस्था और राजनीति का मुद्दा नहीं मानता, मेरे लिए यह मानवता का मुद्दा है। भारत और मैं युद्ध के समाधान के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं वह करेंगे।" फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से मिले पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की। नेताओं ने बैस्टिल दिवस के लिए प्रधानमंत्री की आगामी फ्रांस यात्रा पर चर्चा की

बहादुरगढ़ मे डांस कंपीटिशन का आयोजन, पहुचे उभरते डांस कलाकार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली के रोहतक रोड पर दा ग्रेट डांस कपीटिशन का आयोजन हुआ। इस मे कई जगहो से आए प्रतिभागियो ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर मिसेज इंडिया डॉ किरण छिल्लर ने प्रतिभागियों को संदेश देते हुए कहा कि पढाई के साथ-साथ हमे दूसरी गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए तभी हम बहुमुखी प्रतिभा के धनी बन सकेंगे। इस प्रोग्राम में मिसेज इडिया 2019 रह चुकी डॉ किरण छिल्लर और फिट इंडिया अम्बेस्डर दीपक छिल्लर को सेलिब्रिटी गेस्ट आमंत्रित किया गया।

आयोजन पूजा और संजु भाटिया ने डॉ किरण छिल्लर का मालाएं और पगडी पहनाकर स्वागत किया। डॉ किरण छिल्लर ने कहा की डांस आपको शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखता है।

पढ़ाई के साथ-साथ दूसरी गतिविधियों में भी लेना चाहिए भाग- डॉ किरण

उन्होने कहा कि कोई भी आयोजन छोटा या बड़ा नही होता बस हमें उसमें पूरी गंभीरता से भाग लेना चाहिए। हमे शिक्षा के साथ साथ इस तरह के कार्यक्रमो मे भी बढ चढ कर भाग लेना चाहिए। वहीं फिट इंडिया अंबेसडर दीपक छिल्लर ने कहा कि शारीरिक तौर पर फिट रहने के लिए व्यायाम पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि यदि हम शारीरिक तौर पर फिट है तो जीवन में सब कुछ कर सकते हैं। उन्होने युवाओं को फिट रहने का गुरू मंत्र भी दिया।

केंद्र व राज्य सरकारों के सौतेले व्यवहार पर अर्ध सैनिकों में भारी रोष

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- एक्स सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक का आयोजन समुह केंद्र सीआरपीएफ जालंधर में किया गया। इस बैठक में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर दिल्ली के प्रतिनिधियों के अलावा 250 पूर्व अर्धसैनिकों व पैरामिलिट्री शहीद विधवाओं विरांगनाओ ने शिरकत की। कॉनफैडरेशन एक्स पैरामिलिट्री वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अर्ध सैनिक बलों के प्रति किए जा रहे सौतेले व्यवहार की कड़ी भर्त्सना की। उन्होने कहा कि अगर सरकार ने हमारी जायज मांगों को अनदेखी की तो हिमाचल व कर्नाटक जैसे नतीजे ही देखने को मिलेंगे। इस मौके पर श्री पीएस संधू अध्यक्ष पंजाब द्वारा जवानों की पुरानी पैंशन बहाली, राज्यों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड व पैरामिलिट्री स्कूल व अर्धसैनिक झंडा दिवस कोष के गठन की मांग दोहराई। मौहम्मद शेर खान, चौधरी मौहम्मद सादिक, अदालत हुसैन जम्मू कश्मीर, एमएल ठाकुर, मनबीर कटोच हिमाचल प्रदेश, बलबीर सिंह कार्डिनेटर, विरांगना शीला देवी हरियाणा, कॉनफैडरेसन महासचिव रणबीर सिंह दिल्ली व पंजाब से आए अन्य जिलों के सैकड़ों पूर्व पैरामिलिट्री परिवारों ने भागीदारी निभाई। पंजाब एसोसिएशन द्वारा इस मौके पर शहीद परिवारों की विधवाओं का सम्मान किया गया व पूर्व सैनिकों का माला व सरोपे भेंट कर सम्मानित किया गया।

एक्स सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक बैठक में अर्ध सैनिकों किया अपना रोष व्यक्त

जिला में जाम व सबमर्सिबल को लेकर जिला विकास समिति का बड़ा निर्णय

नही होंगे जिला में सबमर्सिबल बंद, जाम व अतिक्रमण पर भी होगी कार्यवाही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- जिला दक्षिण-पश्चिम में समस्याओं को लेकर जिला विकास समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उत्तम नगर विधायक और जिला विकास समिति के चेयरमैन नरेश बालियान ने कापसहेड़ा कार्यालय में जिला विकास समिति की बैठक ली इसमें विकास कार्यों में और तेजी लाने और अन्य विकास कार्य शुरू करने पर चर्चा की गई। साथ ही बैठक में दो अहम फैसले भी लिए गये जिसके तहत अब जिले में सबमर्सिबल के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की जायेगी, साथ ही जिला में जाम व अतिक्रमण पर प्रशासन कड़ी कार्यवाही करेगा। बैठक में जिलाधिकारी हेमंत कुमार के साथ मटियाला के विधायक गुलाब सिंह यादव जनकपुरी के विधायक राजेश ऋषि पालन की विधायक भावना गौड़ और द्वारका के विधायक विनय मिश्रा मुख्य रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर जिला विकास समिति के चेयरमैन नरेश बालियान ने कहा कि बैठक में मुख्य रूप से 2 बिंदुओं पर निर्णय लिया गया है इसमें पहला यह है कि इलाके में किसी भी जगह पर समर्सिबल लगे हैं तो उसे बंद नहीं किया जाएगा। नरेश बालियान ने कहा कि ऐसा निर्णय इसलिए लेना पड़ा क्योंकि गर्मी के इस मौसम में पानी की मांग काफी बढ़ गई है और सभी जगहों पर नल से पानी नहीं पहुंच रहा है इसलिए समर्सिबल को बंद करने पर जोर नहीं देने का फैसला लिया गया है। उन्होने कहा कि इस पर अधिकारियों के कहने के बाद भी जिला के अधिकारियों की टीम इलाके में समर्सिबल को बंद कर रही है जिसे लेकर यह निर्णय लिया गया ताकि अब आगे से ऐसा ना हो गर्मी के इस मौसम में समर्सिबल से लोगों को राहत मिल सके। नरेश बालियान ने कहा कि दूसरा बिंदु जिले में जाम की समस्या को लेकर था जिसमें उत्तम नगर से द्वारका तक के मार्ग से सभी अतिक्रमण हटाए जाने का फैसला लिया गया है ताकि यातायात सुगम हो सके। उन्होंने बताया कि यही स्थिति कापासेड़ा बॉर्डर पर भी बनी हुई है। जहां भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जोर शोर से चलाया जाएगा ताकि लोगों को सड़क पर जाम से न जूझना पड़े। इस अवसर पर डीएम कापसहेड़ा हेमंत कुमार ने बैठक में शामिल हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया व आभार जताया।

जी-7 देशों के संयुक्त बयान से भड़का चीन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- जापान के हिरोशिमा में जी-7 देशों का सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन के अंत में जो संयुक्त बयान जारी किया गया, उससे चीन नाराज हो गया है। चीन ने संयुक्त बयान के खिलाफ जी-7 देशों के खिलाफ कूटनीतिक तरीके से विरोध किया है। बता दें कि जी-7 देशों ने अपने संयुक्त बयान में ताइवान, पूर्वी और दक्षिण चीन सागर के मामले में चीन की कार्रवाई की निंदा की। वहीं चीन ने इस बयान को उसके आंतरिक मामलों में दखल माना है और इसके खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई है। जी-7 देशों ने संयुक्त बयान में क्या कहा जी-7 देशों की बैठक के बाद जो संयुक्त बयान जारी किया गया, उसमें चीन का खूब जिक्र किया गया। बयान में कहा गया है कि जी-7 देश भी चीन के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं लेकिन वह चीन के ताइवान, पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर के मुद्दों को लेकर चिंतित भी हैं। जी-7 देशों ने चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले पर भी बात की और कहा कि तिब्बत, हॉन्ग कॉन्ग, शिनजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति खराब है और उइगुर मुसलमानों को डिटेंशन कैंप में रखने पर भी चिंता जाहिर की।

जी-7 नेताओं के बयान को बताया- चीन के आंतरिक मामलों में दखल

बेहिचक बदलवाये 2000 के नोट, किसी आईडी व फॉर्म भरने की जरूरत नही,अफवाहों के चलते सामने आया एसबीआई का स्पष्टीकरण, दी जानकारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने रविवार को बताया है कि ग्राहक दो हजार के नोट बिना किसी आईडी प्रूफ और फॉर्म भरे ही बैंक की विभिन्न शाखाओं से बदलवा सकेंगे। एसबीआई ने कहा है कि 20 हजार कीमत तक के नोट बिना आईडी प्रूफ के बदलवाए जा सकेंगे। बता दें कि एसबीआई का यह स्पष्टीकरण, सोशल मीडिया पर चल रहीं उन अफवाहों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि दो हजार के नोट बदलवाने के लिए आईडी प्रूफ, आधार कार्ड दिखाने के साथ ही एक फॉर्म भी भरना होगा।

बता दें कि रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एलान किया था कि 2000 के करेंसी नोट चलन से बाहर होंगे। हालांकि नोटों को बदलने के लिए रिजर्व बैंक ने 30 सितंबर तक का वक्त दिया है। इस दौरान लोग बैंकों में जाकर अपने दो हजार के नोट अन्य करेंसी नोट से बदल सकते हैं। अब स्टेट बैंक ने अपने सभी स्थानीय हेड ऑफिस के चीफ जनरल मैनेजर्स को भेजी जानकारी में बताया है कि 20 हजार तक की कीमत के दो हजार के नोट बिना किसी आईडी प्रूफ और मांग पर्ची के बदले जा सकेंगे।

अपने ही बैंक खाते में जमा करने की सीमा तय नहीं

अपने ही खाते में दो हजार के नोट जमा करने की रिजर्व बैंक ने कोई सीमा तय नहीं की है लेकिन यह ग्राहकों को केवाईसी और अन्य वैधानिक नियमों पर निर्भर करेगा। 20 मई को भेजी जानकारी में एसबीआई ने कहा है कि दो हजार के नोट बदलवाने के लिए किसी आईडी प्रूफ की भी जरूरत नहीं होगी। बैंक ने अपने अधिकारियों से कहा है कि वह जनता के साथ सहयोग करें ताकि दो हजार के नोट बदलने की पूरी प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के और आसानी से पूरी हो सके। नोट बदलने की प्रक्रिया 23 मई से शुरू होगी लेकिन कुछ लोग शनिवार को ही बैंक पहुंच गए। एसबीआई ने बताया कि ऐसे लोगों को समझाकर वापस भेजा गया।

कुछ ग्राहकों ने दो हजार के नोट बैंक में जमा करने के लिए डिपॉजिट मशीन का भी इस्तेमाल किया। कुछ लोगों ने खरीददारी कर दो हजार के नोट खर्च करने की कोशिश की लेकिन रिजर्व बैंक के नोटिफिकेशन के बाद बाजार में भी लोग दो हजार के नोट लेने में हिचक रहे हैं।

सूची

आईसीसी ने युद्ध के दौरान यूक्रेन में रूसी सेना द्वारा किए गयुद्ध अपराधों के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराया

रूस ने पुतिन का आईसीसी वारंट जारी करने वाले ब्रिटिश अभियोजक को वांछित सूची में जोड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के दो महीने बाद रूस ने हेग स्थित अदालत में बदले की कार्यवाही करते हुए ब्रिटिश अभियोजक करीम खान को अपनी वांछित सूची में डाल दिया है।

बता दें इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेन के नाबालिगों को रूस भेजने की कथित साजिश के सिलसिले में पुतिन और रूसी अधिकारी मारिया अलेक्सेयेवना लवोवा-बेलोवा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। आईसीसी ने एक साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के दौरान यूक्रेन में रूसी सेना द्वारा किए गए युद्ध अपराधों के लिए पुतिन को जिम्मेदार ठहराया।

जाहिर तौर पर, खान की तस्वीर और व्यक्तिगत विवरण रूसी आंतरिक मंत्रालय के डेटाबेस में दिखाई दे रहे थे, जहां उन्हें अपराध के आरोपों में वांछित के रूप में लेबल किया गया था। रूस ने मार्च में खान और आईसीसी के तीन न्यायाधीशों के खिलाफ इस आधार पर आपराधिक कार्यवाही शुरू की कि उन्होंने रूसी कानून के तहत अपराध के संकेत किए हैं। पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें खान के उदाहरण में जानबूझकर एक निर्दोष व्यक्ति पर अपराध का आरोप लगाना और न्यायाधीशों के मामलों में जानबूझकर गलत कारावास शामिल है। मार्च में, हेग स्थित अदालत ने एक बयान में कहा कि पुतिन जनसंख्या के अवैध निर्वासन के युद्ध अपराध और यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से रूसी संघ में आबादी के अवैध हस्तांतरण के लिए कथित रूप से जिम्मेदार हैं। अल जजीरा के अनुसार, इसी तरह के आरोपों पर रूसी संघ के राष्ट्रपति के कार्यालय में बच्चों के अधिकारों के लिए आयुक्त मारिया अलेक्सेयेवना लावोवा-बेलोवा की गिरफ्तारी का वारंट भी जारी किया। संयुक्त राष्ट्र नरसंहार सम्मेलन समूह के बच्चों को दूसरे समूह में जबरन स्थानांतरित करनेको पांच कृत्यों में से एक के रूप में परिभाषित करता है जिसे नरसंहार के रूप में मुकदमा चलाया जा सकता है।

कजान फोरम में तालिबान की मौजूदगी का मतलब मॉस्को से मान्यता नहीं कजान फोरम' का आयोजन तातारस्तान के रूसी गणराज्य की राजधानी कजान में किया गया था।

दूत ने कहा कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल, जिसे रूस में प्रवेश करने से रोक दिया गया था, काज़ान फोरम में उन प्रतिभागियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया था जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा मंजूरी नहीं दी गई थी।

सूची

- आईसीसी ने यूक्रेन के नाबालिगों को रूस भेजने की कथित साजिश के सिलसिले में पुतिन और रूसी अधिकारी मारिया अलेक्सेयेवना लवोवा-बेलोवा के खिलाफ किया था गिरफ्तारी वारंट जारी

कांग्रेस ने की दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली में बिगड़ती प्रशासनिक व्यवस्था और सरकार की अस्थिरता को देखते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर आम आदमी पार्टी और भाजपा में छिड़ी जंग के कारण दिल्ली में अराजकता का माहौल बन गया है। मंत्री सौरभ भारद्वाज प्रशासनिक व्यवस्था पर नियंत्रण करने की बजाय अधिकारियों को जबरन काम के लिए धमका रहे है।

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली घटना है। जब दिल्ली के मंत्रियों ने मुख्य सचिव सर्विसेस पदेन प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर ऑर्डर के लिए उपराज्यपाल निवास पर धरना दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए। केजरीवाल के मंत्री अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं, इससे पूर्व भी 19 फरवरी 2018 को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्य सचिव को मीटिंग के लिए बुलाकर उनके साथ मारपीट की गई। यह मामला कोर्ट में चल रहा है। तानाशाह रवैये के कारण अधिकारी भय के माहौल में जी रहे है। दिल्ली की जनता की अनदेखी हो रही है। सरकार की निष्क्रियता के कारण के दिल्ली में प्रशासनिक व्यवस्था बदहाल हो गई है। इसलिए दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगना चाहिए। चुनी हुई सरकार को संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत ही करना चाहिए।

ख़ास ख़बर

2024 की तैयारी को लेकर नीतीश कुमार ने की केजरीवाल से मुलाकात

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- विपक्षी एकता को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्ष के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसी कड़ी में नीतीश कुमार ने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक, नीतीश कुमार तय कार्यक्रम के तहत सुबह करीब 11.30 बजे सविल लाइन्स स्थित केजरीवाल के आवास पर पहुंचे। उनके साथ बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और राजद के सांसद मनोज झा भी पहुंचे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात में उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा दिल्ली के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नकारते हुए अध्यादेश लाने के मुद्दे पर वे दिल्ली की जनता के साथ खड़े हैं। अगर केंद्र इस अध्यादेश को विधेयक के रूप में लाता है तो सभी गैर-भाजपा दल एक साथ आ जाएं तो उसे राज्यसभा में हराया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो इससे यह संदेश जा सकता है कि 2024 में भाजपा सरकार बाहर हो जाएगी। वहीं, नीतीश कुमार ने कहा कि एक चुनी हुई सरकार को दी गई शक्तियां कैसे छीनी जा सकती हैं? यह संविधान के खिलाफ है। हम अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। हम देश की सभी विपक्षी पार्टियों को साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं।

अब मेट्रो स्टेशनों पर आवाजाही में बाधा नही बनेंगे ई-रिक्शा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- मल्टी मोडल इंटीग्रेशन सुविधा वाले कुछ प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को निर्बाध और आसान आवाजाही की सुविधा मिले इसलिए डीएमआरसी एक विशेष अभियान चला रही है। इन सभी स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए पैदल पथ मार्ग से दूकानदारों, रेहड़ी-पटरीवालो,ई-रिक्शा व ऑटो आदि के अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही पूरी तेजी से की जा रही है। जानकारी के मुताबिक इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य इन सभी स्टेशनों पर उपलब्ध एमएमआई सुविधाओं के उचित उपयोग के लिए पैदल यात्रियों के सुरक्षित और सुचारू आवाजाही, सामान्य यातायात को सुनिश्चित करने और मेट्रो स्टेशनों से प्रवेश, निकास के दौरान यात्रियों के लिए बाधा मुक्त आवाजाही प्रदान करना है।

यह विशेष अभियान दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, दिल्ली पुलिस, सीआईएसएफ और संबंधित स्टेशन स्टाफ के साथ 11 मेट्रो स्टेशनों पर सुबह आठ बजे से 11 बजे तक और शाम पांच बजे से आठ बजे तक चलाया जा रहा है।

कड़ी सुरक्षा के बीच जी-20 सम्मेलन की शुरुआत, चप्पे-चप्पे पर कमांडो तैनात

विभिन्न देशों के प्रतिनिधि पहुंचे श्रीनगर, कश्मीरी संस्कृति से किया गया भव्य स्वागत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज यहां शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर एसकेआइसीसी में जी-20 पर्यटन कार्यसमूह का सम्मेलन शुरु हो रहा है। तीन दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में जी-20 सदस्य राष्ट्रों में 17 और आमंत्रित अतिथि देशों में से आठ राष्ट्रों समेत कुल 25 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

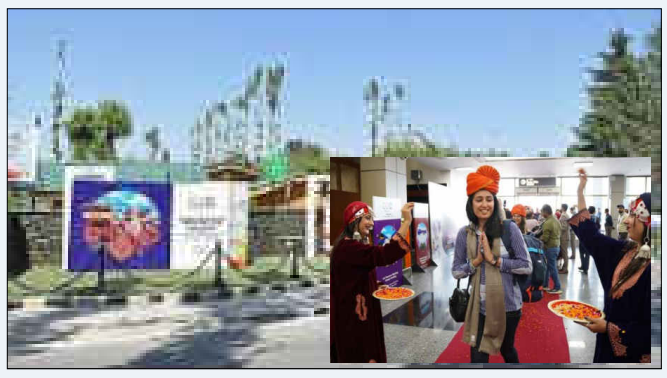

विदेशी मेहमान सम्मेलन के अंतिम दिन ग्रीष्मकालीन राजधानी के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के अलावा मुगलकालीन बागों की भी सैर करेंगे। सभी मेहमानों की कड़ी सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर कमांडो तैनात किये गये हैं।

डल झील में नौंसेना का मार्कोस दस्ता और सीआरपीएफ के वाटर विंग के जवान तैनात किए गए हैं। कश्मीर राग अलापने वाले पाकिस्तान के फर्जी प्रोपेगेंडा को काउंटर करने के लिए भारत ने एक बेहद शानदार दांव चला, जो कामयाब होता दिखाई दे रहा है। जी-20 सम्मेलन के तहत भारत ने टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की तीसरी मीटिंग का आयोजन जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में किया। भारत के इस दांव से चारों खाने चित होने के बाद पाकिस्तान ने पहले ही बैठक के खिलाफ माहौल बनाने का फैसला कर लिया था।

पाकिस्तान ने काफी कोशिश की, कि कश्मीर पर उसके प्रोपेगेंडा को दूसरे देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिले लेकिन पड़ोसी देश खाली हाथ ही रह गया। वहीं पाकिस्तान के कहने पर चीन ने इस बैठक में भाग लेने से इंकार कर दिया। चीन ने मीटिंग में टांग अड़ाने की कोशिश भी की थी।

ड्रैगन ने कहा था कि वह किसी भी 'विवादित क्षेत्र' में बैठक आयोजित करने का विरोध करता है। चीन के अलावा सिर्फ दो देश तुर्की और सऊदी अरब ने हिचकिचाहट दिखाई। इन चंद देशों को छोड़ दें तो अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, यूरोपीय यूनियन और साउथ अफ्रीका जैसे 17 ताकतवर देशों ने इस बैठक में शामिल होने में अपनी रुचि दिखाई।

इन देशों के 60 डेलिगेट्स भारत पहुंचे हैं। श्रीनगर में जी 20 पर्यटन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 25 देशों के 60 प्रतिनिधि श्रीनगर पहुंच चुके हैं। जी 20 मीट के लिए पहुंचे प्रतिनिधियों का श्रीनगर एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बता दें कि कश्मीर घाटी में वर्ष 1986 के बाद यह अपनी तरह का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन है। आज दुनिया खुद कश्मीर में बदलाव की तस्वीर देखेगी। इसी के चलते दक्षिण के सुपरस्टार राम चरण भी श्रीनगर हवाई अड्डे पर पहुंच गए हैं। हवाई अड्डे पर उनका पगड़ी पहना के स्वागत हुआ। वह जी 20 बैठक के फिल्म पर्यटन पर होने वाली चर्चा में शामिल होंगे। सम्मेलन में फिल्म पर्यटन और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन पर चर्चा होगी। विदेशी मेहमान सम्मेलन के अंतिम दिन ग्रीष्मकालीन राजधानी के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के अलावा मुगलकालीन बागों की भी सैर करेंगे। वह कश्मीर के हालात का खुद जायजा लेने के लिए श्रीनगर के बाजारों का दौरा करते हुए स्थानीय लोगों से भी बातचीत करेंगे। तीसरी जी 20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप मीटिंग में सभी आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी गुजरात के कच्छ के रण और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित पिछली दो बैठकों की तुलना में सबसे अधिक होगी। ललित ग्रैंड होटल में मेहमानों के स्वागत में कश्मीरी लोकनर्तकियों ने कश्मीर के मशहूर लोकगीत कराल कूरी काला करेई कुसमन पर कश्मीरी नृत्य रौफ पेश किया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ अमिताभ कांत जी-20 सम्मेलन में भाग लेने के लिए 122 डेलगेट एयर एशिया की एक चार्टर्ड विमान सेवा के जरिए दिल्ली से श्रीनगर पहुंचे हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर मेहमानों का स्वागत जी-20 की संयुक्त सचिव भावना सक्सेना और जम्मू कश्मीर के अतिरिक्त महानिदेशक सुरक्षा और मंडलायुक्त कश्मीर व पर्यटन सचिव व अन्य अधिकारियों ने किया।

जी 20 सम्मेलन जम्मू और कश्मीर के विकास को देगा बढ़ावा
कश्मीर के लोग श्रीनगर में आयोजित जी 20 शिखर सम्मेलन का स्वागत करने के लिए भी तैयार हैं। यह जी 20 शिखर सम्मेलन सभी क्षेत्रों में जम्मू और कश्मीर के विकास को बढ़ावा देता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा देता है जिससे केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए श्रीनगर शहर की दीवारों को सजाया गया प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए श्रीनगर शहर की दीवारों और सड़कों को सजाया गया है।

कश्मीर के लोग श्रीनगर में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का स्वागत करने के लिए भी तैयार हैं जो कश्मीर में पर्यटन और व्यापार क्षेत्र को बढ़ावा देता है।

भाजपा नेता विजय जॉली ने किया जनऔषधी केंद्र का उद्घाटन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय जॉली ने रविवार को देवली रोड़ दक्षिण दिल्ली में खुले नये पीएम जनऔषधी केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में उन्हें नए सिरे से प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना पीएमबीजेपी शुरू की थी। वरिष्ठ भाजपा नेता विजय जॉली ने दावा किया कि इस स्वास्थ्य परियोजना से आज लाखों गरीब नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। डॉक्टर जोली ने देवली रोड दक्षिण दिल्ली में खुले नए जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करते हुए केंद्र सरकार की इस परियोजना को ऐतिहासिक बताया। इसके साथ ही भाजपा नेता डॉक्टर जोली ने बताया कि भारत में 9148 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। जिनमें 1759 सामान्य दवाइयों के साथ 280 सर्जिकल सामान सामान्य दाम पर बेचे जा रहे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण दवाइयों को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराना है। गत वर्ष इन दुकानों की कुल बिक्री 1094.84 करोड रुपए रही।

पापुआ न्यू गिनी और फिजी में सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

दुनियाभर में बजा भारत का डंका, पीएम ने कहा यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों का

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक कई देशों के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जा चुके हैं। इस बार भी पीएम मोदी को पापुआ न्यू गिनी और फिजी ने अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है।

फिजी ने उन्हें 'कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया तो वहीं पापुआ न्यू गिनी ने अपने सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रैंड कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु' से पीएम मोदी को नवाजा है।

फिजी के सर्वोच्च पुरस्कार से नवाजे जाने पर पीएम मोदी ने कहा, "यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का है, सदियों पुराने भारत-फिजी संबंधों का है। पापुआ न्यू गिनी की तरफ से प्रधानमंत्री को प्रशांत द्वीप देशों की एकता के कारण और 'ग्लोबल साउथ' की अगुवाई करने के लिए 'द ऑर्डर ऑफ लोगोहु' दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (21 मई) को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे जहां एयरपोर्ट पर उनका स्वागत पीएम जेम्स मारपे ने पैर छूकर किया था।

अब पापुआ न्यू गिनी ने पीएम मोदी को 'द ग्रैंड कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु' से नवाजा है, जोकि बहुत कम अनिवासियों को दिया गया है।

एबकल से किया गया सम्मानित- मानद पुरस्कार न होने पर पीएम मोदी को पलाऊ के राष्ट्रपति सुरंगेल व्हिप्स, जूनियर ने एक एबकल भी दिया था। एबकल पलाऊ के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है और स्थानीय संस्कृति के साथ इसका एक मजबूत रिश्ता है। यह नेतृत्व और ज्ञान का भी प्रतीक है।

आरबीआई का निर्देश, रोजाना जमा होने वाले 2000 के नोटों की जानकारी संभाल कर रखें बैंक

- नियमों के तहत कितने भी नोट बदले बैंक, दूसरी मुद्रा की बाजार में कोई कमी नही

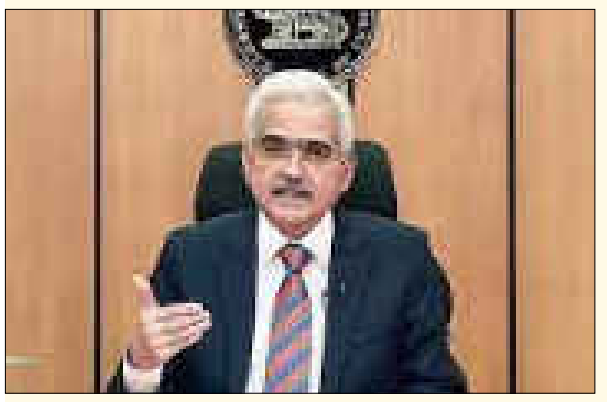

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- 2000 हजार रूपये के नोट अब चलन से बाहर हो गये है। यह फैसला क्लीन नोट पॉलिसी के तहत लिया गया है।

हालांकि 2000 रूपये के नोट बदलने का काम 23 मई से शुरू हो रहा है जो चार महीने तक चलेगा। हालांकि आरबीआई ने 2000 के नोट बदलने में कोई आईडी या फार्म भरने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है लेकिन फिर भी बैंको को निर्देश जारी कर कहा है कि बैंकों में रोजाना जमा होने वाले 2000 के नोट का डेटा बैंकों को संभाल कर रखना होगा।

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने की पूरी तैयारी की गई है। भारत रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि रोजाना जमा हो रहे दो हजार के नोट का डेटा मेंटेन करें। आरबीआई की ओर से 22 मई को इससे संबंधित निर्देश जारी किए गए हैं। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि नियमों के तहत जितने चाहे उतने नोट बदले जा सकते हैं।

साथ ही, केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि बाजार में दूसरे मूल्य वर्ग के नोटों की कमी नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आम जनता को काउंटर पर 2000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा सामान्य तरीके से प्रदान की जाएगी, जैसा कि पहले प्रदान किया जा रहा था। नोट बदलने के लिए चार महीने का वक्त दिया जाएगा। दास ने कहा कि दो हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला क्लीन नोट पॉलिसी के तहत लिया गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने की पूरी तैयारी की गई है। 23 मई से किसी भी बैंक में एक समय में 2000 रुपये के नोटों को अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों में बदलने की सीमा 20,000 रुपये तक होगी। दास ने कहा, हम नोट बदलने में आने वाली मुश्किलों को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर की अपील-2000 के नोट बदलने के लिए ना करें अफरातफरी

आरबीआई गवर्नर ने लोगों से अपील की है कि वे नोटों की अदला-बदली करने के लिए कतई परेशान ना हों। किसी भी अफरातफरी से बचें। इस बीच वे 2000 रुपये के नोट के साथ 30 सितंबर तक खरीदारी भी कर सकते हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 2000 के नोटों की छपाई बंद हो चुकी है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 4 महीने का समय दिया गया है, कोई जल्दबाजी की जरूरत नहीं है इसलिए आप आराम से बैंक जाए और 2000 रुपए के नोट बदलें। चिंता करने या परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है।

पापुआ न्यू गिनी के दौरे में एफआईपीआईसी की बैठक से चीन पर नकेल कसेंगे पीएम मोदी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान में जी-7 और क्वाड बैठकों में शामिल होने के बाद रविवार (21 मई) को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। तीन देशों के अहम दौरे पर निकले पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को पापुआ न्यू गिनी में कई बड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। साथ ही पीएम मोदी एफआईपीआईसी की बैठक में भी भाग लेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के संबंधों को मजबूत करते हुए चीन पर नकेल कसने का भी काम करेंगे।

पीएम मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पापुआ न्यू गिनी की यात्रा की है। इस बीच पीएम मोदी के एयरपोर्ट पहुंचने पर पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने उनके पैर छूकर स्वागत किया जिस पर पीएम मोदी ने जेम्स मारापे को गले लगाकर उनका अभिवादन किया।

पापुआ न्यू गिनी पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात भी की। पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी में तूफानी दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया के लिए निकल जाएंगे।

अमेरिका में पीएम मोदी का होगा ग्रैंड वेलकम, भारतीय अमेरिकी समुदाय तैयारी में जुटा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले महीने होने जा रही अमेरिका यात्रा को लेकर यूएस में भारतीय समुदाय में खासा उत्साह बना हुआ है। पीटीआई के मुतबिक भारतीय-अमेरिकियों का पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम करने का प्लान बना रहे हैं और इसके लिए 18 जून को अमेरिका के 20 बड़े शहरों में 'भारत एकता दिवस' मार्च आयोजित किया जाएगा।

बता दें कि पीएम मोदी की यूएस की यह पहली राजकीय यात्रा है। पीटीआई के मुताबिक भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता और 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा'-यूएसए के राष्ट्रीय अध्यक्ष अडापा प्रसाद ने कहा, 'भारतीय अमेरिकी समुदाय पीएम मोदी की यात्रा को लेकर बहुत उत्साहित है। समुदाय वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रीय स्मारक पर 18 जून को एकत्रित हो रहा है।'

प्रतिष्ठित स्थानों पर निकाला जाएगा स्वागत मार्च

प्रसाद ने बताया, 'और वाशिंगटन स्मारक से लिंकन स्मारक तक 'भारत एकता दिवस' मार्च निकाला जाएगा और पीएम मोदी का स्वागत किया जाएगा।'

उन्होंने रविवार को कहा कि इसके साथ ही, यूएस भर में लगभग 20 जगहों पर पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक, प्रमुख शहरों को शामिल करते हुए, न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर और सैन में फ्रांसिस्को गोल्डन ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर स्वागत मार्च होंगे।

20 बड़े अमेरिकी शहरों में निकाला जाएगा 'भारत एकता' मार्च, जून में पहली राजकीय यात्रा पर यूएस जा रहे पीएम मोदी

उन्होंने बताया कि इसके लिए तैयारियां जारी हैं। पीटीआई के मुताबिक जिन अन्य शहरों में मार्च निकाले जाएंगे उनमें बोस्टन, शिकागो, अटलांटा, मियामी, टेम्पा, डलास, ह्यूस्टन, लॉस एंजिलिस, सैक्रामेंटो, सैन फ्रांसिस्को, कोलंबस और सेंट लुइस शामिल हैं।

पहली बार राजकीय यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी

बता दें पीएम मोदी जून में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और प्रथम महिला जिल बिडेन के निमंत्रण पर अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला 22 जून को राजकीय डिनर में मोदी की मेजबानी भी करेंगे। गौतरलब है कि 2014 में सत्ता संभालने के बाद से पीएम मोदी कई बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने तीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों-बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के साथ बैठकें भी की हैं। हालांकि इस बार उन्हें पहली बार आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है।

आमतौर पर अमेरिका यह सम्मान अपने करीबी मित्र देशों को ही देता आया है।

पीएम मोदी के समर्थन में खुलकर उतरे सपा महासचिव रामगोपाल यादव

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- इटावा के सैफई में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने संसद के उद्घाटन के सवाल पर कहा कि संसदीय लोकतंत्र में असली अधिकार प्रधानमंत्री का ही होता है अगर इस पर कोई सवाल उठाता है तो मैं कुछ भी नहीं कहना चाहता हूं। हालांकि इससे पहले विपक्ष के कई नेता नवनिर्मित संसद के उद्घाटन को लेकर बीजेपी के घेर रहे हैं, लेकिन सपा नेता रामगोपाल यादव के इस बयान से यूपी की राजनीति में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसके साथ ही सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने दो हजार के नोट वापसी के सवाल पर कहा कि जब हम लोग पहले इतिहास पढ़ते थे तो दिल्ली से दौलताबाद और मोहम्मद तुगलक के बारे में कहा जाता था। राजधानी दिल्ली से दौलताबाद बनाई जहां पर पानी पीने को नहीं मिला वहां से वापस आ गए यही लोग हैं। सपा नेता ने कहा कि यहां के शासक और शासकों के लिए क्या धारणा है।

मेजबान — भारतीय मोटे अनाज के बने व्यजनों का मेहमानों ने चखा स्वाद

पापुआ न्यू गिनी में मेजबान बने पीएम मोदी, मेहमानों को कराया लंच

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- हिंद-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच के तीसरे शिखर सम्मेलन में शामिल होने पापुआ न्यू गिनी के पोर्ट मोरेस्बी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लंच की मेजबानी की। मध्याह्न भोजन (लंच) के इस कार्यक्रम में सम्मेलन में भाग ले रहे अन्य सभी नेता शामिल हुए।

इस लंच में विशेष रूप से भारतीय मोटे अनाज से बने व्यंजनों को शामिल किया गया था। नेताओं ने मोटे अनाज, सब्जियों के सूप और मलाई कोफ्ता का लिया आनंद मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के अपने समकक्ष जेम्स मारापे के साथ मिलकर यहां अहम शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। मोदी पापुआ न्यू गिनी की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस मध्याह्न भोजन के दौरान नेताओं ने खांडवी, मोटे अनाज और सब्जियों के सूप, मलाई कोफ्ता, राजस्थानी रागी गट्टा करी, दाल पंचमेल, बाजरा बिरयानी, फुल्का और मसाला छाछ का आनंद लिया। पान कुल्फी और मालपुआ भी परोसा गया। इस दौरान पेय पदार्थों में मसाला चाय, ग्रीन टी, पुदीने की चाय और ताजा पिसी गई पीएनजी की कॉफी को भी शामिल किया गया।

2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष किया गया है घोषित

मध्याह्न भोजन में मोटे अनाज को शामिल किया जाना भारत की ओर से श्रीअन्न यानी मिलेट्स या मोटे अनाज को दी जाने वाली महत्ता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 में भारत सरकार के कहने पर 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया था। मोटा अनाज मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे पुराने खाद्य पदार्थों में से एक है। इसे शुष्क भूमि पर बहुत कम निवेश के साथ उगाया जा सकता है और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से भी इसकी खेती उपयुक्त है।

इसकी खेती आत्म निर्भरता बढ़ाने और आयातित खाद्यान्नों पर निर्भरता को कम करने का उचित समाधान है। मोटा अनाज बाजरा प्रोटीन, खनिज और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है तथा रक्त शर्करा एवं कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

खास ख़बर

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आरजेसिएन्स ने दी श्रद्धांजलि

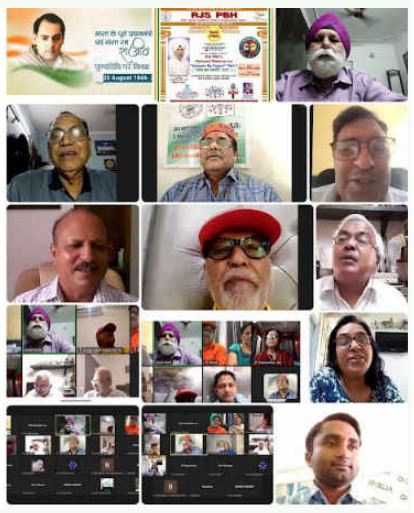

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- राम जानकी संस्थान(आरजेएस) द्वारा रविवारीय आरजेएस पीबीएच वेबीनार 004 स्वयं का स्वामी भाग एक "राष्ट्र प्रथम भारत एक परिवार विश्व एक घर" की भावना के तहत आयोजित किया गया। आरजेएस ऑब्जर्वर दीपचंद माथुर ने दीदेवार जी का परिचय दिया। वहीं राष्ट्रीय संयोजक उदय कुमार मन्ना ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया और कहा कि "स्वयं का स्वामी" कार्यक्रम श्रृंखलाबद्ध किया जाएगा। अगला अंक जून 2023 में होगा। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आरजेसिएन्स ने दी श्रद्धांजलि 21 मई आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वेबिनार के मेजबान सुरजीत सिंह दीदेवार जी जो संस्थापक हैं दीदेवार जीवन ज्योति के, उन्होंने आज के मानव के जन्म की प्रक्रिया के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होने कहा कि मानव शरीर में ऊर्जा है और मानव अपना विकास आवश्यकता अनुसार कर लेता है। समय की जरूरत के हिसाब से मानव को ढ़ल जाना चाहिए।

देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ रहे बीआरजी के धावक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गुरूग्राम/शिव कुमार यादव/- बहादुरगढ रनर्स ग्रुप के धावकों ने पूरे देश में विभिन्न प्रतियोगिताओं में न केवल अपनी प्रतिभा का लौहा मनवाया है बल्कि ढेरों ईनाम व ट्राफियां जीतकर बहादुरगढ़ का नाम भी रौशन किया है। बीआरजी धावकों ने हाल ही में हिमाचल के धर्मशाला व हरियाणा के गुरूग्राम में 6 घंटे व 12 घंटे की रन में पहले व दूसरे स्थान पर रहकर तहलका मचा दिया। प्राइज सेरेमनी में बीआरजी धावकों को कई ईनाम व ट्राफियां देकर सम्मानित किया गया।

जन चेतना अभियान में केजरीवाल सरकार पर बरसी बीजेपी, कहा- दिल्ली की जनता को आप ने दिया धोखा

● मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीति की सारी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है- विधायक विजेंद्र गुप्ता

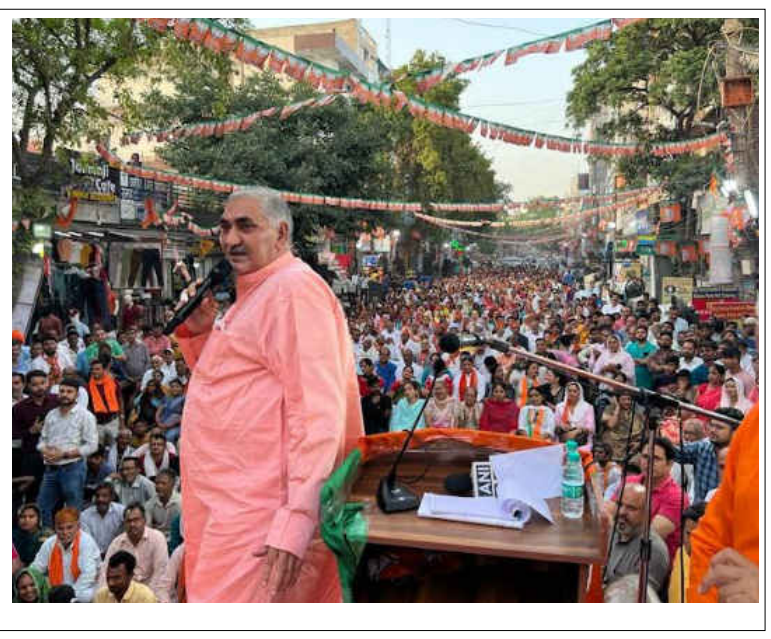

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली के मटियाला विधानसभा मे राजेश गहलोट पूर्व विधायक द्वारा आयोजित जन चेतना अभियान मे विशाल जन सभा को सासंद प्रवेश साहिब सिंह ने संबोधित करते हुए केजरीवाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने निजी सुरक्षा, सरकारी गाड़ी, सरकारी बंगले के साथ ही स्वराज एवं लोकपाल को लेकर दिल्ली वालों से जो वादे किये थे उन सब वादों पर उन्होंने दिल्ली वालों को धोखा दिया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री केजरीवाल से पूछा क्यों आप इतना झूठ बोलते हैं ? 2013 की पहली सरकार के दौरान 26 जनवरी से पहले जंतर-मंतर पर धरना देकर एवं जनलोकपाल पर पीछे हटकर मुख्यमंत्री ने केजरीवाल सरकार-1 ने पहचान बनाई थी। आराजकता एवं यू टर्न, इसी तरह केजरीवाल-2 की पहचान बन गई। चुनावी रेवड़ीबाजी की फ्री स्कीमें एवं स्वराज पर धोखा। भाजपा सासंद ने कहा कि 2020 में तीसरी बार सत्ता में आने के तुरंत बाद हुए दिल्ली दंगे, फिर कोविड काल में विफलता के साथ अपने राजमहल निर्माण और पत्रकारों एवं राजनीतिक विरोधियों से दुर्व्यवहार के चलते अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों को पूरी तरह निराश किया है। यह कहना अतिश्योक्ति न होगा कि दंगा, घोटाले, अय्याशी, तानाशाही केजरीवाल सरकार- 3 की पहचान बन गई हैं।

विधायक विजेंद्र गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीति की सारी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है। वह आम आदमी का मुखौटा पहनकर आए और अब जनता के करोड़ों रुपए लूटकर सत्ता पर विराजमान हैं। केजरीवाल ने दिल्ली के टैक्सपेयर्स के 45 करोड़ रुपए बड़ी बेदर्दी से अपने एशो-आराम पर खर्च कर दिए जबकि जनता से वादा किया था कि वह आम आदमी की तरह ज्यादा से ज्यादा दो कमरों वाले मकान में ही रहेंगे। वहीं, मटियाला के पूर्व विधायक राजेश गहलोट ने जन चेना सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी का रुप धारण कर दिल्ली के असली आम आदमी को धोखा दिया है और आम आदमी केजरीवाल को कभी माफ नही करेंगे। केजरीवाल ने जनता के पैसों को अपने ऐशो-आराम में 45 करोड़ खर्च कर बता दिया कि उन्हें दिल्ली की जनता से कोई सरोकार नहीं है बल्कि वह सिर्फ आम आदमी बनकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम पिछले आठ सालों से करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता के सामने अरविंद केजरीवाल बेनकाब हो चुके हैं और उनका बेचारा पॉलटिक्स भी अब उन्हें जेल जाने से नहीं बचा सकता है। मटियाला विधानसभा के टूटी सड़के, गन्दा पेय जल एंव बिजली कटौती का से जनता परेशान है।

केजरीवाल उनकी मेहनत की कमाई अपने ऊपर खर्च कर रहा है। ककरोला वार्ड से आम आदमी पार्टी के नेता अशोक गहलोट ने भाजपा मे शामिल हुये। इस जन सभा मे रमेश शोखंदा नजफगढ़ जिला अध्यक्ष, किसान मोर्चा अध्यक्ष रमेश गहलोट, निगम पार्षद रामनिवास गहलोट, अनुराधा अशोक शर्मा, सविता पवन शर्मा, शशि यादव मटियाला विधानसभा के मंडल अध्यक्ष कर्मवीर, महेश चंद धयानी, दिनेश अग्रवाल, पवन तोमर, रामनिवास दहिया, नरेंद्र सिंह एंव पूर्व डिप्टी मेयर पवन शर्मा, नवीन यादव भाजपा नेता, यघ दत्त शर्मा और समस्त भाजपा मटियाला विधानसभा कार्यकर्तृता शामिल हुये।

आवासीय हॉकी अकादमी बिलासपुर की खिलाड़ी गीता यादव का 'खेलो इण्डिया वार्षिक स्कॉलरशिप' में चयन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ बिलासपुर /शिव कुमार यादव/- बीआर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी से हॉकी खिलाड़ी कुमारी गीता यादव का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण की 'खेलो इण्डिया वार्षिक स्कॉलरशिप' के लिए किया गया है। कुमारी गीता यादव को स्कॉलरशिप के तहत प्रतिवर्ष 6 लाख 20 हजार रूपये दिए जायेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गीता यादव को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा की उनकी यह उपलब्धि बाकी खिलाड़ियो को प्रेरणा देगी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने गीता को बधाई दी और कहा की राज्य सरकार खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न खेल अकादमियों का निर्माण कर रही है। ताकी यहां से खिलाड़ी प्रशिक्षण पाकर देश का नाम रोशन करें। खेलो इण्डिया नई दिल्ली द्वारा 16 से 20 मई 2023 तक एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया था। राजनांदगांव में आयोजित वेस्ट जोन जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से नेशनल टीम की सदस्य रही कुमारी गीता यादव ने शानदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के आधार पर हॉकी की प्रशिक्षणार्थी खिलाड़ी कु. गीता यादव का चयन खेलो इंडिया स्कॉलरशिप के लिए किया गया। बहतराई बिलासपुर में हॉकी, तीरंदाजी एवं एथलेटिक्स की आवासीय अकादमी संचालित हैं। यहां पर आधुनिक प्रशिक्षण एवं बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक्सीलेंस सेंटर की मान्यता दी गई है। इस अकादमी में 95 खिलाड़ी प्रशिक्षणरत हैं।

उबर ने उबर ग्रीन के लॉन्च की घोषणा की, भारत में राइड शेयरिंग के इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए ईवी पार्टनरशिप की शुरुआत की

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- ग्लोबल राइड शेयरिंग ऐप उबर ने भारत में अपनी सेवाओं को विद्युतीकृत करने और सस्टेनेबल मोबिलिटी की दिशा में भारत के प्रयासों को मजबूती प्रदान करने के लिए एक और कदम बढ़ाते हुए इस क्षेत्र के कई अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी की घोषणा की है।

अपने सस्टेनेबिलिटी प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने जून 2023 से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में उबरग्रीन के रोलआउट की घोषणा की।

उबरग्रीन के माध्यम से यात्री अपनी यात्रा के लिए इलेक्ट्रिक वाहन बुक करने में सक्षम होंगे। इस सेवा के माध्यम से कंपनी भारत में ऑन-डिमांड ईवी सेवा प्रदान करेगी, जो यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।उबरग्रीन शून्ययाकम उत्सर्जन वाली राइड के लिए दुनिया में सब से व्यापक रूप से उपलब्ध ऑन-डिमांड मोबिलिटी सॉल्यूशन है।

यह दुनियाभर के 15 देशों के 100 से अधिक शहरों में मौजूद है। इन घोषणाओं के बारे में बात करते हुए, एंड्रयू मैकडोनाल्ड, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, मोबिलिटी एंड बिजनेस ऑपरेशंस, उबर, ने कहा, "भारत में विद्युतीकरण की तीव्रगति इसे उबर के लिए एक प्राथमिक देश बनाती है क्योंकि हम अपने प्लेटफॉर्म पर हर राइड को 2040 तक विद्युतीकृत करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना चाहते हैं।

आज हम उबरग्रीन के लॉन्च के साथ उस लक्ष्य की ओर एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। हम जानते हैं कि हमारा प्रभाव प्रौद्योगिकी से कहीं अधिक है।

हम शहरों और सरकारों के सहयोगी बनने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि वे सस्टेनेबल मोबिलिटी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को यथा संभव कम करना चाहते हैं।" उबरग्रीन के लॉन्च के साथ उबरने ईवी के प्रसार की गति को बनाए रखने के लिए नई साझेदारियों की एक श्रृंखला की घोषणा की:- -फ्लीट पार्टनर एक्सपेंशनः उबर अपने प्लेट फॉर्म पर ईवी के ग्रोथ के लिए फ्लीट पार्टनर्स के अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहा है।

बोस्को पब्लिक स्कूल के छात्रों ने यमुना जी के लिए निकाली रैली

जन-जागरण अभियान रैली के दौरान पश्चिम विहार के ब्लॉकों में निकाली रैली

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ग्वालियर/शिव कुमार यादव/- पश्चिमी दिल्ली के प्रतिष्ठित बोस्को पब्लिक स्कूल पश्चिम विहार के छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ मां यमुना जी को अविरल व निर्मल बनाने के लिए जीएच 13, जीएच 14, जीएच 9 पश्चिम विहार ब्लॉको में जन जागरण रैली निकाली। इस अवसर पर जन जागरण अभियान रैली को संबोधित करते हुए प्रोफेसर गुरप्रीत टुटेजा एडिशनल डीन दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहां कि हम आधुनिकता की दौड़ में इतने आगे निकल गए कि अपने प्राकृतिक संसाधनों को ठीक नहीं रख सके। बॉस्को पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य राजू दुगल ने बच्चों को बताया कि हमारी दिल्ली में दो बड़ी नदियां बहती हैं। उन्होंने कहा कि यमुना जी के अलावा हमारे स्कूल के साथ से साहिबी नदी बहती है जिसको हमने नाला बना दिया है। छात्र-छात्राओं और स्कूल स्टाफ ने उनकी इस बात पर रुचि दिखाई कि दिल्ली में दो बड़ी नदियां हैं।

14 फरवरी 2024 को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे पूर्व अर्ध सैनिक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ग्वालियर/शिव कुमार यादव/- कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में रूस्तम जी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सहयोग से ऑल इंडिया पैरामिलिट्री सेमिनार के आयोजन में अर्ध सैनिकों ने वर्षों से लंबित अपनी समस्याओं पर एक बार फिर सरकार को अल्टीमेटम देते हुए घोषणा की कि अगर सरकार ने उनकी सभी मांगे 31 अक्तुबर तक नही मानी तो फिर 14 फरवरी को पूर्व अर्ध सैनिक सरकार के विरूध अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। इस घोषणा का सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर अनुमोदन किया जिसमें 28 राज्यों के विभिन्न वेलफेयर एसोसिएशन के सैकड़ों प्रतिनिधियों के साथ लगभग 30 शहीद परिवारों की विरांगनाओ ने हिस्सा लेकर पहले बीएसएफ डीजी के एफ रुस्तम जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। महासचिव रणबीर सिंह द्वारा प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस सेमिनार की मुख्य अतिथि बीएसएफ विरांगना डॉ सुधा यादव सदस्य केंद्रीय चुनाव समिति एवं संसदीय बोर्ड भाजपा व स्थानीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर विशेष सम्मानित सदस्य के तौर पर भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता पूर्व एडीजी श्री एचआर सिंह द्वारा की गई। उत्तराखंड अध्यक्ष व पूर्व आईजी श्री एसएस कोटियाल द्वारा अपने सम्बोधन में में माननीय मुख्य अतिथि को 2009 में भाजपा चुनावी घोषणापत्र की याद दिलाई जिसमें अर्थ सैनिक बलों को सेना के बराबर सुविधाएं देने के लिए कहा गया था। पूर्व एडीजी श्री एचआर सिंह व महासचिव रणबीर सिंह द्वारा डॉ सुधा यादव को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें राज्यों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों की स्थापना, अर्ध सेना झंडा दिवस कोष की स्थापना, एक्स मैन दर्जा, सीपीसी कैंटीन पर जीएसटी छूट, पैंशन इत्यादि सुविधाएं देने की मांग की गई जिसके लिए मुख्य अतिथि द्वारा उपरोक्त मांगो पर सहमति जताते हुए भरोसा दिलाया। कॉनफैडरेसन चेयरमैन श्री एचआर सिंह ने केंद्रीय सरकार को अल्टीमेटम दिया कि 31 अक्टूबर तक उपरोक्त जायज मांगों को माने वरना मजबूरन 14 फरवरी 2024 को जंतर मंतर पर पूर्व अर्धसैनिक परिवार अनिश्चितकालिन धरना प्रदर्शन करेंगे जिसका एनसीसी चेयरमैन पूर्व आईजी एमएल वर्मा द्वारा अनुमोदन किया गया साथ ही सम्मेलन में आमंत्रित सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। इस मौके पर पूर्व आईजी गजेंद्र चौधरी व पूर्व आईजी श्याम सिंह द्वारा पुरानी पैंशन बहाली के संघर्ष को जारी रखने के लिए एसोसिएशन महासचिव को साधूवाद दिया।

कार्यक्रम

आध्यात्मिक जीवन कौशल से सड़क सुरक्षा संभव- बीके हेमा

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारिज ने 15 से 21 मई तक किया संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत प्रजापिता ब्रह्मा कुमारिज संस्था द्वारा नजफगढ़ में 15-21 मई 2023 तक सड़क सुरक्षा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्था ने सड़क सुरक्षा से सबसे ज्यादा जिम्मेदारी से जुड़े कई संस्थानों में चालकों को आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से आध्यात्मिक जीवन कौशल से सड़क सुरक्षा के बारें में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। ताकि व्यक्ति में जागरूकता, आत्म-अनुशासन और करुणा जैसे गुण पैदा कर उसमें भावनात्मक संतुलन बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर बीके हेमा ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन कौशल से न केवल सड़क सुरक्षा संभव है बल्कि लोग सड़कों पर सुरक्षित व जिम्मेदार व्यवहार को प्राथमिकता दे सकते हैं। संस्था ने इस मौके पर नजफगढ़ शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया। जिसमें लोगों को सड़क व सुरक्षित यात्रा के बारें में स्लोगनो के माध्यम से बताया गया। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारिज संस्था ने नजफगढ़ में सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानों पर जिम्मेदार ड्राइविंग संस्थानों में जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिभागियों और जनता को सड़क सुरक्षा उपायों के बारे में बताना और उन्हें इसके लिए आध्यात्मिक जीवन कौशल के तहत प्रोत्साहित करना था। ताकि उक्त लोग सड़कों पर जिम्मेदार और सुरक्षित व्यवहार को प्राथमिकता दें सकें। इस अवसर पर वक्ताओं और अतिथियों ने कैसे आध्यात्मिकता सड़क सुरक्षा में अपना योगदान दे सकती है पर विचार सांझा किये। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत विभिन्न सत्रों के माध्यम से बीके रामसिंह, बीके हेमा, बीके पूनम, बीके हंसराज, बीके सुनैना, बीके तुलसी, बीके हिमांशु, बीके जसबीर, बीके सतीश और बीके ए के शुक्ला ने कहा कि आध्यात्मिकता से लोगों में जागरूकता, आत्म-अनुशासन और करुणा जैसे गुण पैदा कर भावनात्मक आत्म संतुलन को बढ़ावा दिया जा सकता है। आध्यात्मिक सिद्धांतों को अपने जीवन में शामिल कर लोगों में दूसरों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना को विकसित कर सकते हैं। क्योंकि सड़क पर सावधानी अंततः एक सुरक्षित और अधिक सामजस्यपूर्ण ड्राइविंग वातावरण को बढ़ावा देना है। सड़क सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत कैर बस डिपों से की गई जहां चालकों व परिचालकों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें जीएम विनोद, डीएम दिनेश कुमार व एडीएम सुदर्शन कौशिक समेत 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके बाद घुम्मनहेड़ा बस डिपो में नशा मुक्ति व सड़क सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मैनेजर सोनू शर्मा, मैनेजर संदीप कुमार व जीएम विवेक पांडेय समेत 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद दिचाउं कलस्टर बस डिपों में आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से चालकों-परिचालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़े अहम पड़ावों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम डिपों के डीएम सुमन कुमार शर्मा, एडीएम विजय कुमार, डीवीआर ज्योति वर्मा व एएम एस पी सिंह समेत 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 19 मई को सीआरपीएफ झाड़ौदा सैंटर में समग्र कल्याण और ध्यान द्वारा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उप कमांडेंट ललित कुमार, सहायक कमांडेंट अमित कुमार, सुबेदार मेजर जगपाल सिंह व डीएएम सुदर्शन कौशिक के साथ-साथ 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ख़ास ख़बर

नजफगढ़ में बायोगैस प्लांट का ट्रायल आज से शुरू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/शिव कुमार यादव/- नजफगढ़ के नंगली सकरावती इलाके में आज से निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट का ट्रायल शुरू होने जा रहा है। इस प्लांट के शुरू होने से डेयरियों से निकलने वाले गोबर से बायोगैस और जैविक खाद बनाया जाएगा। नजफगढ़ जोन के नंगली सकरावती में निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट को गुरुवार से ट्रायल बेस पर शुरू हो जाएगा। पांच महीने बाद ये पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू करेगा।

यहां आसपास की 1500 डेयरियों से निकलने वाले गोबर से बायो गैस और जैविक खाद तैयार की जाएगी। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने बुधवार को बायोगैस प्लांट की साइट पर जाकर इसका निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह प्लांट लैंडफिल साइटों पर पशुओं के गोबर की डंपिंग को कम करेगा।

प्लांट में क्षेत्र की करीब 1,500 डेयरियों से रोज निकलने वाले करीब 200 मीट्रिक टन गोबर का इस्तेमाल होगा। गोबर से बायो गैस और जैविक खाद बनेगी और निगम व अन्य सिविक एजेंसियों की देखरेख वाले पार्कों में इस्तेमाल होगी। यहां से निर्मित जैविक खाद आम लोगों के लिए भी उपलब्ध रहेगी।

कोरोना को लेकर डब्ल्यूएचओ ने फिर जारी की चेतावनी, कहा कोरोना का खतरा टला नी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/जेनेवा/शिव कुमार यादव/- वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना के बाद अगली महामारी को लेकर चेतावनी जारी की है। डब्ल्यूएचओ के गवर्नर जनरल टेड्रोस एडनम घेब्रेयसस ने कहा कि दुनिया को अगले पेंडेमिक के लिए तैयार रहना चाहिए जो कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। स्विटजरलैंड के जेनेवा में हुई 76वीं वर्ल्ड हेल्थ असेंबली की मीटिंग में डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट पेश की।

इस दौरान टेड्रोस ने कहा- कोरोना भले ही अब ग्लोबल इमरजेंसी नहीं है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि इससे अब कोई खतरा नहीं है। कोविड-19 का नया वैरिएंट कभी भी आ सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि कोई नई बीमारी सामने आ जाए जो इससे कहीं ज्यादा खतरनाक हो। ऐसे में हमें अभी से तैयारी करनी होगी।

कोरोना से मौत का असली आंकड़ा 2 करोड़ से ज्यादा

मीटिंग में टेड्रोस ने कहा- कोविड-19 सदी की सबसे खतरनाक बीमारी रही। जब कोरोना आया तो हम इससे मुकाबले के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन दूसरी महामारी जरूर आएगी और हमें हर तरह से साथ मिलकर इसका सामना करना होगा। कोरोना के चलते करीब 70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि वास्तविक आंकड़ा 2 करोड़ से ज्यादा हो सकता है। ये देखते हुए हमें अपने हेल्थ सेक्टर में जल्द से जल्द जरूरी बदलाव करने की जरूरत है।

दीनदयाल से एलएनजेपी अस्पताल में किया गया शिफ्ट, अभी ऑक्सीजन सपोर्ट पर

● तिहाड़ में वॉशरूम में गिरे सत्येंद्र जैन, चोटें आईं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता सत्येंद्र जैन गुरुवार सुबह तिहाड़ जेल के वॉशरूम में फिसलकर गिर पड़े थे। उन्हें सुबह दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब 12 बजे उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें लोक नारायण जय प्रकाश अस्पताल (एलएनजेपी) में शिफ्ट किया गया है। उन्हें फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है।

तिहाड़ के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 6 बजे सत्येंद्र जैन तिहाड़ की जेल नंबर 7 के मेडिकल इंस्पेक्शन रूम के बाथरूम में फिसलकर गिर पड़े। यहां उन्हें कमजोरी की शिकायत के बाद ऑब्जर्वेशन में रखा गया था। शुरुआती जांच में उनके अंग ठीक से काम कर रहे थे, लेकिन जैन ने पीठ, बाएं पैर और कंधे में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया।

एक हफ्ते में यह तीसरी बार है, जब जैन को अस्पताल लाया गया है। इससे पहले 22 मई को उन्हें दिल्ली के ही सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। तब उन्हें रीढ़ में परेशानी आई थी। 20 मई को भी वो इसी परेशानी के चलते दीन दयाल अस्पताल लाए गए थे।

सत्येंद्र जैन को लेकर केजरीवाल ने कहा- भगवान सब देख रहा है

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया कि जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है। उस तानाशाह की एक ही सोच है, सबको खत्म कर देने की, वो सिर्फ 'मैं' में ही जीता है। वो सिर्फ खुद को ही देखना चाहता है। भगवान सब देख रहे हैं, वो सबके साथ न्याय करेंगे।

वकील ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था- ये आदमी कंकाल हो गया

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने दी थी सेहत की जानकारी सत्येंद्र जैन के वकील अभिषेक एम सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की गिरती सेहत का हवाला दिया था। सिंघवी ने कहा था कि वो आदमी कंकाल हो गया है, जेल में 35 किलो वजन घट गया है। सेहत लगातार बिगड़ रही है और उनका केस वेटिंग लिस्ट में 416 नंबर पर है।

वेकेशन बेंच में हो सकती है जैन के केस की सुनवाई

सत्येंद्र जैन 31 मई 2022 से हिरासत में हैं। 6 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जमानत अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। जैन के वकील ने कहा था कि उन्हें वेकेशन बेंच में सुनवाई की छूट दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वेकेशन बेंच में जाने की परमिशन दी थी। जस्टिस एएस बोपन्ना और हिमा कोहली की बेंच ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र की याचिका पर म्क् को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सत्येंद्र की मांग पर उनकी सेल में 2 कैदी रखे गए, सुपरिनटैंडेंट को नोटिस

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मांग पर उनकी सेल में दो कैदी भेजने पर तिहाड़ जेल प्रशासन ने जेल सुपरिनटैंडेंट को कारण बताओ नोटिस भेजा था। जैन ने जेल नंबर 7 के सुपरिनटैंडेंट से रिक्वेस्ट की थी कि वे अकेलेपन की वजह से डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। इसलिए उनके साथ दो अन्य कैदियों को रखा जाए, ताकि वे उनसे बात कर सकें।

सत्येंद्र जैन ने ईडी-सीबीआई मामले में बेंच ट्रांसफर करने की मांग की

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की ट्रांसफर करने वाली याचिका पर सुनवाई टल गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले में अगली सुनवाई अब 9 जून को की जाएगी। अभी उनके केस की सुनवाई स्पेशल जज विकास ढुल कर रहे हैं। जैन की इस याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था।

श्रीनगर में जी-20 बैठक से गांव की महिलाओं को मिला अंतरराष्ट्रीय मंच

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कश्मीर/शिव कुमार यादव/- कश्मीर में आयोजित जी-20 बैठक ने कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्र के लिए नये द्वार खोल दिये है। इस बैठक से गांव की महिलाओं को न केवल अंतरराष्ट्रीय मंच मिला है बल्कि अब कश्मीरी उत्पाद ई-कॉमर्स पर भी उपलब्ध हो रहे हैं। जी-20 के अवसर पर विदेशी प्रतिनिधियों और देश के दूसरे हिस्सों से पहुंचे लोगों को स्थानीय संस्कृति और भोजन से रू-ब-रू करवाने के लिए जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन ने बाजार लगाया और बाजरा कैफे खोला। उम्मेद की महिलाओं की तरफ से तैयार किए गए बाजरे के व्यंजनों को यहां परोसा गया। विदेशी प्रतिनिधियों ने कश्मीर में गर्मजोशी भरे आतिथ्य की प्रशंसा भी की।

उम्मेद बाजार में नारी शक्ति के उत्सव का माहौल देखा गया। इसमें हस्तशिल्प उत्पादों विलो विकर आइटम, काला जीरा, शहद, मूल्य वर्धित उत्पाद, पेपरमाची, पारंपरिक मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए। उम्मेद बाजार में आगंतुकों ने जम्मू-कश्मीर की हस्तकला को प्रदर्शित करते उत्पादों की खरीदा। जेकेआरएलएम का मूल उद्देश्य महिलाओं को आजीविका के अवसर प्रदान करने सहित उन्हें सशक्त बनाना है।

दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट को जल्द मिल सकते हैं 2 अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जल्द ही दो अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल मिलने की संभावना है। अभी तक दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर ही इंटरनेशनल फ्लाइटों का संचालन किया जाता है। आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 (टी1) पर महत्वपूर्ण सुधार कार्य किए जा रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सितंबर 2023 तक ये कार्य पूरे हो जाएंगे। जिसके बाद हवाई अड्डे के टी1 से भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो सकती हैं। **टी-1 पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अनुमति देने की तैयारी-** जानकारी के मुताबिक टी-1 के विस्तार की योजना घरेलू टर्मिनल के रुप में ही बनाई गई थी। लेकिन कोरोना काल के दौरान 2020-21 में इस टर्मिनल पर काम की गति थोड़ी धीमी पड़ गई और इसके बाद हवाई यात्रा में बड़े-उतार चढ़ाव भी देखने को मिले। इसलिए फिलहाल टी-1 का निर्माण कार्य उस वक्त बनाई गई मूल योजना के अंतर्गत ही पूरा किया जाएगा ताकि इसके निर्माण में अब किसी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े। लेकिन अब फिर से हवाई यातायात में बढ़ोतरी होने के कारण इस बात पर विचार किया जा रहा है कि टी-1 पर भी अंतराष्ट्रीय उड़ानों को अनुमति दे दी जाए। लेकिन इसके लिए बहुत सारी सरकारी एजेंसियों से क्लीयरेंस की जरुरत पड़ेगी। अगर ऐसा होता है तो दिल्ली को टी-3 और टी-1 दो इंटरनेशनल फ्लाइटस के लिए टर्मिनल मिल जाएंगे।

टाटा समूह को सौंपा जा सकता है टी-3

अनुमान लगाया जा रहा है कि एक बार सरकारी क्लीयरेंस मिल जाने के बाद जल्द ही टी-1 से घरेलू और विदेशी उड़ानों का संचालन शुरु कर दिया जाएगा। इसके लिए थोडा सा ही समय बचा है। योजना तो ये भी है कि धीरे-धीरे टी-3 को टाटा ग्रुप एयरलाइंस समूह को आवंटित कर दिया जाए।

द्वारका बार कोर्ट के वकील वरूण यादव का यूपीएससी में 596वां रैंक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- द्वारका बार कोर्ट के वरिष्ठ वकील उमेश यादव के पुत्र वरूण यादव ने यूपीएससी में 596वां रैंक हासिल किया है। उनकी इस सफलता पर द्वारका बार कोर्ट में वकीलों का बधाई देने का तांता लगा हुआ है। वरूण ने कोरोना काल के मुश्किल दौर में एलएलएम पास कर यूपीएससी परीक्षा देने का मन बनाया था और लगातार दो प्रयास में असफल रहने के बाद आखिर तीसरे प्रयास में उन्हे सफलता मिली है।

वरूण ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार व दोस्तों को दिया है जिन्होने दो प्रयासों में असफल रहने के बाद भी उसके हौंसले को टूटने नही दिया और लगातार पढाई जारी रखने के लिए प्रोहत्साहित किया। वरूण का कहना है कि उसने देश सेवा के लिए यह फील्ड चुनी है। उन्होने यूपीएससी की अपनी तैयारी के बारे में बताया कि उन्होने कहीं कोई

कोचिंग नही ली है। वह सिर्फ निरंतर अभ्यास में विश्वास रखते है। और घर में ऐसा वातावरण था कि वह अपनी तैयारी अच्छी तरह से कर सकें। इसके अलावा जब भी वरूण को किसी पढ़ाई में किसी मदद की जरूरत पड़ी तो उन्होने अपने प्रोफसरों से राय व मदद ली। वरूण के अलावा उनका एक बड़ा भाई है जो वकील है। वहीं मां है जो गृहणी है

वरूण ने तीसरे प्रयास में क्लीयर की यूपीएससी परीक्षा, बिना कोचिंग के निरंतर अभ्यास से पाई सफलता

और पिता द्वारका बार कोर्ट में वरिष्ठ वकील हैं। इसके अलावा उनकी भाभी व एक नन्हा भतीजा भी है। अपने परिवार के साथ वरूण काफी खुश है।

उनका मानना है कि यह सफलता परिवार के सहयोग व मदद का ही नतीजा है। पिता ने बार-बार उन्हे यूपीएससी क्लीयर करने की प्रेरणा दी और कड़ी मेहनत का अच्छा फल मिलने का भरोसा दिलाया। हालांकि वरूण ने तीसरे प्रयास में यूपीएससी में सफलता प्राप्त की है लेकिन अभी भी वरूण अपनी रैंक को लेकर खुश नही है और एक और प्रयास से रैंक सुधारने का मन बना रहे हैं। वरूण के पिता उमेश यादव ने बताया कि वरूण बचपन से ही शांत व सौम्य टाईप का रहा है। और उसका फोकस हमेशा पढ़ाई पर ही रहा है। उसने यूपीएससी में जाने का मन 12वीं कक्षा में ही उस समय बना लिया था जब उसने अपने स्कूल नवउदय में पहली पोजिशन हासिल कर स्कूल की तरफ से 10 हजार का ईनाम जीता था। वरूण ने अपनी बीए एलएलबी व एलएलएम की पढ़ाई आईपी यूनिवर्सिटी से सन् 2021 में पूरी की और फिर द्वारका कोर्ट में वकील के रूप में प्रैक्टिस शुरू की लेकिन इसके साथ ही उसने अपनी यूपीएससी की पढ़ाई को जारी रखा और फिर सफलता प्राप्त की। द्वारका कोर्ट में वकील रहते यह सफलता हासिल करने पर बार कोर्ट के वकील वरूण को एक होनहार अधिकारी के रूप में देखने लगे है जो सच में देश सेवा के लिए ही बना है। वरूण व उसके परिवार को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों के छात्र ऑस्ट्रेलिया में बैन, यूनिवर्सिटीज का एडमिशन से इनकार

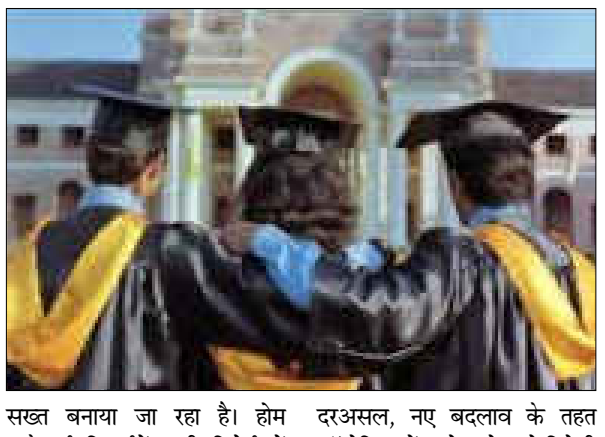

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कैनबरा/शिव कुमार यादव/- ऑस्ट्रेलिया की कई यूनिवर्सिटीज ने भारत के 4 राज्यों और यूटी जम्मू-कश्मीर के छात्रों के एडमिशन पर बैन लगा दिया है। ऑस्ट्रेलियन न्यूज पेपर सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की 2 बड़ी यूनिवर्सिटी ने अपने एजुकेशन एजेंट्स को पिछले हफ्ते एक लेटर लिखा था।

इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के छात्रों का दाखिला नहीं करने का निर्देश दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया का होम अफेयर डिपार्टमेंट कश्मीर समेत इन 4 राज्यों के छात्रों की वीजा एप्लिकेशन लगातार खारिज कर रहा है। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया की 4 यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों पर आरोप लगाए थे कि वो स्टूडेंट वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। कहा था- लोग स्टूडेंट वीजा लेकर पढ़ने की बजाय नौकरी के लिए ऑस्ट्रेलिया आ रहे हैं। **चार स्टूडेंट वीजा में एक फ्रॉड, दाखिले की पॉलिसी सख्त होगी-** वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने बताया कि 2022 में कई भारतीय छात्रों ने दाखिले कराए, लेकिन पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। यूनिवर्सिटी ने एजेंट्स को बताया कि ऐसा करने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट्स पंजाब, गुजरात और हरियाणा से हैं। इन राज्यों के छात्रों पर लगा बैन जून तक जारी रहेगा। आगे ऐसा होने से रोकने के लिए दाखिले की पॉलिसी को और सख्त बनाया जा रहा है। होम अफेयर्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत से आने वाली हर 4 में से 1 स्टूडेंट वीजा की एप्लिकेशन फ्रॉड है। इसके चलते ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई के लिए लगाई जाने वाली एप्लिकेशन का रिजेक्शन रेट भी बढ़ कर 24.3 फीसदी हो गया है। जो पिछले 13 सालों में सबसे ज्यादा है। **ऑस्ट्रेलियाई एजेंट्स को विदेशी छात्रों के लिए मोटा कमीशन मिलता है-** सिडनी हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटीज विदेशों छात्रों के दाखिले के लिए पूरी तरह एजेंट्स पर निर्भर हैं। दाखिले के लिए स्टूडेंट और यूनिवर्सिटी दोनों एजेंट्स को अप्रोच करते हैं। जिसके बदले यूनिवर्सिटीज एजेंट्स को मोटा कमीशन देती हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने विदेशी स्टूडेंट्स के काम करने की पॉलिसी में अहम बदलाव किया था। जिसके बाद से स्टूडेंट वीजा की मांग और तेज हुई । दरअसल, नए बदलाव के तहत ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों के काम करने पर लगी लिमिट को हटा दिया गया था। यानी अब छात्र कितने घंटे भी काम कर सकते हैं। हालांकि अब इस पॉलिसी को फिर से बदलने की तैयारी हो रही है। अल्बनीज सरकार फिर से छात्रों के काम करने के समय पर पाबंदी लगाने जा रही है। **ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीएम मोदी ने कहा था- छात्र दोनों देशों को करीब ला रहे** ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों पर बैन लगाने के मामले ने उस वक्त तूल पकड़ा है, जब एक दिन पहले बुधवार को ही प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया से 2 दिन की यात्रा कर भारत वापस लौटे हैं। सिडनी में 20 हजार लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि स्टूडेंट्स दोनों देशों को और करीब ला रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया था कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक-दूसरे की एजुकेशन डिग्रियों को मान्यता देने पर बातचीत आगे बढ़ी है।

मांग

सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाल नई संसद का इनॉग्रेशन राष्ट्रपति से कराने की मांग

नई संसद पर बढ़ी रार, सुप्रीम कोर्ट पंहुची

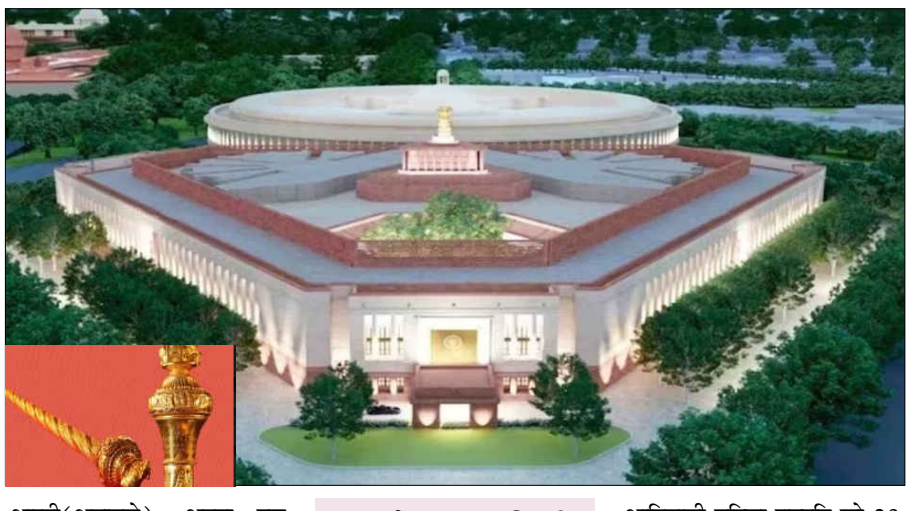

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/शिव कुमार यादव/- संसद के नए भवन के उद्घाटन का विवाद थम नहीं रहा है। कुल 40 पार्टियों में से कांग्रेस समेत 20 विपक्षी पार्टियों ने इसके बहिष्कार का ऐलान किया है। उधर, भाजपा समेत 17 पार्टियों ने सरकार के न्योते को स्वीकार कर लिया है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति से नई संसद का उद्घाटन कराने का निर्देश देने वाली याचिका दायर की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करके संविधान का उल्लंघन किया है। विपक्ष का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दरकिनार कर प्रधानमंत्री से इसका इनॉग्रेशन कराने का निर्णय न केवल गंभीर अपमान है, बल्कि यह लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है। बुधवार को विपक्षी दलों के संयुक्त बयान में कहा गया कि इस सरकार में संसद से लोकतंत्र की आत्मा को निकाल दिया गया है।

ऐसे में नए भवन का कोई मतलब नहीं है। भाजपा समेत 18 पार्टियां शामिल होंगीः भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट), शिरोमणी अकाली दल, बसपा, एनपीपी, एनडीपीपी, एसकेएम, जेजेपी, आरएलजेपी, आरपी(अठावले), अपना दल (एस), तमिल मनीला कांग्रेस, एआईएडीएमके, बीजेडी, तेलुगूदेशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस, आईएमकेएमके और एजेएसयू एमएनएफ है। इनका लोकसभा में 60.82 फीसदी (सदस्य 328) और राज्यसभा में 42.86 फीसदी (102 सदस्य) प्रतिनिधित्व है। वहीं 20 पार्टियां विरोध कर रहींः कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (उद्धव गुट), समाजवादी पार्टी, राजद, सीपीआई, जेएमएम, केरल कांग्रेस (मणि), वीसीके, रालोद, राकांपा, जेडीयू, सीपीआई(एम), आईयूएमएल, नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरएसपी, एआईएमआईएम और

समारोह का 20 विपक्षी पार्टियों ने किया बहिष्कार, 17 दल शामिल होंगे

एमडीएमके है। विरोध करने वाले दलों का लोकसभा में 26.38 फीसदी (कुल 143 सदस्य) और राज्यसभा में 38.23 फीसदी (91 सदस्य) प्रतिनिधित्व है।

नई संसद विवाद में किसने क्या, कहा

कांग्रेस नेता जयराम नरेश ने कहा, 'कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रांची में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का इनॉग्रेशन किया। यह एक व्यक्ति के अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है, जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नए संसद भवन का इनॉग्रेशन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जहां तक नया संसद भवन बनाने की बात है तो यह नई बात नहीं है। यह 32 साल पहले कांग्रेस की ही सोच थी। अब कोई इसका बहिष्कार करता है या उद्घाटन समारोह में नहीं जाता है तो इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। नए भवन का निर्माण जरूरी था और यह अच्छा है कि अब यह बन गया है। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नई संसद पर बयानबाजी करना गलत है। विपक्ष सिर्फ राजनीति कर रहा है। ये गैरजिम्मेदार रवैया है।

सुबह हवन-पूजा, दोपहर 12 बजे उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नए संसद भवन में 28 मई यानी रविवार सुबह हवन के साथ पूजा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर 12 बजे भवन का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर संसद भवन के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमयोगियों का सम्मान भी किया जाएगा।

75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश होगा

मोदी 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास पवित्र सेंगोल (राजदंड) स्थापित करेंगे। अंग्रेजों की तरफ से 14 अगस्त 1947 की रात इसे पं. नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के रूप में सौंपा गया था।

1960 से पहले यह आनंद भवन और फिर 1978 से इलाहाबाद म्यूजियम में रखा था। अब 75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के बाद गुरुवार सुबह दिल्ली लौट आए। पालम एयरपोर्ट पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। यहां उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा क्या होती है, लोकतंत्र का सामर्थ्य क्या है, यह ऑस्ट्रेलिया में हुए भारतीय इवेंट को देखकर समझा जा सकता है।

दखल

कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव के 9 वर्ष

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मोदी जी के मंत्र में समावेशी विकास का वह भाव छिपा हुआ है जो संपूर्ण सरकार-समग्र समाज को देश की विकास यात्रा में सम्मिलित करता है। कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को देखें तो पाते हैं कि यह क्रांतिकारी बदलाव है। आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने अन्नदाता के मर्म को समझते हुए उसके आर्थिक संबल से लेकर कृषि क्षेत्र में तकनीकी और प्रगति पर काम किया है।

26 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 9 साल पूरे करने जा रही है। वस्तुतः देखा जाए तो विगत

9 वर्ष नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के उत्कर्ष, नव उदय और उत्थान के वे स्वर्णिम अध्याय हैं जो भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद बन रहे हैं। इन 9 वर्षों में देश के समग्र विकास और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक के कल्याण के लिए जो कदम उठाए गए हैं वे सब स्तुत्य हैं। किंतु यदि हम कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को देखे तो पाते हैं कि यह एक क्रांतिकारी बदलाव है। आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने अन्नदाता के मर्म को समझते हुए उसके आर्थिक संबल से लेकर कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी और प्रगति पर गंभीरता से काम किया है।

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी 70 फीसदी ग्रामीण आबादी कृषि या उससे जुड़े अन्य कार्यों से आजीविका चलाती है। ऐसे में यह परम आवश्यक है कि कृषि क्षेत्र में पर्याप्त सुधार के साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं। अवसर और संसाधन तो पूर्ववर्ती सरकारों को भी पर्याप्त मिले, लेकिन परिणाम निराशाजनक ही रहे, और कृषि कभी भी उनकी प्राथमिकता का क्षेत्र नहीं रहा। विगत 9 वर्षों में मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में किए गए भगीरथी प्रयासों के परिणाम स्वतः ही दृष्टिगोचर होने लगे हैं। हमारी सरकार का दृष्टिकोण है कि बजट में पर्याप्त धनराशि का प्रावधान करके किसी क्षेत्र का अपेक्षित विकास किया जा सकता है। पिछली सरकार में जहां वर्ष 2013-14 में कृषि के लिए बजट में मात्र 21933 करोड़ रुपए रखी गई थी वहीं इस वर्ष 2023-24 के बजट में हमारी सरकार ने एक लाख 25 हजार करोड़ रुपए की धनराशि का प्रावधान कृषि के लिए किया है।

इतना पैसा तो पिछली सरकार 2006 से 2014 के बीच के आठ साल में कृषि पर खर्च नहीं कर पाई जितना मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार एक साल में कर रही है। मोदी जी का लक्ष्य है किसानों का आर्थिक सशक्तिकरण करना। वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का उद्देश्य प्रत्येक किसान को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए के रूप में ऐसा आर्थिक संबल प्रदान करना है जिससे न केवल वह प्रतिकूल समय में कर्ज के जाल में फंसने बच सके बल्कि इस धनराशि से समय पर खाद-बीज की व्यवस्था भी कर सके। इस योजना के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को दो लाख 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि प्रदान की जा चुकी है। भरपूर संसाधन बेहतर कृषि क्षेत्र की नींव रख रहे हैं। किसान, सरकार और कृषि विज्ञानियों की साझी मेहनत हमारे खाद्यान्न उत्पादन में परिणाम के रूप में प्रत्यक्ष परिलक्षित हो रही है। आज हमारे खाद्यान्न भंडार भरे पड़े हैं और कभी दूसरे देशों से अनाज मांगने वाले भारत ने आपदा की घड़ी में कई देशों को मदद पहुंचाई है।

वर्ष 2013-14 में हमारा खाद्यान्न उत्पादन 265 मिलीयन टन था जो कि 2021-22 में 315.72 मिलीयन टन के रिकार्ड उत्पादन पर जा पहुंचा है, इसी तरह बागवानी फसलों का उत्पादन भी 342 मिलियन टन के रिकार्ड स्तर पर है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा में किसानों के लिए राहत का छत्र साबित हुई है। इस तरह की कोई एकीकृत योजना का पूर्ववती सरकार में अभाव था। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से 2016 से 2022 तक देश के 37.66 करोड़ किसान इस योजना के हितग्राही बन सके हैं। अब तक एक लाख 30 हजार करोड़ रुपए के बीमा क्लेम किसानों को दिए गए हैं जबकि अब तक प्रीमियम के रूप में किसानों से 25,174 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने स्वामीनाथ कमेटी की सिफारिशों का पालन करते हुए किसानों को उनकी लागत मूल्य का कम से कम डेढ़ गुना समर्थन मूल्य प्रदान करने का कदम उठाया है। अब धान और गेंहू को ले लीजिए, 2013-14 में धान की एमएसपी 1310 व गेंहू की एमएसपी 1400 प्रति क्विंटल थी, जो 2022-23 में बढ़ कर क्रमशः 2040 और 2125 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है।

बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक है मृदा का उर्वरता से भरपूर हो। प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किए गए साइल हेल्थ कार्ड योजना के माध्यम से लगभग 23 करोड़ से ज्यादा किसानों के साइल हेल्थ कार्ड बनाए गए हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री जी ने रीवा, मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के कार्यक्रम में धरती मां पर हो रहे प्रदूषण एवं ताबड़तोड़ रासायनिक खेती पर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए प्राकृतिक खेती को अपनाने पर जोर दिया है। प्राकृतिक खेती हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। जैविक खेती को बढ़ावा देने परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के माध्यम से वर्ष 2015-16 से अब तक 1864 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। पीकेवीवाई योजना के अंतर्गत 32,384 क्लस्टर (प्रत्येक 20 हेक्टेयर) का गठन किया गया है, 6.53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है और 16.19 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।

इसके अलावा आठ राज्यों को 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के लिए जारी प्राकृतिक कृषि निधि और नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत 6181 समूहों व कवर किए गए 1.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 198.13 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति के अंतर्गत आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है। हम प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने की राह पर है और राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत देश के एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा यह मिशन मृदा, किसान, कृषि और आमजन सभी के लिए काफी हितकारी साबित होगा। दुनिया की खान-पान से जुड़ी विसंगतियों और उपजती स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निदान की दिशा में नरेंद्र मोदी जी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया जाना एवं श्री अन्न मिलेट के उत्पादन, संवर्धन में भारत की अगुवाई भी महत्वपूर्ण कदम है।

श्री अन्न को जन आंदोलन बनाने से जहां हमारी खाद्य विसंगतियों में सुधार आएगा, पोषण में सुधार होगा वहीं छोटे और मझौले किसानों के लिए भी श्रीअन्न की खेती वरदान बनेगी। कम पानी में होनी वाली ये फसलें भविष्य के लिए सर्वोपयुक्त अन्न है। प्रधानमंत्री के प्रभावी एवं कुशल मार्गदर्शन में विगत नौ वर्षों में देश का चातुर्दिक विकास हुआ है। इस बीच कोविड-19 की प्रतिकूलता में भी अर्थव्यवस्था सधी रही और न केवल हमने इस महामारी का डटकर मुकाबला किया बल्कि कई देशों की मदद के लिए भी हाथ बढ़ाया। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और परिवहन से लेकर रक्षा तक के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन इन नौ वर्षों में देखने को मिला है। भारत जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है। यह मुकाम भी मोदी जी के नेतृत्व में हासिल हुआ है। आज वैश्विक स्तर पर हम नेतृत्वकर्ता और मार्गदर्शक की भूमिका में आ रहे हैं। यह सब 9 वर्षों के अथक परिश्रम और प्रयत्नों का परिणाम है।

विचार

चीन पर नकेल कसेगा भारत

भारत ने भी चीन को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल भारत हिंद प्रशांत महासागर के 14 देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। प्रशांत महासागर चीन को घेरने में बेहद अहम है। इस काम में अमेरिका भी भारत के साथ खड़ा है।

चीन की बढ़ती चुनौती को देखते हुए अब भारत ने भी अपनी ठोस रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे की बहुत अहमियत है। बता दें कि पीएम मोदी आगामी 22 मई को हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के देश पापुआ न्यू गिनी का दौरा करेंगे। पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी में इंडिया पैसेफिक आइलैंड कॉपरेशन समिट में शिरकत करेंगे। भारत प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में हमेशा से भारत का प्रभाव रहा है लेकिन बीते कुछ सालों से चीन इस क्षेत्र में भारत के दबदबे को चुनौती दे रहा है। इसके लिए चीन पाक की नौसेना को मजबूत कर रहा है। साथ ही कई अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर वहां अपनी नौसेना की गतिविधियां बढ़ा रहा है। इसीलिए भारत ने भी चीन को उसी की भाषा में जवाब देने की सोची है।

भारत प्रशांत महासागर के 14 देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। प्रशांत महासागर चीन को घेरने में बेहद अहम है। पापुआ न्यू गिनी में होने वाले समिट में प्रशांत महासागर के 14 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक के दौरान भारत निर्माण और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हासिल की अपनी क्षमताओं को इन देशों के साथ साझा करेगा। इसके अलावा भारत इन देशों के साथ आर्थिक, सांस्कृतिक सहयोग को भी बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। इन देशों के नागरिकों को भारत आने पर वीजा नियमों में कई छूट देने की योजना है ताकि लोगों के लोगों से सहयोग को मजबूत किया जा सके। अमेरिका भी प्रशांत महासागर के इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इसी के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी पापुआ न्यू गिनी का दौरा करेंगे और फिर 24 मई को बाइडेन और पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में होने वाली क्वाड की बैठक में शिरकत करेंगे। भारत और अमेरिका मिलकर हिंद प्रशांत महासागर में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने का काम करेंगे।

हिंद प्रशांत महासागर में चीन के साथ अमेरिका का पुराना नाता है। दोनों देश कई बार आमने सामने आ चुके हैं। अमेरिका जानता है कि चीन कंबोडिया में एक नौसैनिक अड्डा बना रहा है। माना जा रहा है कि चीन ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र पर अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए यह चौकी बनाई है। इस क्षेत्र में चीन का यह दूसरा सैन्य अड्डा है। इसके पहले चीन ने पूर्वी अफ्रीकी देश जिबूती में नौसैनिक अड्डा बनाया था। चीन के इस कदम से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की सैन्य शक्ति का विस्तार होगा। चीन की हिंद प्रशांत क्षेत्र में दिलचस्पी भारत के लिए भी खतरे की घंटी है। खासकर भारत के सामरिक लिहाज से यह चिंता का विषय है। भारत जानता है कि अगर इस मुद्दे पर अमेरिका खुलकर सामने आ गया तो चीन को काबू में किया जा सकता है। पापुआ न्यू गिनी का दौरा चीन पर नकेल कसने के लिए बड़ा मंच साबित हो सकता है।

विश्व में करोड़ों अनुपचारित उच्च रक्तचाप वाले

17 मई को, हम विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाते हैं, यह दिन रक्तचाप की निगरानी के महत्व को उजागर करने और दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से पीड़ित एक अरब लोगों को वैश्विक जागरूकता लाने के लिए समर्पित है। उच्च रक्तचाप को 140 मिमी एचजी से ऊपर लगातार सिस्टोलिक रक्तचाप और / या 90 मिमी एचजी से ऊपर लगातार डायस्टोलिक रक्तचाप के रूप में परिभाषित किया जाता है। उच्च रक्तचाप हृदय रोग, स्ट्रोक, गुर्दे की जटिलताओं और समय से पहले मौत के लिए एक जोखिम कारक है। आमतौर पर, उच्च रक्तचाप अकेले किसी भी लक्षण का कारण नहीं बनता है। सौभाग्य से, नियमित रूप से अपने रक्तचाप की जाँच करके और उपचार के माध्यम से उच्च रक्तचाप को रोका और प्रबंधित किया जा सकता है।

दुनिया भर में 30-79 वर्ष की आयु के अनुमानित 1.28 बिलियन वयस्कों को उच्च रक्तचाप है, अधिकांश (दो-तिहाई) निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46% वयस्क इस बात से अनजान हैं कि उनकी यह स्थिति है। उच्च रक्तचाप वाले आधे से कम वयस्कों (42%) का निदान और उपचार किया जाता है। उच्च रक्तचाप वाले लगभग 5 में से 1 वयस्क (21%) ने इसे नियंत्रण में रखा है। उच्च रक्तचाप दुनिया भर में अकाल मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। गैर-संचारी रोगों के लिए वैश्विक लक्ष्यों में से एक 2010 और 2030 के बीच उच्च रक्तचाप के प्रसार को 33% तक कम करना है।

उच्च रक्तचाप वाले लोग लक्षण महसूस नहीं कर सकते हैं। यह जानने का एकमात्र तरीका है कि आप अपने रक्तचाप की जांच करवाएं। उच्च रक्तचाप होने के जोखिम को बढ़ाने वाली चीजों में शामिल हैं। वृद्धावस्था, आनुवांशिकी, अधिक वजन या मोटापा, शारीरिक रूप से सक्रिय न होना, अधिक नमक वाला आहार, बहुत अधिक शराब पीना, जीवनशैली में बदलाव जैसे स्वस्थ आहार खाना, तम्बाकू छोड़ना और अधिक होना सक्रिय निम्न रक्तचाप में मदद कर सकता है। कुछ लोगों को अभी भी दवाएं लेने की आवश्यकता हो सकती है। ब्लड प्रेशर को दो अंकों के रूप में लिखा जाता है। पहली (सिस्टोलिक) संख्या हृदय के सिकुड़ने या धड़कने पर रक्त वाहिकाओं में दबाव का प्रतिनिधित्व करती है। दूसरी (डायस्टोलिक) संख्या वाहिकाओं में दबाव का प्रतिनिधित्व करती है जब दिल धड़कनों के बीच आराम करता है। उच्च रक्तचाप का निदान तब किया जाता है, जब इसे दो अलग-अलग दिनों में मापा जाता है, दोनों दिनों में सिस्टोलिक रक्तचाप रीडिंग140 एमएम् एचजी और/या दोनों दिनों में डायस्टोलिक रक्तचाप रीडिंग90 एमएम् एचजी होती है। उच्च रक्तचाप से जुड़े विभिन्न जोखिम कारक हैं। परिवर्तनीय जोखिम वाले कारकों में अस्वास्थ्यकर आहार (अत्यधिक नमक का सेवन, संतृप्त वसा और ट्रांस वसा में उच्च आहार, फलों और सब्जियों का कम सेवन), शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू और शराब का सेवन और अधिक वजन या मोटापा शामिल हैं। गैर-परिवर्तनीय जोखिम कारकों में उच्च रक्तचाप का पारिवारिक इतिहास, 65 वर्ष से अधिक आयु और सह-मौजूदा रोग जैसे मधुमेह या किडनी रोग शामिल हैं। उच्च रक्तचाप वाले अधिकांश लोग कोई लक्षण महसूस नहीं करते हैं। बहुत उच्च रक्तचाप सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, सीने में दर्द और अन्य लक्षण पैदा कर सकता है। अपने रक्तचाप की जाँच करना यह जानने का सबसे अच्छा तरीका है कि क्या आपको उच्च रक्तचाप है। यदि उच्च रक्तचाप का इलाज नहीं किया जाता है, तो यह गुर्दे की बीमारी, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी अन्य स्वास्थ्य स्थितियों का कारण बन सकता है। बहुत उच्च रक्तचाप वाले लोग (आमतौर पर 180/120 या अधिक) लक्षणों का अनुभव कर सकते हैं जिनमें शामिल हैं- गंभीर सिरदर्द, सीने में दर्द, चक्कर आना, सांस लेने में कठिनाई, मतली, उल्टी, धुंधली दृष्टि या अन्य दृष्टि परिवर्तन, चिंता, भ्रम, कानों में भिनभिनाहट, नकसीर, और असामान्य हृदय ताल। यदि आप इनमें से किसी भी लक्षण और उच्च रक्तचाप का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत ध्यान दें।

उच्च रक्तचाप का पता लगाने का एकमात्र तरीका एक स्वास्थ्य पेशेवर से रक्तचाप की माप है। ब्लड प्रेशर मापना त्वरित और दर्द रहित है। यद्यपि व्यक्ति स्वचालित उपकरणों का उपयोग करके अपने स्वयं के रक्तचाप को माप सकते हैं, जोखिम और संबंधित स्थितियों के आकलन के लिए एक स्वास्थ्य पेशेवर द्वारा मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। जहां तक उच्च रक्तचाप के उपचार का संबंध है, जीवनशैली में बदलाव उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। इनमें शामिल हैं- स्वस्थ, कम नमक वाला आहार खाना, वजन कम करना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना और तंबाकू छोड़ना। यदि आपको उच्च रक्तचाप है, तो आपका डॉक्टर एक या अधिक दवाओं की सिफारिश कर सकता है। आपका अनुशंसित रक्तचाप लक्ष्य आपके पास अन्य स्वास्थ्य स्थितियों पर निर्भर हो सकता है। रक्तचाप लक्ष्य 130/80 से कम है यदि आपके पास-हृदय रोग (हृदय रोग या स्ट्रोक), मधुमेह (उच्च रक्त शर्करा), क्रोनिक किडनी रोग और हृदय रोग के लिए उच्च जोखिम है। अधिकांश लोगों के लिए, लक्ष्य 140/90 से कम रक्तचाप होना है।

उच्च रक्तचाप दुनिया भर में सबसे आम बीमारी है और स्ट्रोक, मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन, संवहनी रोग और क्रोनिक किडनी रोग के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है।

बुजुर्गों की दशा-दिशा सुधारे सरकार

वरिष्ठ नागरिक, नौकरियों से रिटायर हुए लोग या उम्र के कारण अब आगे और काम नहीं कर पाने वाले लोग यानी देश की बुजुर्ग आबादी आज जिस हाल में है, उसे संतोषजनक कतई नहीं कहा सकता है। खासतौर से बात जब आर्थिक सुरक्षा की आती है तो मामला गंभीर चिंता पैदा करता है। देश में बुजुर्गों की हालत पर विश्वसनीय शोध अध्ययन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदा-कदा मीडिया में आने वाली रिपोर्ट या आलेखों के आधार पर ही एक सामान्य-सा अनुभव यह बनता है कि बुजुर्ग आबादी के संकट गहराते जा रहे हैं। वैसे लोकतांत्रिक व्यवस्था वाली सरकारें समय-समय पर बुजुर्गों के कल्याण की चर्चा करती रही हैं। भारत में पिछले दो दशकों में सरकारों की तरफ से बुजुर्गों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने का जो जिक्र मिलता है, उनमें 1999 की नेशनल पॉलिसी ऑन ओल्डर पर्सन्स, 2004 की नेशनल पेंशन स्कीम और 2007 में बना मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजंस एक्ट प्रमुख कवायदें हैं।

इस समय भी नया मसविदा तैयार करने की कवायद चल रही है, जिसका नाम है-ड्राफ्ट नेशनल पॉलिसी फॉर सीनियर सिटीजंस। लेकिन बुजुर्गों के लिए नई नीति की बात ऐसे समय में हो रही है जब सरकारी खजाना मुश्किल के दौर में है। लिहाजा यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल नहीं है कि बुजुर्गों के कल्याण के लिए सरकारी तौर पर इस बार भी कितना कुछ सोचा जा पाएगा। अगर नई नीति के मसविदे की प्रकिया चालू है तो हमें यह जरूर याद रखना चहिए कि सरकारी क्षेत्र में काम करने वालों के पास भले ही दशकों से सामाजिक सुरक्षा का कवच बना हुआ है, लेकिन निजी क्षेत्र में यह कवच बहुत ही पतला है। निजी क्षेत्र में भी सिर्फ संगठित निजी क्षेत्र में ही सामाजिक सुरक्षा का थोड़ा इंतजाम है। लेकिन भारी-भरकम असंगठित क्षेत्र में यह व्यवस्था लगभग शून्य ही है।

छोटे से संगठित निजी क्षेत्र में पेंशन के नाम पर जो रकम मिलती है, उससे तो महीने भर क्या हफ्तेभर का भी गुजारा भी संभव नहीं है। जबकि इस पेंशन के बनने मे आधा योगदान कर्मचारी का भी होता है। वे सेवा काल में अपनी तनख्वाह का एक हिस्सा कटवा कर इस पेंशन कोष में जमा करते हैं। हैरत की बात तो यह है कि वे अपनी पुख्ता सामाजिक सुरक्षा के लिए यदि वेतन से ज्यादा रकम कटवा कर ज्यादा योगदान करना भी चाहें तो नियम इसकी इजाजत नहीं देते। ऐसे में पर्याप्त पेंशन के बारे में ज्यादा चर्चा होने नहीं दी जाती। वैसे एक हकीकत यह भी है कि संगठित निजी क्षेत्र के कामगारों के लिए मानवोचित पेंशन की बात सिरे चढ़ भी जाए तो भी देश के बुजुर्गों की पूरी तस्वीर पर कोई खास फर्क पड़ेगा नहीं। ऐसा इसलिए कि अभी देश का लगभग सारा काम-धाम असंगठित क्षेत्र ही करता आ रहा है। एक मोटा अनुमान है कि देश के कुल कार्यबल में असंगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी तिरानवे फीसद है। सरकारी पेंशन और गैरसरकारी पेंशन वालों की तादाद तो बहुत मामूली है।

इस सिलसिले में एक बार देश में पेंशन प्रणाली के दायरे में आने वालों की संख्या पर भी नजर डाल लेनी चाहिए। मौजूदा हालात यह है कि 130 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश में लेखे में लेने लायक कोई एक सार्वभौमिक पेंशन प्रणाली नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर के 37 देशों के बीच जब वैश्विक स्तर पर पेंशन प्रणाली का आकलन किया गया तो भारत का स्थान 32वां निकला। देश में कार्ययोग्य कुल आबादी में सिर्फ साढ़े सात फीसद नागरिक ही मौजूदा पेंशन योजना के दायरे में हैं। वरिष्ठ नागरिकों के बारे में वर्ष 1999 में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय नीति एनपीओपी बनी थी। उसके बाद 2004 में जब नेशनल पेंशन सिस्टम वजूद में आया तो एक बड़ा बदलाव यह दिखा कि इसे कर्मचारी केंद्रित बना दिया गया। यानी कर्मचारी जब तक काम पर है, तब तक वह अपने रिटायर होने के बाद के गुजारे के लिए अपनी तरफ से भी पैसा देकर भविष्य का इंतजाम कर सके। इस प्रणाली में असंगिठत क्षेत्र के कामगारों के लिए कोई उल्लेखनीय प्रावधान दिखाई नहीं दिया। अब जब नया मसविदा बन रहा है तो असंगठित क्षेत्र के उस तबके पर सबसे पहले ध्यान दिया जाना चाहिए।

ख़ास ख़बर

शीर्ष कोर्ट ने नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने की मांग वाली याचिका की खारिज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- संसद भवन की नई इमारत के उद्घाटन को लेकर जारी विवाद से संबंधित जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से ही इनकार हुए कहा कि हम जानते हैं कि यह याचिका क्यों दाखिल हुई। ऐसी याचिकाओं को देखना सुप्रीम कोर्ट का काम नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि इस याचिका से किसका हित होगा? इस पर याचिकाकर्ता सटीक जवाब नहीं दे पाए। याचिका में शीर्ष अदालत से नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने का निर्देश लोकसभा सचिवालय को देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि लोकसभा सचिवालय का बयान और लोकसभा के महासचिव का उद्घाटन समारोह के लिए जारी निमंत्रण भारतीय संविधान का उल्लंघन है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के वकील सीआर जया सुकिन ने यह जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा गया था कि उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को शामिल नहीं करके भारत सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है। ऐसा करके संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा है। संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति और दो सदन (राज्यों की परिषद) राज्यसभा और जनता का सदन लोकसभा शामिल हैं।

दिल्ली गांवों के कायाकल्प पर 242 करोड़ खर्च करेगी दिल्ली सरकार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली सरकार 242.12 करोड़ रुपये की लागत से गांवों का विकास करेगी। इसके लिए बृहस्पतिवार को विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में ग्राम विकास बोर्ड की बैठक हुई।

दिल्ली सचिवालय में हुई बैठक में गांवों में विकास के लिए दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 118 योजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत गांवों में सड़कों, नालियों, जल निकाय, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में 242.12 करोड़ रुपये से विकास कार्य किए जाएंगे। बोर्ड मीटिंग के दौरान सभी अधिकारियों को ग्राम विकास की परियोजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही पूरी की गई परियोजनाओं की जियो टैग फोटो के साथ रिपोर्ट जमा करने के भी निर्देश दिए गए है। इस मौके पर विकास मंत्री ने बताया कि सरकार शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

खास रणनीति बना रहे सीएम केजरीवाल, भाजपा सरकार के लिए खड़ी कर सकते हैं मुसीबत

दिल्ली अध्यादेश पर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी में केजरीवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली सरकार को दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग करने के अधिकार देने का फैसला सुप्रीम कोर्ट दिया था लेकिन केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया है। वहीं अरविंद केजरीवाल खेमे में भी हलचल तेज हो गई है और केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार आमने-सामने आ गई हैं। केंद्र सरकार के इस अध्यादेश के खिलाफ अरविंद केजरीवाल ने मोर्चा खोल रखा है।अब इस अध्यादेश को लेकर दिल्ली के सीएम केजरीवाल पूरे देश में विपक्ष का समर्थन जुटाने निकल पड़े है। कई नेता अभी तक उनको अध्यादेश के खिलाफ अपना समर्थन दे भी चुके है। लेकिन अब देखना यह है कि आखिर ऐसी कौन सी रणनीति है जिसके सहारे केजरीवाल केंद्र की भाजपा सरकार के सामने मुसीबत खड़ी करने जा रहे है ?

पहले जानते है सुप्रीम कोर्ट ने अफसरों की ट्रासफर-पोस्टिंग मामले में क्या आदेश दिया था? मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने पिछले दिनों फैसला सुनाते हुए कहा कि दिल्ली में जमीन, पुलिस और कानून-व्यवस्था को छोड़कर बाकी सारे प्रशासनिक फैसले लेने के लिए दिल्ली की सरकार स्वतंत्र होगी। अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग भी कर पाएगी। उपराज्यपाल इन तीन मुद्दों को छोड़कर दिल्ली सरकार के बाकी फैसले मानने के लिए बाध्य हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने इस मामले में सर्वसम्मति से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, 'उपराज्यपाल के पास दिल्ली से जुड़े सभी मुद्दों पर व्यापक प्रशासनिक अधिकार नहीं हो सकते हैं। उपराज्यपाल की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की स्थायी शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देती हैं।' कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों (आईएएस) पर भी दिल्ली सरकार का नियंत्रण रहेगा, भले ही वे उसकी तरफ से नियुक्त न किए गए हों।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को अधिकारियों को नियंत्रित करने का अधिकार नहीं दिया गया तो जवाबदेही तय करने के सिद्धांत का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर अधिकारियों ने मंत्रियों को रिपोर्ट करना बंद कर दिया या उन्होंने मंत्रियों के निर्देश नहीं माने तो सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत पर असर पड़ेगा। **फिर केंद्र सरकार ने क्या किया?** सुप्रीम कोर्ट के किसी भी फैसले को पलटने के लिए केंद्र सरकार अध्यादेश ला सकती है। ये अध्यादेश राष्ट्रपति की तरफ से जारी होते हैं। जब संसद का सत्र नहीं चलता है और जरूरत पड़ने पर इसी के तहत कानून बनाया जाता है। संसद सत्र चलने के दौरान अध्यादेश नहीं लाया जा सकता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 में अध्यादेश का जिक्र है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति के पास अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। ये अध्यादेश संसद से पारित कानून जितने ही शक्तिशाली होते हैं। अध्यादेश के साथ एक शर्त जुड़ी होती है। अध्यादेश जारी होने के छह महीने के भीतर इसे संसद से पारित कराना जरूरी होता है। अध्यादेश के जरिए बनाए गए कानून को कभी भी वापस लिया जा सकता है। अध्यादेश के जरिए सरकार कोई भी ऐसा कानून नहीं बना सकती, जिससे लोगों के मूल अधिकार छीने जाएं। केंद्र की तरह ही राज्यों में राज्यपाल के आदेश से अध्यादेश जारी हो सकता है। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दिल्ली सरकार को बड़ी ताकत दे दी थी। कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली सरकार अपने अधीन तैनात अफसरों की ट्रासफर-पोस्टिंग कर सकती थी।

चीन पर निर्भरता खत्म करने के लिए भारत समेत 14 देश मिलकर करेंगे काम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- चीन पर निर्भरता कम करने के लिए बने गुट को बड़ी सफलता मिली है। इस गुट में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंडोनेशिया और मलेशिया समेत 14 देश शामिल हैं। इन 14 देशों ने शनिवार को इंडो-पैसिफिक इकॉनोमिक पार्टनरशिप (आईपीईएफ) के तहत सप्लाई चेन एग्रीमेंट में महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचने की घोषणा की है। इस एग्रीमेंट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आईपीईएफ के देश कच्चे माल की कमी जैसी स्थितियों से निपटने में एक-दूसरे का सहयोग करें। जिससे कोविड और अनावश्यक व्यापार प्रतिबंधों जैसी स्थिति में कम से कम नुकसान हो। आईपीईएफ में 14 साझीदार देश हैं जिसमें अमेरिका और भारत भी शामिल हैं। इस समझौते में सूचना साझा करना और संकट के समय साथ में उस पर काम करना भी शामिल है। अमेरिका के डेट्रॉयट में आईपीईएफ देशों की दूसरी मंत्रीस्तरीय बैठक हुई जिसमें भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने वर्चुअली भाग लिया।

बनाया जा रहा क्राइसिस रिस्पांस नेटवर्क- इसके अलावा आईपीईएफ में शामिल देश इनके बीच बने आपातकालीन संचार नेटवर्क के माध्यम से सेमीकंडक्टर सप्लाई या शिपिंग लाइनों में दिक्कतों से निपटने के लिए एक साथ आ सकते हैं। इन देशों के बीच एक क्राइसिस रिस्पांस नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा सप्लायर्स और स्किल्ड मैनपावर का पता लगाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जा रहा है। साथ ही देशों की निवेश जुटाने में भी मदद की जाएगी।

ग्रुप चार चीजों पर कर रहा चर्चा- सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण चीज लेबर राइट्स होंगे, जो आने वाले वर्षों में कुछ तनाव बढ़ा सकते हैं। इस प्रस्तावित डील के बारे में जानकारी अभी पब्लिक नहीं की गई है। टोक्यो में इस पहल की शुरुआत के ठीक एक साल बाद पहली डील पूरी हुई थी। 2022 की दूसरी छमाही में बातचीत शुरू हुई थी। यह ग्रुप चार पिलर्स पर डील के बारे में चर्चा कर रहा है।

अगले हफ्ते भारत आएंगे अमेरिकी रक्षा मंत्री-जापान समेत इन देशों का दौरा करेंगे ऑस्टिन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- जनवरी 2021 में कार्यभार संभालने के बाद से अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन दूसरी बार भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। अपनी भारत यात्रा के दौरान ऑस्टिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य नेताओं से मिल सकते हैं।

सूत्रों की मानें तो संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहते हैं। ऑस्टिन भी अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी का आधुनिकीकरण जारी रखने के लिए काम कर रहे हैं। इसके साथ ही वह जापान, सिंगापुर और फ्रांस का भी दौरा करेंगे। रक्षा विभाग में भारत-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक सचिव एली रैटनर ने गुरुवार को बताया कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन जून की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका अब पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से जुड़े हुए हैं।

शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व से स्पष्ट निर्देश है कि भारत के साथ रक्षा संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने 22 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान प्रमुख घोषणाओं के भी संकेत दिए। उन्होंने भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए रक्षा प्रणालियों का साथ मिलकर उत्पादन करने और विकसित करने के लिए अमेरिका के स्पष्ट समर्थन का भी भरोसा जताया। जनवरी 2021 में कार्यभार संभालने के बाद से यह ऑस्टिन की भारत की दूसरी यात्रा होगी। इसी तरह यह उनकी इंडो-पैसिफिक की सातवीं यात्रा होगी। ऑस्टिन टोक्यो और फिर सिंगापुर की यात्रा करेंगे। वे 4 जून को नई दिल्ली जाने से पहले शांग्रीला संवाद को संबोधित करेंगे। ऑस्टिन इस साल भारत आने वाले चौथे अमेरिकी कैबिनेट स्तर के सचिव होंगे। इससे पहले विदेश मंत्री एंटनी जे ब्लिंकन, वित्त मंत्री जेनेट येलेन और वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने फरवरी और मार्च में भारत का दौरा किया था।

पीएम मोदी भी जाएंगे अमेरिका- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान 22 जून को पीएम मोदी के लिए एक राजकीय रात्रिभोज रखा गया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलना चाहते हैं। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को बड़ी संख्या में अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

अनिल अरोड़ा सह संपादक निदेशक चेतन एडवरटाइजिंग लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 से सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मुंबई/शिव कुमार यादव/- 'कृष्णा चौहान फाउंडेशन' के तत्वाधान में 'चौथे लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2023' का भव्य आयोजन गत दिनों माया नगरी मुंबई के प्रसिद्ध उपनगर अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में सफलतापूर्वक किया गया। 'केसीएफ' प्रस्तुत इस पुरस्कार समारोह में मीडिया के क्षेत्र में बेहतरीन कामों की बदौलत मीडिया जगत में अपनी एक खास पहचान बनाने वाले अनिल अरोड़ा को उन चुनिदा जानी-मानी हस्तियों के साथ सम्मानित किया गया, जिन्होंने मीडिया में मुकाम बनाया है। 'कृष्णा चौहान फाउंडेशन' के नेशनल प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर श्री कृष्णा चौहान ने इस मौके पर कहा कि श्री अनिल अरोड़ा ने जिस तरह से कोरोना काल के दौरान दुनिया एवं मीडिया के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है, साथ ही जनसेवा में अपनी अहम भूमिका निभाई, उससे उन युवाओं को भी प्रेरणा मिली है जो समाज सेवा और मानव सेवा के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। श्री अनिल अरोड़ा का मानना है कि यदि जीवन में सफलता की ऊँचाईयों को नित छूते रहना है तो जीवन में संघर्ष से कभी मुंह मत मोड़ो। अनिल अरोड़ा को मीडिया व समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय व प्रशंसनीय कार्य करने के लिए लीजेंड दादा फाल्के साहब सम्मान 2023 से विशेष तौर से कुमार सानू बॉलीवुड में मेलोडी के भारतीय पार्श्व गायक किंग, दिलीप सैन फैमस संगीतकार, सुनील पाल कॉमेडियन, शिरीन फरीद अभिनेत्री डांसर के साथ-साथ अन्य गण मान्य जनों ने सम्मानित किया। इसके साथ ही अनिल अरोड़ा सह-संपादक निदेशक चेतन एडवरटाइजिंग नई दिल्ली को बहुत बधाई दी।

राहुल गांधी की याचिका राउज एवेन्यू कोर्ट में आंशिक रूप से स्वीकार

त्रजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नया पासपोर्ट जारी करने के लिए एनओसी की मांग वाली याचिका आंशिक रूप से स्वीकार कर ली है। कोर्ट ने तीन साल के लिए एनओसी दी है। इससे पहले दिल्ली कोर्ट ने राहुल गांधी पासपोर्ट मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद कोर्ट ने दोपहर एक बजे आदेश पारित किया। दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 10 साल की अवधि के लिए एक नया साधारण पासपोर्ट हासिल करने के लिए 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (एनओसी) मांग वाली याचिका दाखिल की थी। पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इसका विरोध किया था। स्वामी ने दिल्ली ने दिल्ली की एक अदालत में जवाब दाखिल करते हुए कहा था कि आवेदक के पास दस साल के लिए पासपोर्ट जारी करने का कोई वैध या प्रभावी कारण नहीं है। स्वामी ने अदालत में कहा, आवेदन में दस साल के लिए पासपोर्ट जारी करने के लिए कोई योग्यता नहीं है। अदालत अनुमति देने के लिए विवेक का इस्तेमाल कर सकती है। न्यायालय न्याय व कानून के व्यापक क्षेत्रों में राहुल गांधी के मुकदमे पर फैसले लेने में अन्य संबंधित मामलों की जांच और विश्लेषण के बाद अनुमति देने के विवेक का इस्तेमाल कर सकता है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि इस स्तर पर आवेदक (राहुल गांधी) के पास एनओसी एक साल से ज्यादा नहीं हो सकती है और इसकी समीक्षा सालाना या इस न्यायालय द्वारा उपयुक्त समझे जाने पर की जा सकती है। स्वामी ने कहा, अन्य सभी मौलिक अधिकारों की तरह पासपोर्ट रखने का अधिकार भी पूर्ण अधिकार नहीं है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और अपराध की रोकथाम के हित में सरकार द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है। नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से नए पासपोर्ट की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए 24 मई को दिल्ली की राउस एवेन्यू अदालत ने सुब्रमण्यम स्वामी को शुक्रवार 26 मई तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा था। राहुल गांधी ने सांसद के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपने राजनयिक यात्रा दस्तावेज को सरेंडर करने के बाद नया 'साधारण पासपोर्ट' हासिल करने के लिए एनओसी हासिल करने के लिए अदालत का रुख किया था। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने कहा था कि जमानत आदेश में गांधी की यात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था और अदालत ने उनकी यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के स्वामी के अनुरोध को खारिज कर दिया था।

दारचा-सरचू-लेह मार्ग पर सोमवार से पुनः दौड़ेंगे वाहन, तैनात रहेंगे पुलिस के जवान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/केलांग (लाहौल-स्पीति)/शिव कुमार यादव/- दुनिया के सबसे ऊंचे दारचा-सरचू-लेह मार्ग पर सोमवार से वाहन दौड़ना शुरू हो जाएंगे। शुक्रवार को लाहौल-स्पीति के उपायुक्त राहुल कुमार ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अधिक बर्फबारी के कारण इस मार्ग पर वाहनों को भेजना संभव भी नहीं था। एक सप्ताह पहले इस मार्ग से 76 लोगों को रेस्क्यू किया गया था। सोमवार से दारचा-सरचू-लेह मार्ग डबललेन के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन ट्रैफिक का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। केलांग से सूरजताल का रास्ता डबललेन के लिए उपयुक्त है, लेकिन आगे कुछ हिस्सों में बर्फ की संकरी कटिंग को चौड़ा करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उपायुक्त ने कहा कि शुक्रवार को लाहौल होटल एसोसिएशन के लोग उनसे मिले और उनकी यह मांग थी कि मनाली-लेह सड़क को डबललेन के लिए खोला जाए। दारचा से आगे मनाली-लेह मार्ग के डबललेन खुलने से लेह-लद्दाख की ओर आवाजाही करने वाले सैलानियों के लिए राहत भरी खबर है।

जलसंकट | दिल्ली कांग्रेस को जल्द मिल सकता है नया प्रमुख

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में संदीप दीक्षित और अरविंदर सिंह लवली के साथ कन्हैया कुमार व देवेन्द्र यादव का भी नाम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली कांग्रेस को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले मजबूती प्रदान करने के लिए एक नया प्रमुख मिलने की उम्मीद प्रबल होती जा रही है। नए अध्यक्ष की इस रेस में संदीप दीक्षित, देवेंद्र यादव, अरविंदर सिंह लवली और कन्हैया कुमार का नाम सबसे आगे सामने आ रहा है। बता दें कि मौजूदा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी का तीन साल का कार्यकाल इस साल मार्च में पूरा हो गया था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली नगर निगम चुनावों के बाद डीपीसीसी को नया अध्यक्ष मिलना था, लेकिन प्रक्रिया में देरी होने के चलते नही मिल पाया लेकिन अब जल्द यह कमी पूरी की जा सकती है। पार्टी सूत्रों ने दावा किया कि नए अध्यक्ष पद के लिए उठ रहे चार नामों में बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए अरविंदर सिंह लवली और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित प्रबल दावेदार हैं। वहीं, देवेंद्र यादव उत्तराखंड कांग्रेस के प्रभारी हैं। इसके अलावा कन्हैया कुमार जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और सीपीआई छोड़ साल 2021 में कांग्रेस में शामिल हुए थे, उनके भी नाम की चर्चा चल रही है। **किसकी दावेदारी मजबूत?** साल 2019 के लोकसभा चुनावों में लवली ने पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। वे बीजेपी के सांसद गौतम गंभीर से चुनाव हार गए थे। संदीप दीक्षित ने दो बार (2004 और 2009) पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र जीता था। वहीं, 2012 से 2014 तक संसद के निचले सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक भी रहे और देवेंद्र यादव 2008 से 2015 तक बादली से विधायक थे। सूत्रों का कहना है कि, इस रेस में सबसे आगे फिलहाल लवली का नाम चल रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अरविंदर सिंह लवली की राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी छवि है। वह राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस सरकार में परिवहन, शिक्षा, शहरी विकास और राजस्व मंत्री रह चुके हैं। वहीं, संदीप दीक्षित के साथ उनकी मां शीला दीक्षित और उनके किए गए कामों का नाम जुड़ा है।

आप ने हरियाणा संगठन का किया ऐलान, सुशील गुप्ता बने प्रदेश अध्यक्ष

अशोक तंवर को कैंपेन कमेटी के चेयरमैन व पूर्व पत्रकार अनुराग ढांडा बने सीनियर वाइस प्रेसिडेंट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/चंडीगढ़/शिव कुमार यादव/- आम आदमी पार्टी ने राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए आज अपनी हरियाणा इकाई का गठन किया है। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ सुशील कुमार गुप्ता को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, पूर्व पत्रकार अनुराग ढांडा को प्रदेश का सीनियर वाइस प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अशोक तंवर को कैंपेन कमेटी के चेयरमैन का पद दिया गया है। इसके अलावा पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह नेशनल ज्वाइंट सेक्रेटरी बने हैं। आप की हरियाणा इकाई द्वारा नए पदाधिकारियों की घोषणा ऐसे समय में की गई है जब पार्टी राज्य में अपना जनाधार और मजबूत करना चाह रही है, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। हरियाणा में आम आदमी पार्टी ने संगठन के नए पदाधिकारियों में बलवीर सिंह सैनी, बंता सिंह वाल्मीकि और चित्रा सरवारा को स्टेट वाइस प्रेजिडेंट बनाया गया है। पहले आप ने यह लिस्ट होल्ड कर ली थी। पार्टी की प्लानिंग थी कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से बड़ी रैली करवाकर इसकी घोषणा की जाए। हालांकि दूसरे दलों की चुनावी सक्रियता को देखते हुए यह लिस्ट जारी कर दी गई है।

आप में पिता-पुत्री को अहम जिम्मेदारी- आम आदमी पार्टी (आप) ने हरियाणा में संगठन के ऐलान के साथ पूर्व मंत्री चौधरी निर्मल सिंह को नेशनल जॉइंट सेक्रेटरी बनाया है। निर्मल सिंह 2 बार मंत्री रहे और एक बार कुरुक्षेत्र से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। कांग्रेस में वह भूपेंद्र हुड्डा के खासमखास रहे। हरियाणा में आप की स्टेट वाइस प्रेजिडेंट बनाई चित्रा सरवारा उनकी बेटी हैं। इससे पहले चित्रा सरवारा उत्तरी हरियाणा संयोजिका के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही थी।

ख़ास ख़बर

महापौर ने किया निगम विद्यालयों का निरिक्षण दौरा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- महापौर (मेयर) डॉ शैली ओबरॉय ने निजामपुर गांव स्थित दिल्ली नगर निगम सह-शिक्षा विद्यालय का निरीक्षण किया। मेयर ने गर्मी की छुट्टियों में निगम विद्यालयों में चल रहे मिशन बुनियाद का भी जायजा लिया। मेयर ने छात्रों से कविताएं सुनी एवं उनसे बातचीत कर उनकी प्रगति की जांच की। इस दौरान मेयर ने कहा कि विद्यालय में पढने वाले छात्रों की सुरक्षा के लिए विद्यालय की चारदीवारी जल्द से जल्द बनाई जाए। विद्यालय से सटी हुई भूमि पर इनर्ट डाल कर समतल किया जाए। मेयर ने कहा कि बच्चों के बैठने के लिए समुचित डेस्क का प्रबंध किया जाए। मेयर ने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि स्कूलों की बदहाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेयर ने निजामपुर गांव में स्थित बंद पड़े मातृ एवं शिशु केंद्र व बारात घर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से संसाधनों एवं पैसे की बर्बादी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। यह जनता का पैसा है तथा इसका इस्तेमाल जनता के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। पुराने डिस्पेंसरी और बारातघर बदहाल हालत में हैं। नए बनाने से पहले पुरानी डिस्पेंसरी और बारातघर की हालत ठीक की जाए। इसके बाद मेयर ने निजामपुर गांव में पार्क के लिए चिन्हित भूमि की चारदीवारी के निर्माण करने के निर्देश दिए।

गर्लफ्रैंड की नशे की लत पूरी करने के लिए बना वाहन चोर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- एएटीएस द्वारका ने एक ऐसे अपराधी को पकड़ा है जो अपनी गर्लफ्रैंड की नशे की लत को पूरा करने के लिए वाहन चोर बन गया। आरोपी चोरी के वाहन बेचकर अपनी दोस्त के लिए नशा खरीदता था और खुद भी नशा करता था। पुलिस ने आरोपी की पहचान साहिल के रूप में की है। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक मोटर साइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। जांच में पता चला कि आरोपी पर पहले 10 वाहन चोरी के मामले दर्ज है। इस संबंध में द्वारका डीसीपी एम हर्षवर्धन ने प्रेसवार्ता में बताया कि इलाके में चोरी व वाहन चोरी की वारदात न हो, इसके लिए जिला एएटीएस की टीम को अपराध नियंत्रण और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। इसके बाद एसीपी ऑपरेशन राम अवतार के निरीक्षण व इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में एसआई दिनेश कुमार, एचसी जयराम, एचसी रामरे, सीटी शिशपाल और सीटी राकेश की टीम ने जांच शुरू की। इस क्रम में चोरी व वाहन चोरी से जुड़े घटनास्थलों पर पुलिस की टीम जाकर वहां आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज व सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

नाटो को लेकर चीन ने जापान को दी धमकी, नाटो समिट से दूर रहने को कहा

● चीन ने कहा- इतिहास से सबक सीखें जापान के प्रधानमंत्री, इलाके के अमन को दांव पर न लगाएं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- चीन ने जापान से कहा है कि वो जुलाई में होने वाले नाटो समिट में हिस्सा न ले। चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा- जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा नाटो समिट में शिरकत के लिए लिथुआनिया न जाएं तो अच्छा होगा। इससे इस क्षेत्र का अमन बना रहेगा। बयान में आगे कहा गया- जापान समेत हम सभी को इतिहास से सबक लेना चाहिए। किसी भी हरकत से इस इलाके का अमन दांव पर लग सकता है और इससे सभी को नुकसान होने का खतरा है। **जुलाई में होगी समिट-**नाटो समिट जुलाई में लिथुआनिया में होने वाली है। रूस-यूक्रेन जंग को एक साल से ज्यादा हो चुका है। इस लिहाज से यह समिट काफी अहम मानी जा रही है। जापान वैसे तो नाटो का हिस्सा नहीं है, लेकिन अमेरिका और दूसरे सदस्य देशों ने उसे स्पेशल इनविटेशन दिया है। जापान सरकार कह चुकी है कि प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा इस समिट में हिस्सा लेने के लिए लिथुआनिया जा सकते हैं। इसके बाद से चीन सरकार जापान पर दबाव बनाने के लिए तमाम हथकंडे इस्तेमाल कर रही है। माना जा रहा है कि जापान और नाटो के बाकी मेंबर्स टेक्नोलॉजी और इंटेलिजेंस शेयरिंग पर नए सिरे से कोई समझौता कर सकते हैं। इसके अलावा नाटो प्लस पर भी विचार किया जा सकता है। इसमें भारत और जापान को इसमें शामिल करने का प्रपोजल दिया जा सकता है।**चीन क्या कह रहा है-**चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को कहा- जापान को इस नाटो समिट में हिस्सा लेने से बचना चाहिए। अगर फुमियो किशिदा समिट में हिस्सा लेने के लिए लिथुआनिया जाते हैं तो इससे चीन और जापान के रिश्ते खराब हो सकते हैं। निंग ने आगे कहा- इस तरह के किसी प्लेटफॉर्म में जाने से इस रीजन की पीस और स्टेबिलिटी पर गंभीर असर पड़ेगा। हम सभी को इस तरह के हालात से बचने के लिए हाई अलर्ट पर रहना होगा। इतिहास से सबक सीखा जाए, ताकि किसी को भारी नुकसान न उठाना पड़े। चीन की यह वॉर्निंग जापान को डराने के लिए है। दूसरी तरफ, जापान सरकार इशारा दे चुकी है किशिदा समिट में हिस्सा जरूर लेंगे। नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग भी कह चुके हैं कि किशिदा को परेशान होने की जरूरत नहीं है। नाटो चाहता है कि उसका एक रीजनल ऑफिस अब जापान की राजधानी टोक्यो में भी खोला जाना चाहिए। **नाटो और तुर्की-**नाटो का पूरा नाम नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन है। यह यूरोप और उत्तरी अमेरिकी देशों का एक सैन्य और राजनीतिक गठबंधन है। नाटो की स्थापना 4 अप्रैल 1949 को हुई थी। इसका हेडक्वॉर्टर बेल्जियम के ब्रुसेल्स में है। नाटो की स्थापना के समय अमेरिका समेत 12 देश इसके सदस्य थे। अब 30 सदस्य देश हैं, जिनमें 28 यूरोपीय और दो उत्तर अमेरिकी देश हैं। इस संगठन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी नाटो देशों और उसकी आबादी की रक्षा करना है। नाटो के आर्टिकल 5 के मुताबिक, इसके किसी भी सदस्य देश पर हमले को नाटो के सभी देशों पर हमला माना जाएगा।1952 में नाटो से जुड़ा तुर्की इसका एकमात्र मुस्लिम सदस्य देश है। **नाटो की नींव कैसे पड़ी थी-**दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ को रोकने के लिए अमेरिकी और यूरोपीय देशों ने एक सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसे नाटो के नाम से जाना जाता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ और अमेरिका दो सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे, जो दुनिया पर अपना दबदबा कायम करना चाहते थे। इससे अमेरिका और सोवियत संघ के संबंध बिगड़ने लगे और उनके बीच कोल्ड वॉर की शुरुआत हुई। सोवियत संघ की कम्युनिस्ट सरकार दूसरे विश्व युद्ध के बाद कमजोर पड़ चुके यूरोपीय देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहती थी। सोवियत संघ की योजना तुर्की और ग्रीस पर दबदबा बनाने की थी। तुर्की और ग्रीस पर कंट्रोल से सोवियत संघ काला सागर के जरिए होने वाले दुनिया के व्यापार

को नियंत्रित करना चाहता था। सोवियत संघ की इन विस्तारवादी नीतियों से पश्चिमी देशों और अमेरिका से उसके संबंध पूरी तरह खराब हो गए। आखिरकार यूरोप में सोवियत संघ के प्रसार को रोकने के लिए यूरोपीय देशों और अमेरिका ने मिलकर नाटो की नींव डाली। **रूस-यूक्रेन विवाद की वजह बना नाटो-** 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद नाटो ने खासतौर पर यूरोप और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बीच तेजी से प्रसार किया। 2004 में नाटो से सोवियत संघ का हिस्सा रहे तीन देश-लातविया, एस्तोनिया और लिथुआनिया जुड़े, ये तीनों ही देश रूस के सीमावर्ती देश हैं। पोलैंड (1999), रोमानिया (2004) और बुल्गारिया (2004) जैसे यूरोपीय देश भी नाटो के सदस्य बन चुके हैं। ये सभी देश रूस के आसपास हैं और उनके और रूस के बीच में केवल यूक्रेन पड़ता है। यूक्रेन पिछले कई वर्षों से नाटो से जुड़ने की कोशिश करता रहा है। उसकी हालिया कोशिश की वजह से ही रूस ने यूक्रेन पर हमला बोल दिया है। यूक्रेन की रूस के साथ 2200 किमी से ज्यादा लंबी सीमा है। रूस का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो से जुड़ता है

यूएस में राहुल के भाषण के बीच लगे भारत विरोधी नारे, लोगों ने भारत जोड़ों के नारे लगा दिया जवाब

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- कांग्रेस नेता राहुल गांधी का विदेशी दौरा एक बार फिर भारत की राजनीति में उफान लेकर आया है। राहुल गांधी आजकल

पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले अमेरिका की यात्रा पर है और वे यहां भारतीयों से बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान वह कभी पीएम मोदी को निशाना बना रहे है तो कभी सरकार पर हमला बोल रहे हैं। लेकिन कैलिफोर्निया में भाषण के दौरान खालिस्तानियों द्वारा राहुल गांधी को परेशान किए जाने के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। राहुल के भाषण के दौरान एक

मौके पर कुछ लोगों को खालिस्तान समर्थन का नारे लगाते देखा गया। हालांकि, राहुल ने इसका जबाव 'भारत जोड़ो के नारे' और 'मोहब्बत की दुकान' से देने की कोशिश की फिर भी भारत विरोधी नारों पर उनका मुस्कुराना बड़े राजनीतिक विवाद को जन्म दे सकता है। भाजपा ने तो खालिस्तानियों के भारत विरोधी नारों बीच राहुल गांधी के मुस्कुराने पर ऐतराज जताते हुए उन्हे अलगाववादी व नक्सल समुहों का नेता तक करार दे दिया है। लेकिन कांग्रेस ने इसके जवाब में कहा कि लोगों ने भारत जोड़ों के नारे लगा कर उन्हे जवाब दे दिया है। बता दें, राहुल गांधी छह दिवसीय अमेरिकी दौरे पर हैं और बुधवार को भारतीयों के साथ उनकी पहली बातचीत थी जो पहले ही विवादों का केंद्र बन चुका है। नए संसद भवन पर अपनी टिप्पणी के लिए, कांग्रेस नेता पर एक बार फिर विदेशी धरती पर भारत का अपमान करने का आरोप लगाया गया है, जबकि खालिस्तान समर्थक नारों पर उनकी प्रतिक्रिया भी जांच के दायरे में आ गई है।**विवेक अग्निहोत्री ने बताया नक्सल नेता-**दरअसल, जब राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, तो इस बीच खालिस्तानी समर्थन के नारे लगना शुरू हो गया। इस पर कांग्रेस नेता मुस्कराते दिखे। इस पूरे वाक्या की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब राहुल गांधी के मुस्कुराने पर सवाल उठने लगे हैं।

भारत के नये संसद भवन की तारीफ कर चीन ने सबकों चौंकाया

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- विश्व में भारत-चीन संबंधों को सभी भलीभांति जानते है। जहां तक चीन का सवाल है वह भारत को अपने लिए प्रतिस्पर्धी देश मानता है और उसे आगे बढ़ने से रोकने के लिए कोई मौका नही चूकता है लेकिन अचानक भारत के नये संसद भवन की तारीफ कर चीन ने सभी को चौंका दिया है। चीन ने यह तारीफ ऐसे समय में की है जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले है। क्या चीन पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा से डरा गया है या फिर इस बदलाव का कारण कुछ और आखिर ड्रैगन इस प्रशंसा से भारत से क्या चाहता है? चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र समझे जाने वाले चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने भारत के नए संसद भवन को लेकर नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और कहा है कि भारत औपनिवेशिक काल की सभी निशानियों को मिटा रहा है। अखबार ने अपने एक संपादकीय में कहा है कि चीन भारत की गरिमा बनाए रखने और अपनी स्वतंत्रता को कायम रखने की इच्छा के साथ खड़ा है और चाहता है कि भारत विकास करे।भारत के नये संसद भवन की गरिमामई चमक ने दुनिया के कई मुल्कों को चकाचौंध कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस शान से नई संसद बिल्डिंग का उद्घाटन किया और सेंगोल की स्थापना की, उसका प्रभाव दुनिया के दूसरे देशों में भी देखा जा रहा है। पड़ोसी देश चीन ने भी भारतीय संसद की जमकर तारीफ की है लेकिन इसे संदेह की नजरों से देखा जा रहा है। आखिर चीन ने इतनी जल्दी और सहजता से नई संसद की प्रशंसा क्यों की? चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में भारत के नये संसद भवन को महान प्रतीक के तौर बताया है। संपदकीय में लिखा गया है-नया भवन भारतीय राजधानी को औपनिवेशिक युग के निशान से मुक्त करता है इसलिए यह महानता का प्रतीक है।**चीन ने क्यों की तारीफ?**इसकी कई वजहें हैं. हाल के सालों में भारतीय कूटनीति के आगे चीन की एक चाल सफल नहीं हो पा रही है। मोदी सरकार ने दुनिया में एक उभरते हुए भारत की छवि पेश करने में कामयाबी पाई है। दुनिया के कई मुल्कों में भारत को शक्तिशाली देश के तौर पर देखा जा रहा है। जापान से लेकर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया आदि मुल्कों से भारत के संबंध पहले से कहीं ज्यादा बेहतर हुए हैं। भारत ने उन देशों के साथ दोस्ती को और पुख्ता बनाने में सफलता हासिल की है जहां चीन या तो डोरे डालने की कोशिश करता रहा है या फिर जो मुल्क चीन के विस्तारवाद को नापसंद करते रहे हैं। भारत की इस सफल कूटनीति के आगे चीन को फिलहाल कुछ समझ नहीं आ रहा है लिहाजा वह तारीफ करना ही बेहतर समझता है। **अमेरिका विरोध में भारतीय संसद की तारीफ-**चीन पश्चिमी देशों और खासतौर पर अमेरिका का विरोधी रहा है। जैसा कि चीन को पता है कि भारत में हाल के सालों में उपनिवेशवादी और गुलामी की निशानियां की भरपूर की कोशिश की गई है। जिसके तहत इमारतों, शहरों और सड़कों के नाम बदले गये हैं। चीन इस बहाने तारीफ करके अपना पश्चिम विरोध प्रदर्शित कर रहा है।**पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा से पहले तारीफ-**गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जून को अमेरिका यात्रा पर भी जाने वाले हैं। ऐसे में माना जा रहा है

शुभ-मंगल

यूएस में बोले राहुल- पीएम को लगता है वो सबकुछ जानते हैं, उनके सामने भगवान भी हो जाएंगे भ्रमित

विदेशी धरती से राहुल ने फिर बोला पीएम मोदी पर हमला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- एकबार फिर राहुल गांधी विदेशी दौरे पर हैं और अमेरिका में वह तीन शहरों की यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में भारतीय प्रवासियों की एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों को धमकाने तथा देश की एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा, दुनिया इतनी बड़ी है कि कोई भी व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि वह सबके बारे में सबकुछ जानता है। यह एक बीमारी की तरह है कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जो सोचते हैं कि वे सबकुछ जानते हैं। राहुल ने कहा कि उन्हें (पीएम मोदी) लगता है कि वे भगवान से ज्यादा जानते हैं। वे भगवान के सामने बैठकर उन्हें भी समझा सकते हैं कि क्या चल रहा है। पीएम मोदी भी उनमें से एक हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत में राजनीति के सभी साधनों को नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने से पहले उन्होंने महसूस किया कि राजनीति में लंबे समय से चले आ रहे सामान्य तौर-तरीके अब काम नहीं आ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा लोगों को धमका रही है और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। 'भारत जोड़ो यात्रा' इसलिए शुरू की गई क्योंकि लोगों से जुड़ने के लिए हमें जिन साधनों की जरूरत थी, उन सभी पर भाजपा-आरएसएस का नियंत्रण है। उन्होंने कहा, हम यह भी महसूस कर रहे थे कि राजनीतिक रूप से कार्य करना काफी कठिन हो गया है। इसलिए हमने भारत के सबसे दक्षिणी सिरे से श्रीनगर तक पदयात्रा का फैसला किया। राहुल गांधी ने कहा कि स्नेह, सम्मान और विनम्रता की भावना से यात्रा की गई। उन्होंने कहा, अगर कोई इतिहास को पढ़ेगा तो पाएगा कि गुरु नानक देव जी, गुरु बसवन्ना जी, नारायण गुरु जी सहित सभी आध्यात्मिक नेताओं ने देश को एक समान तरीके से एकजुट किया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत वह नहीं है जो मीडिया में दिखाया जा रहा है, जो एक ऐसी राजनीतिक सोच को बढ़ावा देना पसंद करता है जो वास्तविकता से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी विकृति है। राहुल गांधी ने कहा, यात्रा में मेरे लिए यह बहुत स्पष्ट हो गया कि इन चीजों को दिखाना मीडिया के हित में है, इससे भाजपा को मदद मिलती हैं इसलिए यह मत सोचिए कि मीडिया में आप जो कुछ भी देखते हैं वह सच है।उन्होंने कहा, भारत वह नहीं है जो मीडिया दिखाता है. मीडिया को एक विशेष कहानी दिखाना पसंद है। वह एक ऐसी राजनीतिक कहानी को बढ़ावा देना पसंद करता है जिसका भारत की वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं हैं। कांग्रेस नेता अमेरिका के तीन शहरों की यात्रा के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे. इस दौरान वह भारतीय प्रवासियों से बातचीत करेंगे और अमेरिकी सांसदों से मुलाकात करेंगे. 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने पिछले हफ्ते कहा था कि गांधी की यात्रा का मकसद वास्तविक लोकतंत्र के साझा मूल्यों और दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।**1- नए संसद भवन पर क्या बोले राहुल?**राहुल गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि नया संसद भवन का उद्घाटन असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। बेरोजगारी, महंगाई, नफरत, शिक्षा संस्थानों में कमी जैसे मुद्दों पर बीजेपी चर्चा नहीं चाहती है। इसलिए इन सब मुद्दों को आगे किया जा रहा है।

2- भारत में मुस्लिमों पर अत्याचार के सवाल पर राहुल ने क्या कहा?मुस्लिम समुदाय पर अत्याचार से जुड़े सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, नफरत के बाजार में, मोहब्बत की दुकान खोलेंगे. मुसलमानों को लग रहा है कि उन पर ज्यादा हमले हो रहे हैं लेकिन सिख, दलित, आदिवासी सभी ऐसा ही महसूस कर रहे हैं। हर कोई पूछ रहा है कि क्या चल रहा है? मुसलमान इसे अधिक महसूस करते हैं क्योंकि उनको ज्यादा केंद्रित किया जा रहा है लेकिन हम नफरत को नफरत से नहीं हरा सकते। हम प्यार से नफरत को हराएंगे। भारत नफरत में विश्वास नहीं रखता। आज भारत में मुसलमानों के साथ जो हो रहा है, वही उत्तर प्रदेश में दलितों के साथ होता था लेकिन हम इसे चुनौती देंगे, इससे लड़ेंगे।**3- महिला सुरक्षा पर क्या बोले राहुल?**राहुल से जब महिलाओं के आरक्षण और सुरक्षा के मुद्दे पर सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि महिलाओं के आरक्षण पर हम बिल लाना चाहते थे लेकिन हमारे कुछ सहयोगी इस पर राजी नहीं हुए और हम ऐसा नहीं कर पाए, लेकिन हम जब सत्ता में आएंगे तो इस बिल को पास करेंगे।

ख़ास ख़बर

समाजसेवी एवं व्यवसायी सुभाष जोशी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- इंदौर के व्यवसायी एवं समाजसेवी सुभाष चंद्र जोशी को रविवार को उनके शोध कार्य श्रीमद्भागवत के श्लोकों का मध्य प्रदेश राज्य के संदर्भ में पांडुलिपि से तुलनात्मक अध्ययन द्वारा विलुप्त श्लोकों का अन्वेषण करने के लिए माँ भुनेश्वरी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्हें यह सम्मान राज्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन योगेंद्र जी महंत, उपाध्यक्ष इंदौर विकास प्राधिकरण गोलू शुक्ला, संस्कृत महाविद्यालय प्राचार्य श्री विनायक जी पांडे द्वारा दिया गया। उन्हें पूर्व में भी पुलिस प्रशासन द्वारा कोरोना काल में भी चैंपियन ऑफ द डे अवार्ड एवं इंदौर प्रेस क्लब द्वारा कर्म साक्षी अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का प्रेरणा स्त्रोत अपनी माता स्वर्गीय भगवती बाई जोशी, पिता पंडित राधेश्याम जोशी, पत्नी ज्योति जोशी एवं घनश्याम जी उपाध्याय को बताया। इस उपलब्धि पर उनके इष्ट मित्रों भूतपूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, भाजपा नेता निरंजन सिंह चौहान, श्री कृष्णा देवकॉन लिमिटेड के डायरेक्टर सुनील जैन, शैलेश अंबोर, पूर्व पार्षद सुधीर देडगे, जुगलकिशोरजी माहेश्वरी, भाई विजय जोशी, भाभी नीता जोशी एवं समस्त परसाई परिवार ने हर्ष जताते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भारत के विकास से विश्व के विकास का आह्वान करेगा संसद का नया भवन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नई संसद भवन की इमारत का उद्घाटन किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा कक्ष में 'सेंगोल' (राजदंड) स्थापित किया। इसके बाद पीएम मोदी पहली बार नई संसद इमारत के लोकसभा सदन में पहुंचे। प्रधानमंत्री के प्रवेश करते ही सांसदों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। राज्सभा के उपसभापति हरिवंश ने उपराष्ट्रपति ओम प्रकाश धनखड़ का संदेश पढ़ा।

नए रास्तों पर चल कर ही नए प्रतिमान

पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि नए रास्तों पर चल कर ही नए प्रतिमान गढ़े जाते हैं। आज नया भारत नया लक्ष्य तय कर रहा है। नए रास्ते गढ़ रहा है। नया जोश है, नई उमंग, नई सोच है। दिशा नई है। विश्वास नया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज फिर एक बार पूरा विश्व भारत को भारत के संकल्प के दृढ़ता को भारतवासियों की प्रखरता, भारतीय जनशक्ति की जीजिविषा को आदर और उम्मीद के भाव से देख रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत आगे बढ़ता है तो विश्व आगे बढ़ता है। संसद का यह नया भवन भारत के विकास से विश्व के विकास का भी आह्वान करेगा। पीएम ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक अवसर पर कुछ देर पहले संसद की नई इमारत में पवित्र सेंगोल की भी स्थापना हुई है। नए संसद भवन के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रतिष्ठित इमारत सशक्तीकरण, सपनों को हकीकत में बदलने का उद्गम स्थल बने। आज नए संसद भवन को देखकर हर भारतीय गौरव से भरा हुआ है। इस भवन में विरासत भी है, वास्तु भी है। इसमें संस्कृति भी है और संविधान के स्वर भी हैं। ये संसद भवन हर भारतीय के कर्तव्य भाव को जागृत करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक अवसर पर कुछ देर पहले संसद की इस नई ईमारत में पवित्र सेंगोल की भी स्थापना हई है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भी इस संसद भवन में कार्यवाही शुरू होगी, सेंगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा।

2047 से पहले भारत बन जायेगा पूर्ण विकसित राष्ट्र- मंत्री पीयूष गोयल

आगामी 25 साल आजादी के अमृत महोत्सव काल के लिए अहम
नेहरू युवा केंद्र दक्षिण-पश्चिम की डीवाईसी ने युवाओं को दिलाई पंच प्रण की शपथ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। आजादी के अमृत काल के तहत नेहरू युवा केंद्र जिला दक्षिण-पश्चिम द्वारा आईआईटीएम जनकपुरी में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्यअतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल उपस्थित हुए। उन्होने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगली सदी भारत की है क्योंकि भारत युवाओं का देश और उनका मानना है कि अगर देश अगले दो दशक तक इसी गति से विकास करता रहा तो युवा भारत 2047 से पहले युवा भारत पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जायेगा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 25 साल आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए अहम बताये है। इस अवसर पर एनवाईके जिला दक्षिण-पश्चिम की डीवाईसी अंजली चौधरी ने युवाओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये पंच प्रण की न केवल पूरी जानकारी दी बल्कि युवाओं को देश हित में काम करने के लिए पंच प्रण की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर एनवाईके के स्टेट डायरेक्टर श्याम सुंदर जोशी, आईआईटीएम के डायरेक्टर राकेश शर्मा, आईआईटीएम के संस्थापक जे सी शर्मा, प्रो. डॉ. जे रचिता राणा और जिला दक्षिण-पश्चिम के एडीएम बलराम मीणा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा विशिष्ठ अतिथि के रूप में एसडीएम विनय मोंगिया, जर्नलिस्ट शिव कुमार यादव, प्रोफेसल रमेश कुमार, एनवाईके के अधिकारी सुरेन्द्र बोकन व एनयूएलएम से नवीन कोटिया उपस्थित रहे। माननीय मंत्री श्री पियूष गोयल जी ने कहा कि नौजवानो को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित करने के लिए एवं एक दिशा देने के लिए ऐसा समागम सराहनीय है। उन्होंने नौजवानो को कहा की पहले से कहीं अधिक मौके युवाओ को अब मिल रहे है जिनका लाभ युवाओ को एक विज़न के साथ उठाना चाहिए क्योंकि युवाओ का विकास ही भारत को 2047 तक एक विकसित भारत के रूप में सुदृढ़ करेगा। मंत्री जी ने तीन डी की बात की जिसमे भारत विश्व भर में सभी देशों से आगे है -डेमोग्राफिक डिविडेंड, डेमोक्रेसी एवं डिमांड। ये तीन डी भारत के लिए मानवीय संसाधन के सही उपयोग के द्वारा 2047 में हमारे सपनो के भारत का स्वप्न हकीकत कर सकता है। माननीय मंत्री जी आगे कहते है स्वतंत्रता दिवस 2022 में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश के समक्ष रखे गए ये अमृत काल के पांच प्रण युवाओं के लिए भविष्य का ब्लूप्रिंट है। ये पांच प्रण हमारे युवाओ को गुलामी की मानसिकता से दूर ले जाते हुए विकसित भारत का स्वप्ना दिखाकर भारत को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने का आत्मविश्वास ही नहीं अपितु उस विश्वास को हकीकत बनाने का जज़्बा भी देते है। आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा स्टार्ट अप वाला दुसरे नंबर का देश बन चुका है जिसमे युवा शक्ति समाहित है। यह युवा शक्ति से जन भागीदारी का प्रत्यक्ष उदाहरण है। चाहे खेल हो, चाहे अर्थशास्त्र, चाहे गणित हो, चाहे तंत्रशास्त्र भारत देश के युवा पुरातन काल से ही विश्व भर में अपना लोहा मनवा चुके है। इसी परम्परा को आगे बढ़ने का उदबोधन माननीय मंत्री जी ने दिया। इस मौके पर दक्षिण पश्चिम दिल्ली प्रशासन के विभिन्न विभागों ने प्रदर्शनी भी लगाई एवं कार्यक्रम में पहुंचे युवाओ में जागरूकता बढ़ाई। विभिन्न स्वयं समूह द्वारा घर में बने साबून, अचार, रेडीमेड कपडे व मसाले आदि की प्रदर्शनी भी लगाई। इसमें नौजवानो को किसी आपदा के समय तैयार रहने हेतु डीडीएमए द्वारा प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजना जैसे अग्निपथ योजना, मुद्रा योजना, स्किल इंडिया योजना इत्यादि के बारे में भी जानकारी दी गयी। समागम दौरान भाषण प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता व सांस्कृतिक सामूहिक कार्यक्रम प्रतियोगिता करवाए गए। कॉलेज की निदेशिका प्रोफेसर रचिता राणा जी ने नेहरू युवा केंद्र व युवाओं का समागम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने पर धन्यवाद् किया एवं सभी 800 प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

नाबालिग लड़की पर चाकू से किये 30 वार, मौके पर मौत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- देश की राजधानी दिल्ली में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में एक युवक ने नाबालिग लड़की की चाकू से गोदने के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। आरोपी ने नाबालिग पर करीब 30 वार किये और उसकी मौत की पुष्टि के लिए पत्थर मारकर भी कुचला। पुलिस ने आरोपी को बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी पुलिस थाना इलाके में यह वारदात हुई। आरोपी युवक की पहचान साहिल पुत्र सरफराज के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी मिली है कि आरोपी साहिल और लड़की के बीच कहासुनी होती है। इसके बाद आरोपी साहिल लड़की को गली में रोक लेता है। कुछ ही सेकंड बाद आरोपी साहिल लड़की पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला करना शुरू कर देता है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी साहिल लड़की को चाकू से लगातार गोद रहा है, गली में लोग उसके पास से आते-जाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन किसी ने भी बीच बचाव करने की जहमत नहीं उठाई। आरोपी साहिल ने लगातार 30 से अधिक बार चाकू से वार किए। इसके बाद उसने कई बार पत्थर से मारा। इसके बाद मौके से भाग गया। घायल लड़की को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कुछ लोगों ने बीट स्टाफ को नाबालिग युवती की हत्या की जानकारी दी। साथ ही पुलिस टीम को तुरंत घटनास्थल पर बुलाया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस पड़ताल में नाबालिग लड़की की पहचान हो गई है। मृतका ई-36 जेजे कॉलोनी के रहने वाले थी। पुलिस के अनुसार, साहिल और नाबालिग लड़की के बीच संबंध थे, लेकिन रविवार को दोनों के बीच विवाद हो गया। जब लड़की अपनी सहेली के बेटे के जन्मदिन में जा रही थी तो इसी दौरान साहिल ने उसे गली में रोक लिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी साहिल ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। जब इतने में भी मन नहीं भरा तो आरोपी ने कई बार उस पर पत्थर उठाकर मारा। फिर लात भी मारी। लड़की के पिता की तहरीर पर थाना शाहबाद डेयरी में आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने ट्वीट किया कि दिल्ली के शाहबाद डेरी में एक नाबालिग मासूम गुड़िया को चाकू गोद-गोदकर मारा गया और उसके बाद पत्थर से उसे कुचल दिया गया। दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस को नोटिस जारी कर रहे हैं। सब हदें पार हो गई हैं। मैंने अपने इतने वर्षों के करियर में इससे ज़्यादा भयानक कुछ नहीं देखा। दिल्ली में हुए दिल दहला देने वाले हत्याकांड पर भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने भी ट्वीट किया है कि ये दर्दनाक हत्या दिल्ली में हो रही है एक और नाबालिग लड़की को कुचल कुचल कर मारा जा रहा है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने घटना पर ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि यह खौफनाक हत्या देख कर रूह कांप उठी। मैं दिल्ली के उपराज्यपाल को याद दिलाना चाहती हूं कि संविधान ने उन्हें दिल्ली के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी है। परंतु वे अपना सारा समय अरविंद केजरीवाल के काम रोकने में लगाते हैं। मेरा स्ळ साहब से हाथ जोड़ कर निवेदन है कि दिल्ली की महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान दें। आज दिल्ली में महिलाएं बिलकुल भी सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय लड़की की उसके प्रेमी ने चाकू मारकर हत्या कर दी, आरोपी की पहचान 20 वर्षीय साहिल के रूप में हुई है। साहिल और मृतक के बीच संबंध थे लेकिन कल उनका झगड़ा हो गया। मृतक अपनी दोस्त के बेटे के जन्मदिन में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे रोका, उस पर चाकू से कई बार वार किया।

पीएम मोदी ने किया नए संसद भवन का उद्घाटन, लोकसभा भवन स्थापित किया सेंगोल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए संसद भवन का उद्घाटन वैदिक विधि विधान और सर्व धर्म प्रार्थना के साथ किया। पीएम मोदी ने 'सेंगोल' भी स्थापित किया। इस दौरान पीएम के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद थे। हांलाकि राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति की गैरमौजूदगी विपक्ष दलों को पहले से ही खल रही थी। बता दें कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित 20 विपक्षी दलों ने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया है। वहीं भाजपा के साथ ही बीजू जनता दल, तेलुगुदेशम, बसपा और वाईएसआरसीपी जैसी पार्टियों ने इस समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट और 75 रुपये का सिक्का जारी किया। उन्होंने नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में आयोजित उद्घाटन समारोह में सिक्का और डाक टिकट जारी किया। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सिक्के का वजन 34.65 ग्राम से 35.35 ग्राम के बीच होगा। अधिसूचना में कहा गया कि सिक्के के एक तरफ बीच में अशोक स्तंभ की छवि होगी, जिसके एक ओर देवनागरी लिपि में 'भारत' जबकि दूसरी ओर अंग्रेजी में 'इंडिया' लिखा होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को संसद के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद विश्वास जताया कि यह भव्य इमारत जन-जन के सशक्तीकरण के साथ ही, राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को नई गति एवं शक्ति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अविस्मरणीय है।

सुरक्षा | सीडीएस ने कहा मणिपुर हिंसा सिर्फ जातिय संघर्ष, उग्रवाद नही

मणिपुर की इनसाइड स्टोरी में चीन की एंट्री, नित नये हो रहे खुलासे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- मणिपुर में हो रही हिंसा को लेकर नित नए खुलासे हो रहे हैं। अब तो मणिपुर की इनसाइड स्टोरी में चीन की भी एंट्री हो गई है। नतीजा, सेना प्रमुख मनोज पांडे को मणिपुर आकर घटना का जायजा लेना पड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मणिपुर में कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के अलावा वहां के विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के विश्वस्त सूत्रों ने तीन प्वाइंट में मणिपुर की जो इनसाइड स्टोरी बताई है, वह हैरान करने वाली है। सेना, असम राइफल और सीएपीएफ के पहुंचने के बाद भी वहां पर कट्टरपंथी समूहों की 'निजी सरकार' कैसे चलती रही। जहां पर सुरक्षा बल तैनात होने थे, वहां गाड़ियों की चेकिंग निजी समूह कर रहे थे। मणिपुर के पुलिस कमांडो पर यह आरोप लग गए कि वह एक किसी समूह का साथ दे रहे हैं। बटालियनों और पुलिस थानों में से दो हजार से ज्यादा घातक हथियार लूट लिए जाते हैं। महज दो सप्ताह के भीतर मणिपुर में रेडिकलाइजेशन के जरिए नए कट्टरपंथी समूह खड़े हो गए हैं।

पहला प्वाइंट:- मणिपुर में मौजूद सीएपीएफ के एक अधिकारी का कहना है, हिंसा को लेकर किसी एक कारण को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सिलसिलेवार तरीके से देखेंगे तो कई बातें पता चलेंगी। मणिपुर में तीन मई से हिंसा की शुरुआत हुई। 48 घंटे के भीतर वहां पर सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बल पहुंच गए। इसके बावजूद इंफाल और पहाड़ के कुछ हिस्सों पर जबरदस्त हिंसा हुई। मणिपुर में सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद कुकी और मैतेई समुदाय के लोग कानून को अपने हाथ में लेकर चल रहे थे। दोनों ही जगहों पर निजी नाके लगा दिए गए। यानी जो काम पुलिस या सुरक्षा बलों का होता है, वह ड्यूटी कुकी और मैतेई समुदाय से जुड़े लोग या कट्टरपंथी समूह कर रहे थे। वाहन रोक कर यह पता लगाया जा रहा था कि उनमें विरोधी समूह के लोग तो नहीं सवार हैं। लोगों के परिचय पत्र चेक किए जा रहे थे। ऐसे कई स्थानों पर झड़प हुई और वाहन जलाए गए। म्यांमार बॉर्डर से लगते जिलों में तो ऐसे कई निजी नाके लगे हुए थे। उपद्रवियों ने इंफाल में रोड ब्लॉक कर सुरक्षा बलों को आगे ही नहीं बढ़ने दिया। इसके चलते मणिपुर के पहाड़ी एवं मैदानी इलाकों में हिंसा बढ़ती चली गई।

दूसरा प्वाइंट:- हिंसा शुरु होने के बाद उपद्रवियों ने करीब डेढ़ दर्जन पुलिस थानों से हथियार लूट लिए। ध्यान रहे कि उस वक्त राज्य में सेना व अर्धसैनिक बल मौजूद थे। शुरू में लूटे गए हथियारों की संख्या 375 थी। सीआरपीएफ के कैंपों को भी नुकसान पहुंचाया गया। उपद्रवियों की हिंसा में सीआरपीएफ कोबरा के एक जवान की मौत हो गई।

गंगा में मेडल बहाने के लिए हरिद्वार में हर की पौड़ी पर पहुंचे पहलवान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना देने वाले पहलवान पुलिस से झड़प के बाद मंगलवार शाम 6 बजे हरिद्वार में अपने मेडल गंगा में प्रवाहित करेंगे। वे इसके लिए हरिद्वार पहुंच गए हैं। इनमें साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट शामिल हैं। ये पहलवान बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे। रविवार को पुलिस से हुई झड़प के बाद इन्हें पुलिस ने पहले जंतर-मंतर पर हिरासत में ले लिया था और बाद में छोड़ दिया था। इसके बाद पहलवानों ने अपने मेडल गंगा में प्रवाहित करने का ऐलान किया था।

पहलवान साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मेडल्स गंगा में प्रवाहित करने के बाद इंडिया गेट पर आमरण अनशन करेंगे। साक्षी ने लिखा- हमने पवित्रता से इन मेडल को हासिल किया था। इन मेडल को पहनाकर तेज सफेदी वाला तंत्र सिर्फ अपना प्रचार करता है। फिर हमारा शोषण करता है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को नहीं लौटाएंगे, क्योंकि उन्होंने हमारी कोई सुध नहीं ली। इस बीच, बृजभूषण शरण सिंह ने 5 जून को अयोध्या में महारैली बुलाई है। इसमें संत भाग लेंगे। बृजभूषण और संतों का कहना है कि पॉक्सो एक्ट का फायदा उठाकर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है।

अस्थमा

सांस संबंधी बीमारी का आयुर्वेद में इलाज

अस्थमा एक क्रोनिक सूजन की बीमारी है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख चिंता बनती जा रही है। भारत में अस्थमा कुल वैश्विक अस्थमा का लगभग 12.9 प्रतिशत है। 2019 के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक अस्थमा से होने वाली मौतों में से 42.3 प्रतिशत मौतें अपने यहां होती है। आयुर्वेद अस्थमा के मरीजों को सांस लेने की समस्याओं को बहुत ही प्रभावी तरीकों से ठीक करने में मदद कर सकता है। आयुर्वेद के एंटीइंफ्लेमेटरी सामग्री का उपयोग बार-बार होने वाली अस्थमा की समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि इसके लिए एक्सपर्ट की सलाह ज़रूरी है ताकि एक्सपर्ट मरीज़ को बता सके कि आयुर्वेद का कौन सा घटक उन्हे सांस की बीमारी से राहत प्रदान कर सकता है।

अस्थमा क्या है?

जब किसी व्यक्ति के वायुमार्ग में बलगम का जमाव हो जाता है तो उसे अक्सर अस्थमा कहा जाता है। यह बलगम ठंडा होता है। इसकी वजह से वायुमार्ग में सूजन, संकुचन और सूजन हो जाती है, जिससे वायुमार्ग ब्लॉक हो जाता है

और सांस लेने में बहुत मुश्किल होने लगती है। आयुर्वेद में अस्थमा को तमाका स्वास के नाम से वर्णित किया गया है और इसे वात और कफ दोष का असंतुलन माना जाता है। आयुर्वेद मे कहा गया है कि जीवन शैली और मौसमी परिवर्तनों के अनुरूप मेटाबॉलिज्म विषाक्त पदार्थों या अमा के इकट्ठा होने से यह बीमारी होती है। अस्थमा के मरीजों में दिखाई देने वाले प्राथमिक लक्षण खांसी, सीने में जकड़न, घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ हैं। अस्थमा के बढ़ते मामले प्रदूषण, खराब मौसम की स्थिति आदि सहित कई फैक्टर की वजह से हो सकता है। अस्थमा धूल, धूम्रपान, ठंडी हवा, एक्सरसाइज़ और तनाव से भी हो सकता है।

अस्थमा और आयुर्वेद

आयुर्वेद केवल लक्षणों को ही ठीक नहीं करता है बल्कि यह किसी भी बीमारी के मूल कारण का इलाज करता है। आयुर्वेद अस्थमा के मरीजों को बहुत ज्यादा लाभ पहुंचा सकता है। चूंकि अस्थमा एक इंफ्लेमेटरी बीमारी है, इसलिए इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्वों के सेवन करने की आवश्यकता होती है।

लहसुन और करक्यूमिन ऐसे तत्व हैं जिनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होता है। ये अस्थमा को बढ़ावा देने वाले बलगम से निजात दिलाने में मदद करते हैं। गौरतलब है कि लहसुन और करक्यूमिन की प्रकृति गर्म होती है। इन सामग्रियों का सेवन करने पर ठंडे प्रकृति वाले बलगम के संपर्क में आ जाते हैं और जिससे बलगम पिघल जाता हैं। इस कारण से सूजन कम हो जाती है और फेफड़े के वायुमार्ग साफ हो जाते हैं और अस्थमा का इलाज़ हो जाता है। अस्थमा के मरीज़ इन सामग्रियों को तेल, कैप्सूल और टैबलेट के रूप में कई अन्य तरीकों से भी खा सकते हैं।

अदरक में एक निश्चित तीखापन होता है जो न केवल गले से बलगम को साफ करने में मदद करता है बल्कि अस्थमा के मरीज़ को होने वाली जलन या खरोंच को भी शांत करता है। अदरक के घटक वायुमार्ग की चिकनी मांसपेशियों को आराम देते हैं। अदरक एक पारंपरिक सुपरफूड है और इसका उपयोग 5,000 से ज्यादा सालों से विभिन्न दवाओं और इलाजों के लिए किया जाता रहा है। अस्थमा के मरीज़ अदरक के पाउडर को गुड़ के साथ भिगो कर या चाय में मिलाकर पी सकते हैं। अदरक और गुड़ के मिश्रण को सुबह खाली पेट लिया जा सकता है। दोनों सामग्रियां सांस से संबंधित कई समस्याओं को ठीक करने के लिए मददगार हैं और लंबे समय तक इनका असर रहता है।

तुलसी आयुर्वेद में एक लोकप्रिय जड़ी बूटी है और लगभग हर भारतीय घर में यह उपलब्ध होती है। तुलसी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीवायरल और एंटी बैक्टिरियल गुण होते हैं जो न केवल संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं बल्कि शरीर की श्वसन प्रणाली को भी मजबूती प्रदान करते हैं। जिंक, और विटामिन सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, चाय के साथ तुलसी का सेवन या शहद के साथ तुलसी के पत्तों के रस का सेवन अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, इन्फ्लूएंजा, खांसी और सर्दी से पीड़ित मरीजों को राहत दे सकता है।

कालमेघ एक और आयुर्वेदिक तत्व है जो कई तरह के सांस से सम्बंधित बीमारियों के इलाज में योगदान देता है। कालमेघ में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीवायरल, एंटी बैक्टीरियल, और एंटी ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मज़बूत बनाता है।

वसाका एक और ऐसा ही तत्व या कहें कि है जो अस्थमा के मरीजों को राहत प्रदान करता है। यह आयुर्वेद में उपयोग किया जाने वाला एक सामान्य घटक है और श्वसन प्रणाली के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। अस्थमा के अलावा यह ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के अन्य बीमारियों के इलाज में मदद करता है।

डॉ अमित देशपांडे

यूएन रिपोर्ट

मातृ मृत्यु, मृत शिशु के जन्म, नवजात की मौत के मामले में भारत की स्थिति सबसे खराब

दुनियाभर में प्रसव के दौरान महिलाओं की मौत, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात शिशुओं की मौत होने के 60 प्रतिशत मामले 10 देशों में पाए गए हैं और इस सूची में भारत की स्थिति सबसे खराब है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर शिशुओं के जन्म के 51 प्रतिशत मामले जिन 10 देशों में दर्ज किए गए हैं, उनकी सूची में भी भारत शीर्ष पर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में प्रकाशित इन आंकड़ों को अंतरराष्ट्रीय मातृ नवजात स्वास्थ्य सम्मेलन (आईएमएनएचसी 2023) के दौरान मंगलवार को जारी किया गया। इन आंकड़ों के अनुसार, 2020-2021 में प्रसव के दौरान दो लाख 90 हजार महिलाओं की मौत हुई, 19 लाख मृत शिशुओं का जन्म हुआ और 23 लाख नवजात शिशुओं की मौत हुई, यानी वैश्विक स्तर पर कुल 45 लाख मौत हुईं, जिनमें से भारत में मृतक संख्या 7,88,000 रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान दुनिया भर में पैदा हुए बच्चों में से 17 प्रतिशत शिशुओं का जन्म भारत में हुआ और यह भी मौत की अधिक संख्या का कारण हो सकता हे।

रिपोर्ट के अनुसार, मातृ मृत्यु, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात की मौत संबंधी इस सूची में भारत के बाद नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, बांग्लादेश और चीन का नंबर है। उप-सहारा अफ्रीका और मध्य एवं दक्षिणी एशिया ऐसे क्षेत्र हैं जहां इस तरह की मौत के मामले में स्थिति सबसे खराब है, लेकिन वैश्विक 2030 के लक्ष्यों को हासिल करने को लेकर हर देश के प्रयास की गति अलग है।

अब तक की पहली संयुक्त प्रत्एक नवजात कार्य योजना (ईएनएपी) और रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु दर समाप्ति (एंडिंग प्रिवेंटेबल मैटरनल मॉर्टेलिटी) (ईपीएमएम) रिपोर्ट के अनुसार, गर्भवती महिलाओं, माताओं और शिशुओं की मृत्यु के मामलों को कम करने की दिशा में वैश्विक प्रगति मातृ एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में घटते निवेश के कारण आठ वर्षों से स्थिर रही है।

डब्ल्यूएचओ में मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य संबंधी मामलों की निदेशक डॉ अंशु बनर्जी ने कहा, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की दुनिया भर में उच्च दर से मौत हो रही है, जो अस्वीकार्य है और कोविड महामारी ने उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने की दिशा में स्कावटें पैदा की हैं। उन्होंने कहा अलग परिणाम देखने के लिए हमें चीजों को अलग तरह से करना होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल में निवेश बढ़ाना होगा क्योंकि ऐसा करने से हर महिला और बच्चे के लिए स्वास्थ्य और जीवित रहने के अवसर बढ़ेंगे।

सर्वे

जीएमओ और जीन-संपादित खाद्य पदार्थों में नया क्या है?

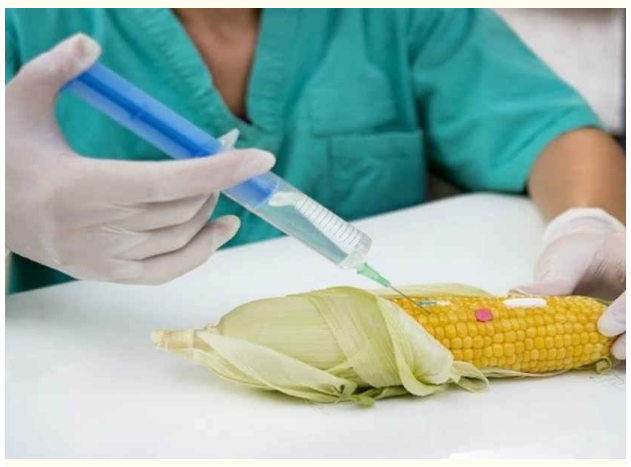

जेनेटिक इंजीनियरिंग में हुई प्रगति ने खाद्य पदार्थों के एक नए युग को जन्म दिया है, जिसमें आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव (जीएमओ) और जीन-संपादित खाद्य पदार्थ शामिल हैं। यह हमारे खाने के तरीके में क्रांति लाने का दम भरता है। आलोचकों का तर्क है कि ये खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। इसके समर्थक पैदावार बढ़ाने, भोजन की बर्बादी को कम करने और यहां तक कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने की इनकी क्षमता की ओर इशारा करते हैं।

जीएमओ और जीन-संपादित खाद्य पदार्थ क्या हैं? और वे हमारी खाद्य प्रणालियों के भविष्य को कैसे आकार दे रहे हैं?

जीएमओ और जीन-संपादित खाद्य पदार्थ समान नहीं

जीएमओ ऐसे जीव हैं जिनकी आनुवंशिक सामग्री को विदेशी डीएनए का एक हिस्सा डालकर कृत्रिम रूप से बदल दिया गया है। यह डीएनए मूल रूप से सिंथेटिक हो सकता है या अन्य जीवों से प्राप्त किया जा सकता है।

जीन संपादन में विदेशी डीएनए तत्वों के एकीकरण के बिना किसी जीव के जीनोम में सटीक परिवर्तन करना शामिल है। क्रिस्पराकैस जैसी तकनीकों का उपयोग करते हुए, वैज्ञानिक नई आनुवंशिक भिन्नता बनाने के लिए डीएनए में सटीक कटौती कर रहे हैं। जीएमओ के विपरीत, यह केवल मामूली संशोधन करता है, जो प्राकृतिक उत्परिवर्तनों से अप्रभेद्य हैं।

हालांकि जीएमओ और जीन-संपादित खाद्य पदार्थ लगभग तीन दशकों से चलन में हैं, इस क्षेत्र में अनुसंधान से लगातार सफलताएं मिल रही हैं। इन प्रौद्योगिकियों को भोजन में बेहतर पोषण से लेकर भोजन की बर्बादी को कम करने और जलवायु तनाव के खिलाफ फसल सहनशीलता में वृद्धि करने जैसे कई प्रकार के लाभ प्रदान करने के लिए लागू किया जा रहा है।

चिंताएं क्या हैं?

जीएमओ की प्रमुख आलोचनाएं विशिष्ट शाकनाशियों के अति प्रयोग से संबंधित हैं। जीएमओ का उपयोग मुख्य रूप से उन फसलों के उत्पादन के लिए किया जाता है जो शाकनाशी-प्रतिरोधी हैं या कीटनाशकों का उत्पादन करती हैं। किसान तब उन फसलों पर शाकनाशियों का उपयोग कर सकते हैं, जो खरपतवारों को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं। इससे कम भूमि पर अधिक पैदावार होती है, और अक्सर समग्र रूप से कम रसायनों का उपयोग होता है। हालांकि, ये फसलें लैब में बने रसायनों के इस्तेमाल पर निर्भर करती हैं। और यद्यपि सरकार उन्हें नियंत्रित करती है, नैतिक और सुरक्षा संबंधी बहस जारी रहती है। लोग संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों, जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र पर प्रभाव और कृषि पर बढ़ते कॉरपोरेट नियंत्रण पर चिंता जताते हैं। चिंताएं आमतौर पर पौधों के डीएनए के वास्तविक हेरफेर से संबंधित नहीं होती हैं।

क्या अनुवांशिक संशोधन ही असुरक्षित है?

जब हम खाने वाले भोजन की बात करते हैं, तो हम वास्तव में उसके डीएनए के बारे में कितना जानते हैं? यहां तक कि जीनोम-सीक्वेंसिंग की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों में से अधिकांश के पास केवल एक या कुछ अनुक्रमित संदर्भ किस्में होती हैं, और ए अक्सर उन पौधों जैसी नहीं होती हैं जिन्हें हम खाते हैं। तथ्य यह है कि हम वास्तव में उन कई पौधों और जीवों के जीनोम को नहीं समझते हैं जिन्हें हम खाते हैं। इसलिए यह सुझाव देने का कोई कारण नहीं है कि उनके जीन अनुक्रमों को बदलने से खपत हानिकारक हो जाएगी। इसके अलावा, वर्तमान में कोई सबूत नहीं है कि नियामक-अनुमोदित जीएमओ या जीन-संपादित खाद्य पदार्थ मानव उपभोग के लिए सुरक्षित नहीं हैं।

जागरुकता

सौंफ का पानी घटाए मोटापा

सौंफ एक प्राकृतिक डिटॉक्सिफायर है यही कारण है कि अक्सर भोजन के ठीक बाद इसका सेवन किया जाता है। यह आपके शरीर से विभिन्न विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के साथ पाचन तंत्र को मजबूती भी देता है। गर्मियों में पाचन तंत्र को ठीक रखने के लिए सौंफ की ठंडाई का सेवन किया जाता है। पेट ठीक रहने का सीधा असर वजन पर पड़ता है।

सौंफ के बीज फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और खनिजों का एक समृद्ध स्रोत होते हैं, जो फैट बर्न करने में मदद कर सकते हैं। सौंफ के बीज डाइजेशन और मेटाबॉलिज्म को भी ठीक रखने में सहायक हैं, जिससे भोजन से पोषक तत्वों शरीर को मिलते हैं और भूख कम लगती है।

एक चम्मच सौंफ को रात भर के लिए एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह सबसे पहले इस पानी का सेवन करें। सौंफ का पानी, पेट भरे रहने का एहसास कराता है जिससे ज्यादा खाने की इच्छा नहीं होती है और वजन को आसानी से कम किया जा सकता है।

सौंफ में एंटी बैक्टीरियल और एंटी ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो कि मुंहासों को पनपने नहीं देते। सौंफ में मौजूद एसेंशियल ऑयल शरीर से टॉक्सिन निकालकर खून साफ करने में सहायक होते हैं। टिश्यूज को एनर्जी देने में मेटाबॉलिज्म की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सौंफ मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद कर सकता है, खासकर खाली पेट इसका सेवन शरीर के लिए और भी फायदेमंद माना जाता है।

शरीर ठंडा रखे, हीट स्ट्रोक से बचाए

गर्मियों में सौंफ शरीर का तापमान ठंडा रखता है और हीट स्ट्रोक से बचाता है। सौंफ में मूत्रवर्धक गुण होते हैं, इस प्रकार सौंफ की चाय या सौंफ का पानी पीने से शरीर से अतिरिक्त पानी बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

सौंफ में जिंक, फास्फोरस, सेलेनियम और मैगनीज जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा सौंफ में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट, शरीर को मुक्त कणों से सुरक्षित रखते हैं। मुक्त कण शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस पैदा करते हैं, जिससे मोटापा और कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं।

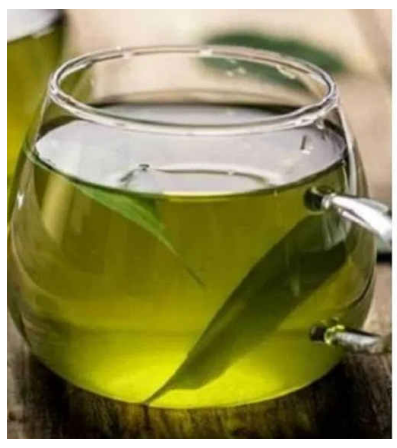

कैसे बनाएं सौंफ का पानी

एक बड़ा चम्मच सौंफ लें और उसे दो गिलास पानी में डाल दें। चुटकी भर हल्दी को भी उसमें मिलाकर रात भर के लिए ढंककर रख दें। सुबह उस पानी में से एक गिलास पानी निकालकर उबाल लें और ठंडा कर एक साथ पिएं या फिर घूंट-घूंट पूरे दिन पीते रहें।

टिप्स

गर्म पानी पीने के फायदे-नुकसान

फायदे

कब्ज से राहत- हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

वजन घटाने के लिए- भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख भी नहीं लगती।

पाचन तंत्र में सुधार- पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

नुकसान

किडनी पर असर- शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

नींद पर असर- रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होती है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन- एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

सावधानी ही बचाव

हाथ धोने से संक्रमण रोकने और डायरिया से बचने में मिल सकती है मदद

किसी भी बीमारी में रोकथाम इलाज का ही एक हिस्सा हो सकता है। महामारी के मुश्किल समय में हमने इसे महसूस भी किया क्योंकि इस दौरान कोरोना से बचने के लिए अच्छी तरह से हाथ धोना एक ऐसा उपाय था, जिससे कोरोना महामारी से बचा जा सकता था। सरकार और हेल्थकेयर आर्गेनाइजेशन द्वारा इस उपाय को अमल में लाने के लिए लोगों को काफी प्रोत्साहित किया गया। दुनिया के अधिकांश देशों में साफ़-सफाई अभी भी एक बहुत बड़ी समस्या है। इसी कारण से डब्ल्यूएचओ ने वाश (वाटर, सैनिटेशन और हाइजीन) को सभी के लिए एक मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है और इसे दुनिया के लिए बनाए गए सतत विकास लक्ष्यों में शामिल किया है।

भारत में वाश की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, लेकिन अभी भी इसमें सुधार और जागरूकता बढ़ाने की बहुत ज्यादा गुंजाइश है। 2010 से 2013 के दौरान भारत में दस्त जैसी बीमारियों के कारण सभी आयु समूहों में 7.5 प्रतिशत मौतें दर्ज की गईं, जबकि 2019 में देश में एक्यूट डायरिया बीमारी के 1.32 करोड़ से ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए थे। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि प्रभावी निवारक उपायों जैसें कि हाथ धोने जैसी स्वच्छता आदतों को अमल में लाना कितना जरूरी है।

हाथों का उपयोग लगभग रोजमर्रा के हर एक काम में किया जाता है। इसलिए हाथों को अच्छे से धोना अच्छी स्वच्छता बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। स्वच्छता होने से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। जाने-अनजाने हम बहुत सारे कीटाणुओं के संपर्क में आ जाते हैं और ये डायरिया जैसी तकलीफदेह बीमारी के साथ-साथ कई संक्रमणों को भी जन्म दे देते हैं। निमोनिया, डायरिया और कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए हाथ धोना सबसे पॉकेट-फ्रेंडली तरीका है। हाथों से हम भोजन तैयार करते हैं, खाते हैं, सार्वजनिक स्थानों को छूते हैं, और उन चीजों को छूते और संभालते हैं जिन्हें पहले कई लोग छुए या संभालते थे, घावों का इलाज करते हैं, बीमार व्यक्ति की देखभाल करते हैं और इसी तरह के अपने हाथों से बहुत कुछ काम करते हैं। महामारी के कारण हाथ धोने के महत्व के बारे में लोगों को जानकारी मिली, लेकिन हमने इसे गंभीरता से नही लिया है या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है। यूनिसेफ के अनुसार, लोग, विशेषकर पुरुष, स्वच्छता सुविधाओं का लगातार उपयोग नहीं करते हैं। इस दिशा में बड़े पैमाने पर सुधार के लिए जागरूकता फैलाने के लिए प्रभावशाली राजनीतिक समर्थन और आदत में बदलाव की सख्त जरूरत है।

हाथ धोना

डायरिया के लिए साल्मोनेला, नोरोवायरस और ई-कोलाई ओ157 जैसे रोगाणु जिम्मेदार होते हैं। ये लोगों या जानवरों के मल में ज्यादा पाए जाते हैं। इन रोगाणुओं में हाथ, पैर और मुंह की बीमारी और एडेनोवायरस जैसे सांस से सम्बंधित संक्रमण फैलाने की क्षमता होती है। रोगाणु आसानी से लोगों के हाथों में आ सकते हैं और शौचालय का उपयोग करते समय या कोई अन्य गतिविधि करते समय फैल सकते हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार, समाज में हाथ धोने की जागरूकता कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में डायरिया की समस्या को लगभग 58 प्रतिशत तक कम करने में मदद कर सकती है। हर साल 5 साल से कम उम्र के करीब 18 लाख बच्चे डायरिया और निमोनिया की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं।

साफ़-सफाई बनाए रखना

हाथ धोने में लगने वाले समय और किस समय हाथ धोना चाहिए, इसे समझना बहुत जरूरी है। इस संदेश को ज्यादा से ज्यादा फैलाने के लिए घर और समाज में हाथ की स्वच्छता के बारे में जागरूकता लागू करने की आवश्यकता है। दूर-दराज के क्षेत्रों एवं शिक्षण संस्थानों में हाथ धोने के संसाधनों के साथ स्वास्थ्य प्रचार सामग्री को बांटना चाहिए। संसाधन के अन्तर्गत साबुन, सैनिटाइजर एवं अन्य सामग्री आती है। 15 अक्टूबर ग्लोबल हैंडवाशिंग डे है। इस दिन हाथों की स्वच्छता के महत्व को बताने के लिए स्कूलों में पोस्टर बनाने आदि जैसी कई गतिविधियां और रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में व्यक्ति वीडियो, रचनात्मक अभियान, सोशल मीडिया हैशटैग, पॉडकास्ट और अन्य चीजों के जरिये जागरूकता को बढ़ावा दे सकता है ताकि इस नेक काम से लाखों लोगों की ज़िन्दगी बच सके।

डॉ. अनुराग सक्सेना

प्रदर्शनकारी पहलवानों ने कहा, गंगा में बहा देंगे पदक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए और जंतर-मंतर में धरना स्थल से हटाए गए देश के शीर्ष पहलवानों ने मंगलवार को कहा कि वे कड़ी मेहनत से जीते अपने पदक गंगा नदी में बहा देंगे और इंडिया गेट पर आमरण अनशन पर बैठेंगे। रियो ओलंपिक 2016 की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक बयान में कहा कि पहलवान मंगलवार को शाम छह बजे पदकों को पवित्र नदी में प्रवाहित करने के लिए हरिद्वार जाएंगे। साक्षी ने बयान में कहा, पदक हमारी जान हैं, हमारी आत्मा हैं। हम इन्हें गंगा में बहाने जा रहे हैं क्योंकि वह गंगा मां है। इनके गंगा में बहने के बाद हमारे जीने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा इसलिए हम इंडिया गेट पर आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे। साक्षी की साथी पहलवान विनेश फोगाट ने भी इस बयान को शेयर किया। मंगलवार को हरिद्वार में गंगा दशहरा है और संभवतः एक ऐसा दिन जब बड़ी संख्या में लोग वहां पूजा करने आएंगे। साक्षी ने कहा, जितना पवित्र हम गंगा को मानते हैं उतनी ही पवित्रता से हमने मेहनत करके इन पदकों को हासिल किया था। ए पदक सारे देश के लिए ही पवित्र हैं और पवित्र पदक को रखने की सही जगह पवित्र मां गंगा ही हो सकती है, ना कि हमें मुखौटा बना फायदा लेने के बाद हमारे उत्पीड़क के साथ खड़ा हो जाने वाला हमारा अपवित्र तंत्र। उन्होंने कहा, इंडिया गेट हमारे उन शहीदों की जगह है जिन्होंने देश के लिए अपनी देह त्याग दी। हम उनके जितने तो पवित्र नहीं हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए हमारी भावना भी उन सैनिकों जैसी ही थी। साक्षी ने कहा कि तंत्र ने उत्पीड़क को पकड़ने की जगह पीड़ितों को डराने और विरोध रोकने का प्रयास किया। पहलवानों को लगता है कि पदक की कोई कीमत नहीं है और इन्हें वापस करना चाहते हैं। उन्होंने इच्छा जताई कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे का हल निकालते। साक्षी ने कहा, ए पदक अब हमें नहीं चाहिए क्योंकि इन्हें पहनाकर हमें मुखौटा बनाकर यह तंत्र सिर्फ अपना प्रचार करता है और फिर हमारा शोषण करता है। हम उस शोषण के खिलाफ बोलें तो हमें जेल में डालने की तैयारी कर लेता है। रविवार को दिल्ली पुलिस ने साक्षी के साथ विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता विनेश फोगाट और एक अन्य ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया को हिरासत में लिया और बाद में उनके खिलाफ कानून और व्यवस्था के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज की। जंतर-मंतर पर ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को दिल्ली पुलिस ने जबरदस्ती बस में डाला जब रविवार को पहलवानों और उनके सामर्थकों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला महापंचायत के लिए नए संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश की। पहलवानों को नए संसद भवन की ओर बढ़ने की अनुमति नहीं थी। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका उद्घाटन करना था और पुलिस ने जब पहलवानों और उनके समर्थकों को रोका तो उनके बीच धक्का-मुक्की भी हुई। विरोध करने वाले पहलवानों और उनके समर्थकों को राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया और बाद में रिहा कर दिया गया। पहलवानों को बसों में डालने के बाद पुलिस अधिकारियों ने धरना स्थल पर मौजूद चारपाई, गद्दे, कूलर, पंखे और तिरपाल की छत सहित अन्य सामान को हटा दिया। साक्षी ने कहा कि महिला पहलवानों को लगता है कि इस देश में उनके लिए अब कुछ नहीं बचा है। उन्होंने कहा, हमें वे पल याद आ रहे हैं जब हमने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप में पदक जीते थे। अब लग रहा है कि क्यों जीते थे। क्या इसलिए जीते थे कि तंत्र हमारे साथ ऐसा घटिया व्यवहार करे। हमें घसीटे और फिर हमें ही अपराधी बना दे। साक्षी ने कहा, पुलिस ने हम लोगों के साथ क्या व्यवहार किया। हमें कितनी बर्बरता के साथ गिरफ्तार किया गया। हम शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। हमारे आंदोलन की जगह को भी पुलिस ने तहस-नहस कर हमारे से छीन लिया और अगले दिन गंभीर मामलों में हमारे खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। उन्होंने कहा, क्या महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन उत्पीड़न के लिए न्याय मांगकर कोई अपराध कर दिया है। पुलिस और तंत्र हमारे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। जब वास्तविक उत्पीड़क हमारे ऊपर फब्तियां कस रहा है। टीवी पर महिला पहलवानों को असहज कर देनी वाली घटनाओं को कबूल करके उनको ठहाकों में तब्दील कर रहा है।

एक नजर

श्रीनिवासन ने धोनी से कहा, सिर्फ आप ही चमत्कार कर सकते हो

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष और चेन्नई सुपरकिंग्स की मालिक इंडिया सीमेंट्स के उपाध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल में अंतिम गेंद पर अपनी टीम की रोमांचक जीत को चमत्कार करार दिया और कहा कि दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में ही ऐसा कुछ हो सकता है। श्रीनिवासन ने मंगलवार सुबह सुपरकिंग्स के कप्तान धोनी से बात की और इस शानदार जीत के लिए उन्हें और उनकी टीम को बधाई दी। धोनी को श्रीनिवासन के संदेश को विशेष तौर पर पीटीआई के साथ साझा किया गया। श्रीनिवासन ने धोनी से कहा, शानदार कप्तान। आपने करिश्मा कर दिया। आप ही ऐसा कर सकते हैं। हमें खिलाड़ियों और टीम पर गर्व है। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में लगातार मुकाबलों के बाद धोनी को आराम करने की सलाह दी और जीत का जश्न मनाने के लिए उन्हें टीम के साथ चेन्नई आने के लिए आमंत्रित किया। श्रीनिवासन ने कहा, यह सत्र ऐसा रहा है जहां प्रशंसकों ने दिखाया है कि वे महेंद्र सिंह धोनी से कितना प्यार करते हैं। हम भी करते हैं। सोमवार रात अहमदाबाद में हुए फाइनल में सुपरकिंग्स ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीता।

हार्दिक पंड्या डब्ल्यूटीसी फाइनल मे भारत के लिए अहम योगदान दे सकते थेः पोंटिंग

दुबई। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत को लंदन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए हार्दिक पंड्या को अपनी टीम में शामिल करना चाहिए था क्योंकि यह ऑलराउंडर इस मुकाबले में निर्णायक भूमिका निभा सकता था। पंड्या ने 2018 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है और उन्होंने फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण पांच दिवसीय प्रारूप में नहीं खेलने का फैसला किया है। पोंटिंग को हालांकि लगता है कि पंड्या सात से 11 जून तक द ओवल में होने वाले खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते थे। मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि उन्होंने हाल ही में समाप्त हुए इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के लिए लगभग प्रत्एक मैच में गेंदबाजी की। पंड्या टाइटंस के कप्तान हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू के लिए लिखा, ...मैंने सोचा कि भारत के लिए इस एकमात्र टेस्ट मैच में हार्दिक पंड्या जैसा कोई खिलाड़ी कितना अहम हो सकता था। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वह आधिकारिक तौर पर कह चुका है कि टेस्ट मैच में खेलना शायद उसके शरीर के लिए थोड़ा कड़ा है। लेकिन सिर्फ एक मैच के लिए.... वह आईपीएल में प्रत्एक मैच में गेंदबाजी कर रहा था

अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 का फाइनल क्रिकेट मैच जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी और टीम के साथी रवींद्र जडेजा ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

समीर, किरण, अश्मिता थाईलैंड ओपन के मुख्य ड्रा में

एजेंसी ■ बैंकॉक

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी समीर वर्मा, किरण जॉर्ज और अश्मिता चालिहा ने मंगलवार को यहां क्वालीफाइंग दौर में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर सीधे गेम में जीत से थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट की एकल स्पर्धा के मुख्य ड्रा में प्रवेश किया। वापसी कर रहे समीर ने पहले दो मैच में वॉकओवर - इंडोनेशिया के क्रिस्टियन एडिनाटा और स्पेन के लुईस एनरिक पेनालवर - मिलने के बाद मलेशिया के यियोह सेंग जो को 21-12, 21-17 से पराजित किया। हाल में स्लोवेनिया ओपन जीतने वाले 28 साल के समीर का सामना मुख्य ड्रा के शुरुआती दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहाननेसन से होगा। वहीं 2022 ओडिशा ओपन विजेता किरण ने साथी भारतीय कार्तिकेय गुलशन कुमार को 21-14, 21-18 से हराने के बाद कोरिया के जियोन हेयोक जिन को 21-10, 21-14 से पराजित किया। अब वह बुधवार को तीसरे वरीय चीन के शि युकी से भिड़ेंगे। महिला एकल में अश्मिता चालिहा ने साथी भारतीय उन्नति हुड्डा को 21-16, 13-21, 21-19 और एस्तोनिया की क्रिस्टिन कुबा को 21-19, 21-11 से शिकस्त दी। असम की यह खिलाड़ी मुख्य ड्रा के पहले मुकाबले में हमवतन मालविका बंसोड के सामने होंगी। अन्य खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपियन बी साई प्रणीत और राष्ट्रीय चैम्पियन मिथुन मंजूनाथ को मुख्य ड्रा में प्रमोट किया गया। प्रणीत का सामना फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा और मंजूनाथ की भिड़ंत दूसरे वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण से होगी।

प्रो लीग के बाकी मैचों के लिए पूरी तरह तैयार हैं : हरमनप्रीत सिंह

एजेंसी ■ लंदन

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां भारतवंशियों के एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी टीम एफआईएच प्रो लीग के आगामी मैचों के लिए पूरी तरह तैयार है। हरमनप्रीत के साथ पूरी टीम और कोच क्रेग फुल्टन यहां भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मौजूद थे। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग तालिका में अभी ग्रेट ब्रिटेन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारत का सामना शुक्रवार को बेल्जियम से होगा और शनिवार को टीम ग्रेट ब्रिटेन से खेलेगी। हरमनप्रीत ने कहा , हम यहां 2017 में आए थे और अब इतने साल बाद आकर अच्छा लग रहा है। प्रो लीग मैचों में प्रदर्शन अच्छा रहा है और हम बाकी मैचों के लिए तैयार है। हम सभी से टीम के समर्थन के लिए मैच देखने आने का अनुरोध करते हैं। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कहा , भारतीय पुरूष हॉकी टीम का स्वागत करना गर्व की बात है। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है और इस टीम में भारत के सभी हिस्सों के खिलाड़ी है।पंजाब के खिलाड़ी अधिक हैं लेकिन भारत के दूसरे हिस्सों के खिलाड़ियों को भी इस जोश के साथ खेलते देखकर अच्छा लग रहा है।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद क्या मोहित कर सकते हैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मोहित शर्मा पिछले साल गुजरात टाइटन्स के नेट गेंदबाज थे और इस साल यह 34 साल का तेज गेंदबाज टीम को लगातार दूसरे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब के करीब ले गया जिससे हाल में समाप्त हुए 2023 सत्र में उनकी वापसी की दास्तां सुर्खियों में है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिताब जीतने के तुरंत बाद हार्दिक पंड्या ने मोहित को गले लगाकर सांत्वना दी जिससे गुजरात टाइटन्स के कप्तान की संवेदना साफ दिखती है जिससे दिखा कि उन्होंने हरियाणा के इस तेज गेंदबाज के इस सत्र में उनके अभियान में योगदान को स्वीकार किया। मोहित 15वें ओवर में पहली चार शानदार गेंद डालने के बाद अंतिम दो गेंद अच्छी नहीं फेंक सके लेकिन इस सत्र में उनके प्रयासों को कमतर नहीं आंक सकता। उन्होंने 14 मैचों में 27 विकेट झटके जिससे वह टीम के साथी और मित्र मोहम्मद शमी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारत के लिए 2015 विश्व कप सेमीफाइनल में खेलने के बाद मोहित लगभग गुम ही हो गए थे लेकिन आठ साल बाद इस अनुभवी खिलाड़ी ने शानदार वापसी की। हालांकि कोई उन्हें फिर से 50 ओवर के क्रिकेट में खेलते हुए नहीं देख रहा है लेकिन क्या वह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रख सकते हैं ताकि 2024 टी20 विश्व कप की टीम में जगह बना सकें। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का यह टूर्नामेंट अगले आईपीएल के तुरंत बाद वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा लेकिन मोहित ने निश्चित रूप से खुद को अगले कुछ टी20 में आजमाने के लिए मजबूत दावा पेश किया है। और अगर मोहित जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में दीपक चाहर के साथ खेलते हुए नजर आएंगे तो यह हैरानी की बात नहीं होगी। हार्दिक भी मोहित से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में सफल रहे और वह भी इस तेज गेंदबाज को उच्च स्तर पर एक मौका देना चाहेंगे। मोहित सीएसके में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में खेलने के बाद 10 साल पहले भारतीय टीम में पहुंचे थे। मोहित ने पिछले महीने टाइटन्स के लिए अपना पदार्पण करने के तुरंत बाद पीटीआई से कहा था, मैंने आईपीएल और भारतीय टीम के साथ करियर का सबसे ज्यादा हिस्सा माही भाई की अगुआई में खेला है। उनके नेतृत्व में ही मैंने अच्छे नतीजे हासिल किए हैं इसलिए मेरा सर्वश्रेष्ठ निकालने का बड़ा श्रेय उन्हें ही जाता है।

लेमिंग ने कहा, जडेजा ने साबित कर दिया कि खेल में परीकथाएं होती हैं

एजेंसी ■ अहमदाबाद

स्टीफन फ्लेमिंग खेल में परियों की कहानियों में विश्वास नहीं करते लेकिन रविंद्र जडेजा का बेजोड़ बल्लेबाजी करके चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को उसका पांचवां आईपीएल खिताब दिलाना इसी तरह की कहानी करीब है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में अंतिम ओवर में जीत के लिए सीएसके को 13 रन की जरूरत थी लेकिन टीम शुरुआती चार गेंद में तीन रन ही बना सकी। जडेजा ने इसके बाद मोहित शर्मा की आखिरी दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर टाइटंस से जीत छीन ली। फ्लेमिंग ने सुपरकिंग्स के खिताब जीतने के बाद संवाददाताओं से कहा, वे कहते हैं कि खेल में परियों की कोई कहानी नहीं होती लेकिन आज बहुत अच्छी कहानी थी। पिछले 18 महीने थोड़े मुश्किल रहे, क्योंकि कप्तानी मुश्किल थी, चोट की समस्या थी, उसने (जडेजा ने)खेल से बाहर थोड़ा समय बिताकर वापसी की और टेस्ट टीम में जगह बनाई और फिर सीएसके की टीम में। असल में मोहित की अंतिम दो गेंद पर जडेजा की शानदार बल्लेबाजी से पहले फ्लेमिंग ने मन ही मन हार मान ली थी। फ्लेमिंग ने कहा, हम आखिरी गेंद पर फाइनल हारे हैं जो दिल तोड़ने वाला रहा है। मैं खुद को एक बार फिर दिल टूटने के लिए तैयार कर रहा था जब जडेजा ने छक्का लगाया और इसके बाद दिल भी टूट सकता था और खुशी भी मिल सकती थी, मैं सुनिश्चित नहीं था। उन्होंने कहा, लेकिन जब मैंने देखा कि गेंद बाउंड्री की ओर जा रही है तो यह परम आनंद था। यह प्रतियोगिता आपको ऐसे भावनात्मक स्तर तक ले जाती है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। फ्लेमिंग ने जडेजा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा वह गेंद के साथ शानदार भूमिका निभाता है, लेकिन हमारे पास इतने सारे बल्लेबाज हैं कि हम उसका उपयोग निचले क्रम में करते हैं। महेंद्र सिंह धोनी उसे वहां तक पहुंचाने में बहुत सहायक और सक्रिय रहे हैं तथा आज वह उस विश्वास पर खरा उतरा। सीएसके के कोच ने कहा कि पहले हाफ में उनकी टीम ने खराब प्रदर्शन किया लेकिन बारिश से प्रभावित मैच के आगे बढ़ने के साथ टीम बेहतर होती गई ।और आत्मविश्वास भर गई। उन्होंने कहा, 215... मैंने सोचा कि यह अच्छा स्कोर था लेकिन बारिश आ गई और हमें लय बदलनी पड़ी। हमने सोचा कि पिच के आसपास नमी को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इसके लिए काफी अच्छी बल्लेबाजी की जरूरत थी।

आईपीएल धोनी की अगुआई मे टीम ने 11वे फाइनल मे खेलते हुए पांचवी बार आईपीएल खिताब जीता।

क्या अगले सत्र में डगआउट से टीम के प्रबंधन की संभावना तलाशेंगे धोनी

एजेंसी ■ अहमदाबाद

महेंद्र सिंह धोनी स्तब्ध थे। रविंद्र जडेजा ने जब फाइनल में टीम को जीत दिलाकर डगआउट की ओर दौड़ना शुरू कर दिया और टीम के अन्य साथी भी उनकी ओर दौड़े तब भी धोनी ने अपना सिर नहीं उठाया। हो सकता है कि धोनी दो महीने की कड़ी मेहनत के बाद पूरी प्रक्रिया के बारे में सोचने की कोशिश कर रहे हों। मोईन अली ने उन्हें गले से लगाया और इस इस दौरान उनके चेहरे पर कोई हावभाव नहीं थे। हो सकता है कि आखिरी छह गेंदों के दौरान उनके दिमाग में कोई तूफान चल रहा हो और यह उसके बाद की शांति थी।धोनी की अगुआई में टीम ने 11वें फाइनल में खेलते हुए पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीता। टीम ने अपना काम कर दिया था। धोनी इसके बाद अपनी मुस्कुराहट रोक नहीं पाए और उत्साहित जडेजा कूदकर उनके गले लग गए। पिछले सत्र के बीच में जडेजा के कप्तानी छोड़ने के बाद इस तरह की अटकलें थी कि उनके और धोनी के रिश्ते बिगड़ रहे हैं लेकिन जैसे कि कहावत है अंत भला तो सब भला। धोनी के मन में क्या चल रहा होता है यह किसी को पता नहीं होता। क्या दुनिया ने नम आंखें देखीं? शायद हां। लेकिन भावनाओं का खुलकर प्रदर्शन नहीं होगा। यह पूरी तरह से एक प्रक्रिया पर चला और सटीकता के साथ उसे लागू करता है। हां, थोड़ी किस्मत भी। वह चुपचाप मैदान में दौड़ता है। गुजरात टाइटंस के दुर्भाग्यशाली गेंदबाज मोहित शर्मा का सिर थपथपाता है। वह जानता है कि इतना करीब आना और फिर भी चूकने पर कैसा लगता है। ओल्ड ट्रैफर्ड को याद कीजिए जहां वह अपने ही अंदाज में टीम को वापसी दिला रहे थे। यही कारण है कि धोनी विशेष हैं। उन्हें असफलताओं के साथ उतना ही जोड़ा जा सकता है जितना सफलताओं के साथ। मोहित ने सुपरकिंग्स के साथ धोनी के नेतृत्व में शीर्ष स्तर पर गेंदबाजी में सफलता हासिल की लेकिन फिर गुमनामी में खो गए। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में जोरदार वापसी की। इस बीच जडेजा टीवी साक्षात्कार में अपने प्रदर्शन और जीत को महेंद्र सिंह धोनी को समर्पित करते हैं। मोटेरा का स्टेडियम जश्न में गूंज उठाता है लेकिन क्या यह संकेत है कि अंत निकट है। यह सवाल धोनी के पीछे हर शहर में गया है और अलग-अलग लोगों ने अलग-अलग तरीके से उनसे पूछा।

उन्होंने हालांकि हमेशा समझदारी दिखाते हुए डैनी मॉरिसन को दिए चुटीले जवाब की तरह ही प्रतिक्रिया दी। धोनी ने मॉरिसन को मजाक में कहा कि वह उन्हें संन्यास लेने के लिए मजबूर कर रहे हैं। क्या हमने धोनी को अंतिम बार मैदान पर देख लिया है। शायद हां या शायद नहीं। केवल समय ही बताएगा कि 43 साल की उम्र की ओर बढ़ते हुए वह क्षतिग्रस्त घुटने से कैसे निपटते हैं।धोनी ने पांचवीं ट्रॉफी उठाने से पहले कहा, अगर परिस्थितियों को देखें तो मेरे लिए संन्यास लेने का यह सर्वश्रेष्ठ समय है। मेरे लिए यह कहना बहुत आसान है कि अब मैं विदा ले रहा हूं

सात्विक-चिराग ने करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी विश्व रैंकिंग हासिल की,

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी नवीनतम विश्व रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई। पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक और फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब तथा मौजूदा सत्र में स्विस ओपन 300 खिताब जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 12 टूर्नामेंट में 74 हजार 651 अंक हैं। पिछले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स के रूप में करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले एचएस प्रणय एक स्थान के फायदे से एक बार फिर दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी बन गए हैं। किदांबी श्रीकांत भी तीन स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर हैं। मलेशिया मास्टर्स से जल्दी बाहर होने का खामियाजा लक्ष्य सेन को रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान के रूप में उठाना पड़ा। वह अब 23वें स्थान पर हैं। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू 13वें स्थान पर बरकरार हैं जबकि महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी 15वें स्थान पर बनी हुई है।

‘वारिसु’ की सफलता के बाद थलपति विजय ने बढ़ाई फीस?

एक वक्त था जब भारतीय सिनेमा के नाम पर बॉलीवुड को ही सबकुछ समझा जाता था। मगर, अब क्षेत्रीय सिनेमा, खासकर साउथ इंडस्ट्री का रूतबा भी दुनियाभर में बढ़ा है। साउथ फिल्मों की पैन इंडिया रिलीज के बीच इस इंडस्ट्री के स्टार्स भी खूब मोटी फीस वसूलने लगे हैं। साउथ के सबसे महंगे स्टार्स का जिक्र हो तो इसमें थलपति विजय का नाम सबसे ऊपर आता है। मीडिया में चल रही खबरों पर यकीन किया जाए तो थलपति विजय ने अपनी फीस बढ़ा दी है।

ले रहे 200 करोड़?

गपशप गलियों में चर्चा है कि थलपति विजय अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 200 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। वारिसु की सफलता के बाद उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी है। हालांकि, कुछ खबरों में एक्टर की फीस 200 करोड़ होने की बात सिर्फ अफवाह बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि विजय की 200 करोड़ रूपये फीस का आंकड़ा बिल्कुल सटीक नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि विजय की फीस साउथ के एक्टर्स में सर्वाधिक जरूर है। विजय से संबंधित एक करीबी सूत्र के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म वारिसु की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ाई है।

मुहमांगी कीमत देने को तैयार मेकर्स?

थलपति विजय मौजूदा वक्त में दक्षिण सिनेमा के सबसे महंगे स्टार हैं। फीस के मामले में वह रजनीकांत से भी आगे हैं। थलपति विजय की जबर्दस्त मार्केट अपील और बॉक्स ऑफिस सक्सेस के बाद फिल्म मेकर्स के बीच एक्टर की डिमांड और ज्यादा बढ़ गई है। कहा तो यह भी जा रहा है कि थलपति विजय बिना स्टोरीलाइन के अकेले ही सफलता की गारंटी बन चुके हैं। इसलिए मेकर्स भी जोखिम लेने को तैयार हैं।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

बता दें कि इससे पहले वेंकट प्रभु के साथ अगले प्रोजेक्ट के लिए थलपति विजय की फीस को लेकर अफवाहें तेज हुई थीं। कहा गया था कि एक्टर इसके लिए 150 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। हालांकि, कुछ खबरों में इस बात को खारिज भी किया गया। वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय फिलहाल अपनी अगली फिल्म लियो को लेकर चर्चा में हैं।

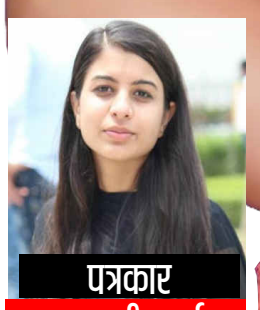

पत्रकार
मानसी शर्मा

मेकर्स नहीं देते थे कृति सेनन को मौके?

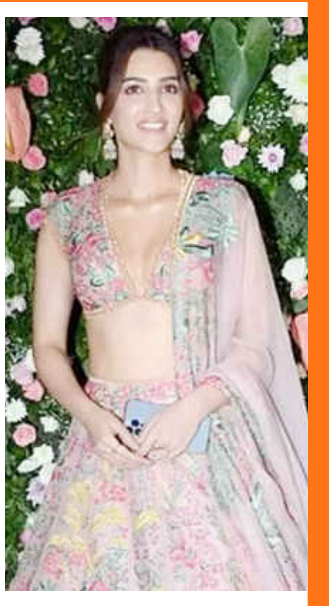

अभिनेत्री कृति सेनन इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस में शुमार हैं। गैर फिल्मी पृष्ठभूमि से आने के बाद भी सिनेमा की दुनिया में उन्होंने एक लंबी लकीर खींची है। करीब नौ वर्ष पहले कृति ने फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद वह बरेली की बर्फी, लुका छुपी और मिमी जैसी तमाम फिल्मों में काम कर चुकी हैं। आज भले ही उनका अपना एक कद है, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब उन्हें फिल्में नहीं मिला करती थीं। हाल ही में कृति ने अपने उस दौर पर बात की। कृति सेनन का कहना है कि जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं तो इंडस्ट्री में लोगों को आपका नाम याद रखने में काफी वक्त लग जाता है। मैं लोगों को अपने नाम से परिचित कराना चाहती थी और वह नाम प्रतिभा के साथ बनता है। मेरे अंदर हमेशा से एक फिल्म स्टार के रूप में पहचान बनाने की भूख रही। यह शुरुआत बरेली की बर्फी से हुई। इसके बाद लुकाछिपी ने भी अच्छा किया। इन फिल्मों के जरिए छोटे ही सही, लेकिन सही दिशा में मेरे कदम बढ़ रहे थे। इसके बाद मिमी ने सबकुछ बदलकर रख दिया और मुझे पहली बार बेस्ट एक्टर अवॉर्ड्स मिले। यहां तक पहुंचने में मुझे आठ साल लगे। बातचीत के दौरान कृति से पूछा गया कि जब आपको लगता था कि आप बेहतर फिल्में कर सकती हैं, लेकिन फिल्म मेकर मौका देने को तैयार नहीं थे तो आपको कैसा महसूस होता था? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, यह बहुत निराशाजनक था। इस तरह के कई मूमेंट्स आए। मुझे पता था कि मैं कर सकती हूं, लेकिन उस तरह के मौके मेरे पास नहीं थे। एक्ट्रेस ने आगे कहा, जब आप बाहर से आते हैं तो आप लोगों को नहीं जानते। लोग भी आपको नहीं जानते हैं। अपना प्रभाव जमाने में आपको वक्त लगता है और लोगों को भी आपसे जुड़ने में वक्त लगता है। ऐसे में आपको जो काम मिल रहा है, उसी में बेहतर करके आप खुद को साबित कर सकते हैं। कृति सेनन का कहना है कि जरूरी नहीं कि जो भी आप करें वह दुनिया का बेस्ट हो, लेकिन हर फिल्म ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म आदिपुरुष में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह माता सीता का किरदार अदा करती दिखेंगी।

कैनेडी के कान में प्रीमियर होने पर उत्साहित हैं राहुल भट्ट

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म कैनेडी में सनी लियोन और राहुल भट ने मुख्य भूमिका निभाई है। यह इस साल भारत की एक मात्र फिल्म है, जिसका प्रीमियर काम फिल्म फेस्टिवल में हो रहा है। टीम फेस्टिवल में पहुंचकर वहां आनंद ले रही है। कैनेडी में राहुल एक एक्स पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे नींद नहीं आती है। सभी लोग फिल्म में मानते हैं कि वह मर चुका है, लेकिन वह अभी भी करप्ट व्यवस्था के लिए काम कर रहा है। 2013 में कान में दिखाई गई अग्ली के बाद अनुराग के साथ राहुल की यह दूसरी फिल्म है। जहां फिल्म सुर्खियां बटोर रही है, वहीं अब राहुल ने इसको लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राहुल इस मौके को एक बड़ा सच मानते हैं। अभिनेता ने एक इंटरव्यू में कहा कि यह एक मान्यता है, जो किसी भी स्तर पर मिलती है जो मायने रखती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई अंतरराष्ट्रीय फिल्में वहां आपस में कॉम्पीटिशन करती हैं लेकिन कुछ ही चुनी जाती हैं। इसलिए, राहुल भट को संतोष है कि

उनकी फिल्म कुछ चुनिंदा फिल्मों की लिस्ट में है। यह उनके लिए बेहद शानदार अनुभव भी है। अनुराग ने विक्रमादित्य मोटवाने के साथ रेड कार्पेट पर कुछ तस्वीरें शेयर की थी। इस दौरान दोनों ही शानदार लग रहे थे। उन्होंने रेड कार्पेट पर मार्टिन स्कोर्सेसे की एक झलक भी दिखाई और राहुल भी इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। अभिनेता ने साझा किया कि उनके लिए, माइकल डगलस और मार्टिन स्कोर्सेसे के समान रेड कार्पेट पर चलना बहुत अच्छा अनुभव रहा है। उनके लिए, महान लोगों के साथ वहां होना अपने आप में एक खास अनुभव है। राहुल भट ने यह भी कहा कि यह अनुभव उन्हें अपने अभिनय को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

फिल्म इंडस्ट्री की राजनीति नहीं संभाल पाए सुशांत सिंह राजपूतः मनोज

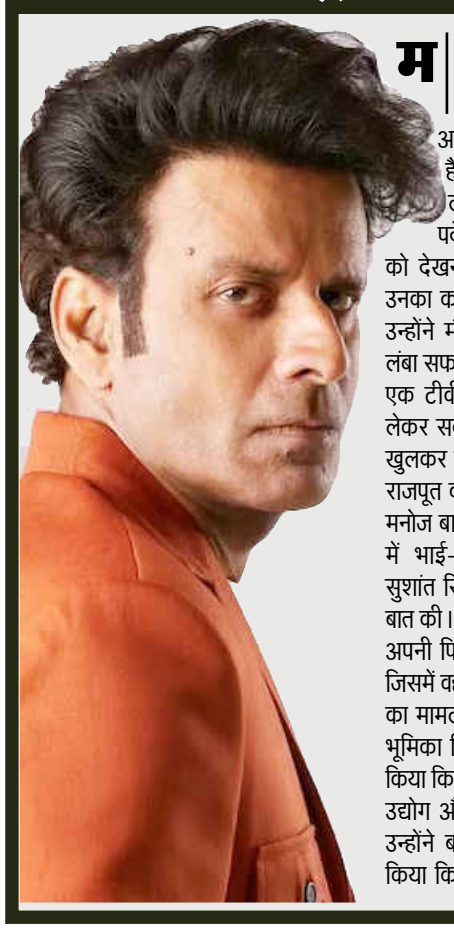

मनोज बाजपेयी हिंदी सिमेना के एक बाड़े और शानदार अभिनेता हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दम पर अपना नाम बनाया हैं। आज उनके फिल्मों के लिए लोग इंतजार करते हैं क्योंकि वह पर्दे पर मनोज बाजपेयी के अभिनय को देखना चाहते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में उनका कोई पहले से बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने मौजूदा नाम बनाने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। हाल ही में उनसे एक टीवी शो में भाई-भतीजावाद को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत को लेकर भी कई बाते की हैं। मनोज बाजपेयी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में भाई-भतीजावाद (नेपोटिस्म) और सुशांत सिंह राजपूत को खोने के बारे में बात की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता अपनी फिल्म बंदा का प्रचार कर रहे हैं, जिसमें वह एक साधु के खिलाफ बलात्कार का मामला लड़ रहे और एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं। बाजपेयी ने साझा किया कि भाई-भतीजावाद हमेशा फिल्म उद्योग और हर जगह मौजूद रहा है। उन्होंने बाहरी लोगों को भी आगाह किया कि वे इसे दिल से न लें और अपनी ऊर्जा को अपने शिल्प को चमकाने में लगाएं।

अभिनेता ने कहा कि वह भाई-भतीजावाद से कभी प्रभावित नहीं हुए क्योंकि कोई भी स्टार किड उस तरह की फिल्में नहीं करेगा जैसे वह करते है या नवाज करेगा, इरफान होते तो वो करते या केके मेनन करेंगे। ये व्यावसायिक फिल्में नहीं हैं इसलिए कोई भी इन पर ध्यान केंद्रित नहीं करता है और न ही इन पर अपना पैसा लगाता है। इस प्रकार मुझे यह जोड़ना चाहिए कि आप इसे हर समय बहाना नहीं बना सकते। अपनी ऊर्जा बर्बाद मत करो। थिएटर करो, अगर तुम एक अच्छे अभिनेता हो, तो तुम सड़क पर प्रदर्शन करके भी पैसा कमा सकते हो। टीवी एंकर ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बारे में पूछताछ की, जिसने भाई-भतीजावाद की चर्चा को हवा दे दी। यह साझा करते हुए कि वह उनकी मृत्यु से व्यक्तिगत रूप से बहुत प्रभावित थे, अभिनेता ने सोनचिरैया की शूटिंग के दौरान साझा किए गए समय को याद किया। उन्होंने कहा कि हम वास्तव में करीब हो गए थे और उनका मेरे लिए बहुत प्यार था। मैं अक्सर सेट पर मटन पकाता थी और वह हमेशा खाने के लिए आते थे। हमें कभी नहीं पता था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा लेकिन उसने अपनी चुनौतियों के बारे में मुझसे खुलकर बात की थी।

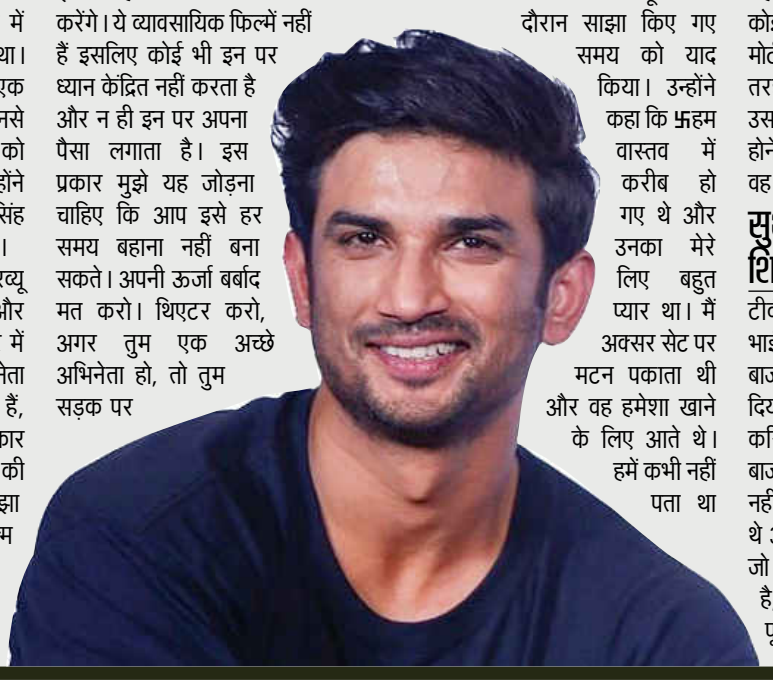

मनोज बाजपेयी ने कहा कि, उद्योग में राजनीति हमेशा होता है, लेकिन जैसे-जैसे आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जाते हैं, यह और भी गंदा होता जाता है। मुझे कभी कोई समस्या नहीं हुई क्योंकि मैं जिद्दी और मोटी चमड़ी वाला था। वह नहीं था और इस तरह दबाव का प्रबंधन नहीं कर सका। उसने मुझसे इन चीजों के बारे में चिंतित होने के बारे में बात की थी क्योंकि इससे वह प्रभावित हुआ था।

सुशांत भाई-भतीजावाद के शिकार हो गए थे?

टीवी एंकर ने सवाल किया कि सुशांत भाई-भतीजावाद के शिकार हैं? तो मनोज बाजपेयी ने यह कहते हुए इसे खारिज कर दिया कि वह उनके लिए बहुत अलग करियर चाहते थे। यदि आप मनोज बाजपेयी बनना चाहते हैं, तो कोई राजनीति नहीं है। लेकिन वह एक स्टार बनना चाहते थे और वहां बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन है। जो भी स्टार बनने के लिए मैदान में उतरता है, वह उस मुकाम को हासिल करने की पूरी कोशिश करता है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए तैयार हैं

मौनी रॉय

कान्स फिल्म फेस्टिवल 16 मई से 27 मई तक चलने वाला है। अभी तक तमाम भारतीय एक्ट्रेस ने कान्स में अपनी अपीरियंस दे दी हैं। कुछ एक्ट्रेस कांस से वापस भी आ गयी हैं। भारतीय एक्ट्रेस की लंबी सूची में अब मौनी रॉय का भी नाम शामिल हो गया हैं। मौनी रॉय कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। ब्रह्मास्त्र अभिनेत्री इस सिनेमा और कलात्मकता के प्रतिष्ठित उत्सव का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। ईशा गुप्ता, मृणाल ठाकुर और सारा अली खान के बाद, मौनी रॉय इस साल कान्स रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली अगली भारतीय सेलिब्रिटी हैं। नागिन से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री प्रतिष्ठित फिल्म समारोह का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं। अपने कान्स डेब्यू को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए, मौनी रॉय ने कहा, प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरुआत की घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कान्स में लेंसकार्ट का प्रतिनिधित्व करना और रचनात्मकता के इस प्रतिष्ठित उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इसके लिए आभारी हूं। यह अविश्वसनीय अवसर है और मैं इस वैश्विक मंच पर सिनेमा के लिए अपनी अनूठी शैली और जुनून दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता। मौनी रॉय ने कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने आसन्न प्रीमियर के अलावा, पिछले साल ब्रह्मास्त्र में अपने प्रदर्शन के लिए ढेर सारा प्यार और वाहवाही बटोरी। दर्शक फिल्म में उनके काम से मंत्रमुग्ध थे और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को देखने में सक्षम थे। अपने काम के मोर्चे पर, मौनी को आखिरी बार ब्रह्मास्त्र में मुख्य प्रतिपक्षी जूनून के रूप में देखा गया था। वह अगली बार सनी सिंह और पलक तिवारी के साथ द वर्जिन ट्री में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव करेंगे और इसे संजय दत्त प्रोड्यूस करेंगे। रॉय के बहुमुखी प्रदर्शनों ने दर्शकों को मोहित कर लिया है, और अब उनका कान्स डेब्यू निश्चित रूप से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक शिव कुमार ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड, 32, कश्मीरी कॉलोनी, खैरा विलेज, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677, टोडरमल कॉलोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे।